खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 02 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य–8 रु.। वर्ष–7 । अंक–329

यह तो 'शुभ लाभ' नहीं!

महेश बैंक चुनाव 2025

महेश बैंक चुनाव 2025 में झूठ का सहारा लेकर फाउंडर पैनल नित नये खुलासे कर न केवल अपनी भद्द पिटवा रहा है, बल्कि बिना सिर–पैर की बातों से हँसी का पात्र भी बन रहा है।

श्री रमेश कुमार बंग और उनकी टीम को दरकिनार करते ही बैंक का मुनाफा 69.98 करोड़ होने संबंधी दावे की तफ्तीश करने पर सनसनीखेज खुलासा करने वाले बेनामियों की पोल ही खुल गई।

दरअसल बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर 2024–25 की सालाना रिपोर्ट में 31–3–2025 तक (पेज नं. 21) के दर्ज आँकडें चीख–चीख कर कह रहे हैं कि मुनाफा 53.60 करोड़ ही हुआ। मजे की बात तो यह है कि इस फायदे में भी 25.48 करोड़ की उस राशि को समाहित कर लिया गया, जो कि श्री बंग के कार्यकाल में बैंक द्वारा उस समय के लाभ में से एक्स्ट्रा रिजर्व क्रियेट की गयी थी, जिसे इन्होंने चालू वर्ष के लाभ में परिवर्तित कर लिया । इसका पूरा विस्तार से ब्यौरा इसी रिपोर्ट के पेज नं. 57 व 58 में पाइंट 19.17,19.19, 19.20 व 19.21 में दिया गया है। हर बैंक भविष्य में किसी अनहोनी को ध्यान में रखते हुए इस तरह का रिजर्व रखती है। और तो और 28.12 करोड़ का यह लाभ भी तब आया, जब इसमें एनपीए यानि गैर निष्पादित रिकवरी के करीब 12 करोड़ भी शामिल किये गये।

जरा सोचिए क्या यह रिकवरी एक ही दिन में संभव है। इसके लिए लंबे समय (मार्च 2021) से प्रयास जारी थे और क्या बिना किसी ठोस सुरक्षा गारंटी (पक्के दस्तावेज) रखे, रिकवरी (नवंबर 2024) हो सकती थी। यानि यह भ्रम फैलाना कि ठोस दस्तावेजी कार्रवाई के बिना ही वक्फ आदि संपत्तियों पर मनमाने तरीके से भारी भरकम ऋण दे दिये गये, सरासर झूठ है। इसमें कोई दो राय–तीन मत नहीं हो सकते कि आपसी खींचतान और विद्वेष के चलते बैंक की साख गिरी और कारोबार 4550 से 2700 करोड़ तक आ गया, वहीं लाभ भी सिर्फ और सिर्फ 16.12 करोड़ के

आसपास ही हुआ।

अब बताइए ऐसा ढिंढोरा पिटना कि बंग जी और उनकी टीम के हटते ही कम कारोबार के बावजूद ऐतिहासिक प्राफिट हुआ का हौव्वा फैलाना कितना जायज है? वास्तविकता तो यही है कि हमारी आन–बान और शान महेश बैंक ऐतिहासिक पतन की ओर है। इतनी बड़ी मल्टी स्टेट बैंक का चैयरमेन इन्नोवा कार में नहीं घूमेगा तो क्या पैदल चलेगा?

एक साल में यदि दस लाख खर्च हुए भी होंगे तो यह कोई बहुत बड़ा विषय नहीं कि उसे इस तरह उछाला जाए। रही सिर्फ एक मीटिंग अटेंड करने की बात तो यह बैठक भी हाई कोर्ट द्वारा नियुक्त अधिकारी के आग्रह पर चुनावी मंजूरी के लिए कानूनन मजबूरी थी।

जब सारा दैनंदिनी (डे टू डे) कामझाम, नीतिगत निर्णय लेने का अधिकार उक्त अधिकारी को ही सौंप दिया गया हो तो भला बंग जी वहाँ जाकर करते भी क्या? यह सोचने वाली बात है।

एसआईआर पर बवाल, विपक्ष का जोरदार हंगामा
उच्च सदन में सभापति का जोरदार स्वागत

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया। इस सत्र में 19 दिनों की अवधि में कुल 15 बैठकें होंगी। विपक्षी सांसदों द्वारा बार–बार की गई नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन के बाद लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। प्रदर्शनकारी विपक्षी सांसदों की मुख्य माँग देश भर में मतदाता सूचियों से संबंधित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास पर चर्चा कराना था। वहीं, संसद के शीतकालीन सत्र के आरंभ में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन का हार्दिक स्वागत किया। राधाकृष्णन पहली बार उच्च सदन की अध्यक्षता करने के लिए संसद पहुँचे, जिससे उनके अध्यक्ष पद पर कार्यकाल की शुरुआत हुई।

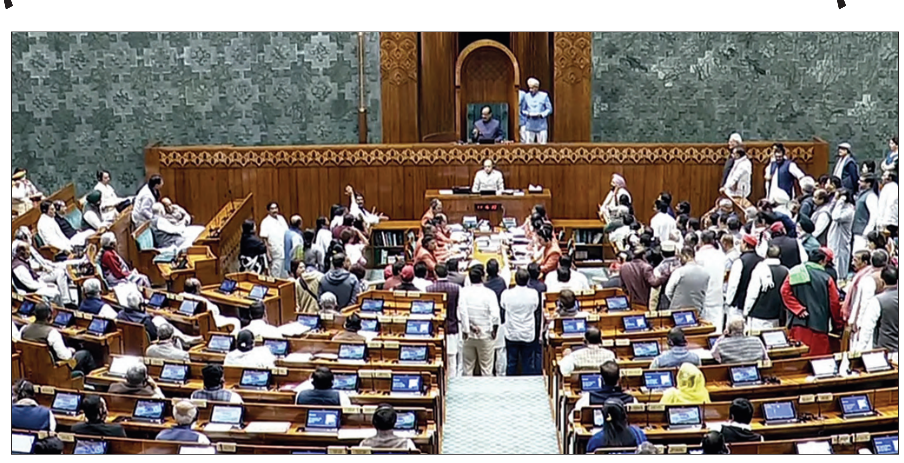

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही बाधित रही और सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही लोकसभा ने ङ्कमणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025फ पारित किया। विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ङ्केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025फ और ङ्कस्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025फ पेश किया।

बैठक शुरू होने पर सबसे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन को कुछ दिवंगत पूर्व सदस्यों के निधन की जानकारी दी और सभा ने कुछ पल मौन रखकर दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद अध्यक्ष ने महिला विश्वकप क्रिकेट और महिला कबड्डी विश्वकप में भारत की जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। वहीं, विपक्ष के हंगामे पर अध्यक्ष ने कहा, ङ्कङ्कआज शीतकालीन सत्र का पहला दिन हैं। सभी सदस्यों से अपेक्षा है कि वे रचनात्मक भागीदारी निभाएं। लोकतंत्र में सहमति, असहमति होती रही है, वैचारिक मतभेद भी होते हैं। लेकिन चर्चा, संवाद से ही समाधान निकलता है। पिछले सत्र में भी मैंने आपसे आग्रह किया था कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं और हमें अच्छी परिपाटियां और परंपराएं स्थापित करनी चाहिए।फफ

सरकार ने सोमवार को लोकसभा को सूचित किया कि पिछले पांच साल में संसाधनों का सबसे अच्छा इस्तेमाल करने के लिए असम में 2,900 से ज्यादा सरकारी स्कूलों को पास के स्कूलों में मिला दिया गया है। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2025–26 में 41,455 करोड़ रुपए के शुद्ध अतिरिक्त व्यय के लिए सोमवार को लोकसभा से मंजूरी मांगी जिसमें से 27,000 करोड़ रुपये से अधिक उर्वरक और पेट्रोलियम सब्सिडी से जुड़ा व्यय शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वर्ष 2025–26 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों का पहला बैच पेश किया।

सरकार ने जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर खत्म होने के बाद भी तंबाकू, पान मसाला और अन्य तंबाकू उत्पादों पर कुल कर भार समान बनाए रखने के लिए सोमवार को दो विधेयक लोकसभा में पेश किए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों की भारी नारेबाजी के बीच ये विधेयक पेश किए।

राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन में अपने प्रथम संबोधन में सदस्यों से संविधान के प्रति निष्ठावान रहने और संसदीय आचरण की निर्धारित ङ्कलक्ष्मण रेखाफ का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि उच्च सदन के पास बहुत विधायी कार्य हैं और समय को लेकर सदस्यों व पीठ दोनों के सामने चुनौती होगी। राधाकृष्णन ने कहा, हर कोई 0चाहे सभापति हों या सदस्य 0हम सभी को राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। भारत का संविधान और राज्यसभा के नियम हमारे संसदीय आचरण की लक्ष्मण रेखा तय करते हैं। ▶10पर

सिगरेट, पान मसाला और तंबाकू होगा महंगा?

नया कानून बनाने जा रही सरकार

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिगरेट, पान मसाला व अन्य तंबाकू उत्पाद आने वाले समय में काफी महंगे हो सकते हैं। केंद्र सरकार इन वस्तुओं पर क्षतिपूर्ति टैक्स की जगह नए रूप में इन पर और अधिक टैक्स वसूलने के लिए सेंट्रल एक्साइज (संशोधन) 2025 तो स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा सेस के नाम से कानून बनाने जा रही है। सोमवार को इन दोनों बिल को संसद में पेश किया गया।

वर्तमान में तंबाकू, पान मसाला, सिगरेट जैसे हानिकारक आईटम पर सरकार 28 प्रतिशत जीएसटी के साथ क्षतिपूर्ति सेस भी वसूलती है। क्षतिपूर्ति सेस की अवधि अगले साल मार्च तक समाप्त हो जाएगी और उसके बाद कानूनी तौर पर सरकार किसी भी आईटम पर क्षतिपूर्ति सेस नहीं लगा सकेगी। क्षतिपूर्ति सेस समाप्त होने से सरकार के राजस्व पर भी फर्क पड़ेगा।

इन चीजों को ध्यान में रखते हुए सरकार एक्साइज संशोधन बिल और स्वास्थ्य से सुरक्षा सेस कानून ला रही है। ताकि इस प्रकार के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक आईटम की बिक्री से सरकार को भरपूर राजस्व भी मिले और लोग इसकी खपत के लिए हतोत्साहित भी हो। स्वास्थ्य से राष्ट्रीय सुरक्षा सेस के तहत सिगरेट, पान मसाला जैसे आईटम के उत्पादन में शामिल मशीन व उपकरणों पर सेस लगाया जाएगा। वर्ष 2017 में क्षतिपूर्ति सेस की शुरुआत की गई थी जिसे पांच साल तक जारी रखना था। ताकि राज्यों को वित्तीय मदद दी जा सके। कोरोना काल में क्षतिपूर्ति सेस का संग्रह काफी कम होने से राज्यों की वित्तीय मदद के लिए केंद्र ने लोन लिया। 2022 में क्षतिपूर्ति सेस की अवधि समाप्त होने के बावजूद लोन की वजह से इस सेस को जारी रखा गया ताकि ▶10पर

भगोड़े आर्थिक अपराधियों का राज़ खुला

15 पर 58,000 करोड़ की देनदारी, विजय माल्या और नीरव मोदी का भी नाम

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा को सूचित किया कि 31 अक्टूबर, 2025 तक भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत कुल 15 व्यक्तियों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी ड़ घोषित किया गया है। यह जानकारी संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा सदस्य और दौसा से कांग्रेस सांसद मुरारी लाल मीणा द्वारा उठाए गए एक अतारांकित प्रश्न के उत्तर में साझा की गई। मीणा ने लोकसभा में वित्त मंत्री से पूछा कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत आज तक कितने व्यक्तियों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर किए गए वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित मामलों में; इन घोषित भगोड़े आर्थिक अपराधियों द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को हुई कुल वित्तीय हानि (रुपये में) का विवरण, नाम–वार और बैंक–वार; निपटान में शामिल व्यक्तियों का नाम और संख्या, संबंधित बैंकों के नाम, निपटाई गई राशि और दी गई छूट। चौधरी ने कहा कि इन 15 अपराधियों में से नौ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ बड़े पैमाने पर की गई वित्तीय धोखाधड़ी में शामिल हैं। ▶10पर

सरकार ने माना– एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए

विमानों को गलत सिग्नल मिले, इससे दिल्ली में 800 फ्लाइट लेट हुई थीं

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम में 7 नवंबर को छेड़छाड़ की गई थी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में यह बात स्वीकारी।

उन्होंने बताया कि इस वजह से प्लेन को गलत सिग्नल मिले थे। इसे जीपीएस स्पूफिंग कहा जाता है। 7 नवंबर को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन 12 घंटे से ज्यादा प्रभावित रहा था। 800 से ज्यादा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स देरी से उड़ीं जबकि 20 को रद्द करना पड़ा था। नायडू ने सदन में बताया कि वैश्विक स्तर पर रैनसमवेयर–मैलवेयर अटैक का खतरा बढ़ा है। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया अपने खढ और क्रिटिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर की सेफ्टी के लिए एडवांस साइबर सिक्योरिटी अपना रहा है।

उन्होंने यह जानकारी सांसद एस. निरंजन रेड्डी के सवाल पर दी। रेड्डी ने पूछा था कि क्या सरकार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय पर हुई जीपीएस स्पूफिंग की जानकारी है। डीजीसीए–एएआई की इससे बचने की क्या तैयारी है। दिल्ली एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल के ऑटोमेटिक मैसेज स्विच सिस्टम में शुक्रवार को तकनीकी खराबी आने से फ्लाइटस ऑपरेशन 12 घंटे से ज्यादा प्रभावित रहा था। 800 से ज्यादा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स देरी से उड़ीं और 20 को रद्द करना पड़ा। ▶10पर

सरकार ने ब्लॉक किए 87 अवैध लोन ऐप

डिजिटल ठगी और गैर–कानूनी ऑनलाइन कर्ज गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने डिजिटल ठगी, ऊंची ब्याज वसूली और अवैध ऑनलाइन कर्ज देने वाली गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए 87 गैर–कानूनी लोन ऐप को ब्लॉक कर दिया है। ये ऐप बिना वैध अनुमति के कर्ज बांटते थे और उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी, डेटा चोरी और अवैध रिकवरी प्रथाओं का शिकार बनाते थे। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को जनसुलभ ऑनलाइन सामग्री को ब्लॉक करने का अधिकार देती है। इसी प्रावधान के तहत ये कार्रवाई की गई।

लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कॉरपोरेट कार्य राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि अब तक 87 अवैध ऐप चिन्हित कर उन्हें ब्लॉक किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत समय–समय पर कंपनियों की जांच, खातों की पुस्तकों का निरीक्षण और कानूनी कार्रवाई की जाती है। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि एप–आधारित लोन देने–लेने की संलिप्तता रखने वाली कंपनियों के खिलाफ भी आवश्यक कार्रवाई अनिवार्य रूप से की जाती है, और किसी भी उल्लंघन पर सख्त कानूनी प्रावधान लागू होते हैं।

कार्टून कॉर्नर

भारत की चुनाव प्रक्रिया को मिली वैश्विक मान्यता

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार संभालेंगे इंटरनेशनल आईडीईए की अध्यक्षता

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत की लोकतांत्रिक एवं चुनावी प्रणाली को बड़ी अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को बताया कि भारत को पहली बार इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह संस्था वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि दुनिया भारत में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों के सफल संचालन ▶10पर

भाजपा अध्यक्ष की घोषणा जल्द!

खरमास के बाद तेज होगी प्रक्रिया, तीन प्रमुख चेहरों पर दांव

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

भाजपा में ऐसी अटकलें तेज़ हैं कि पार्टी के नए अध्यक्ष की घोषणा जल्द ही हो सकती है। बिहार में एनडीए की जदीत के बाद अटकलें तेज़ हैं कि राज्य में अहम भूमिका निभाने वाले एक कैबिनेट मंत्री, मौजूदा भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की जगह ले सकते हैं। हालाँकि, इस पद के लिए कुछ केंद्रीय मंत्रियों के नाम भी चर्चा में हैं। सूत्रों ने खुलासा किया कि हाल ही में मध्य प्रदेश के जबलपुर में संपन्न तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में आरएसएस के शीर्ष नेताओं के बीच इस मुद्दे पर विचार–विमर्श हुआ। सूत्रों के अनुसार, पिछले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय पाने वाले एक वरिष्ठ आरएसएस नेता को भी पार्टी में अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। नड्डा को 2019 में भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष और फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 के लोकसभा चुनावों तक बढ़ा दिया गया था। 29 राज्यों में संगठनात्मक ▶10पर

आतंकवाद पर सख्ती

सेना और बीएसएफ ने 'चिकन नेक' कॉरिडोर पर बढ़ाई निगरानी

कोलकाता, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में बदलते हालात और बढ़ते सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए भारतीय सेना और सीमा सुरक्षा बल ने उत्तर बंगाल स्थित चिकन नेक कॉरिडोर, जिसे सिलीगुड़ी कॉरिडोर भी कहा जाता है, पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। यह संकरा लेकिन अत्यंत रणनीतिक मार्ग भारत के सभी उत्तर–पूर्वी राज्यों को मुख्यभूमि भारत से जोड़ने वाली एकमात्र लाइफलाइन है। चिकन नेक की संवेदनशीलता देखते हुए इलाके में उच्चस्तरीय निगरानी, अतिरिक्त पेट्रोलिंग, और एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम की तैनाती तेज़ी से बढ़ा दी गई है।सूत्रों के अनुसार, हालिया खुफिया रिपोर्टों में चेतावनी दी गई है कि लश्कर–ए–तैयबा प्रमुख हाफिज सईद बांग्लादेश के रास्ते भारत के खिलाफ नया आतंकवादी फ्रंट खोलने की कोशिश कर रहा है। ▶10पर

संयुक्त राष्ट्र की लताड़ के बाद पाकिस्तान की सफाई, 27वें संशोधन पर मचा बवाल

इस्लामाबाद, 01 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की ताकत बढ़ाने वाले 27वें संवैधानिक संशोधन को लेकर देश अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार किरकिरी झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने शुक्रवार को जिनेवा से जारी बयान में कड़ी आलोचना की थी। इसके बाद पाकिस्तान ने सफाई पेश करते हुए कहा कि यह उसके आंतरिक और संप्रभु मामले हैं।

वोल्कर तुर्क ने कहा कि पिछले साल के 26वें संशोधन की तरह 27वें संशोधन को भी बिना कानूनी विशेषज्ञों, बार काउंसिल और नागरिक समाज से व्यापक परामर्श के जल्दबाजी में पारित किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि इन संशोधनों से न्यायिक स्वतंत्रता कमजोर हुई है और सैन्य जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यूएन प्रमुख ने इसे लोकतंत्र और कानून के शासन के लिए खतरा बताया। जवाब में पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बयान जारी कर कहा, 'सभी संसदीय लोकतंत्रों में संविधान संशोधन जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का विशेषाधिकार होता है।' बयान में यूएन की टिप्पणी को 'राजनीतिक पूर्वाग्रह और गलत सूचना से प्रेरित 'करार दिया गया। पाकिस्तान ने दावा किया कि वह मानवाधिकार, मानवीय गरिमा, बुनियादी स्वतंत्रताओं और कानून के शासन की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही उच्चायुक्त से संसद के संप्रभु फैसलों का सम्मान करने की अपील की गई।

इस महीने की शुरुआत में सीनेट और नेशनल असेंबली की संयुक्त समिति ने 27वें संशोधन विधेयक को मंजूरी दी थी। इसके तहत अनुच्छेद 243 में संशोधन कर ज्वॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष की जगह नया पद 'प्रमुख रक्षा अध्यक्ष 'बनाया गया है। विपक्ष का दावा है कि यह पद जनरल असीम मुनीर के लिए खासतौर पर बनाया गया है ताकि रिटायरमेंट के बाद भी उनकी पकड़ बनी रहे।

न्यूज ब्रीफ

मोबाइल की लत से मानसिक अस्थिरता का खतरा

लंदन। लंबे समय तक तेज और बदलते डिजिटल कंटेंट के संपर्क में रहने से दिमाग की स्थिरता प्रभावित होती है, जिससे 'पॉपकॉर्न ब्रेन सिंड्रोम' तेजी से फैल रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह ऐसी स्थिति है जिसमें दिमाग सतही और निरंतर बदलते उत्तेजनाओं का इतना आदी हो जाता है कि व्यक्ति किसी एक विचार पर टिककर सोच ही नहीं पाता। जनवरी 2025 से अक्टूबर 2025 के बीच 113 मरीज इस समस्या के साथ उपचार के लिए पहुँचे हैं, जिनमें अधिकतर 25 से 45 वर्ष के युवा शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, रील्स और शॉर्ट वीडियो के रूप में मिलने वाला तेज, चमकदार और अल्पकालिक कंटेंट दिमाग को लगातार उत्तेजित करता है। इससे विचार पॉपकॉर्न की तरह उछलने लगते हैं और व्यक्ति किसी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता। ऐसे मरीजों में मन का विचलित होना, एकाग्रता की कमी, मानसिक थकान और छोटे-छोटे विचारों का अनियंत्रित रूप से उभरना आम लक्षणों में शामिल है। स्थिति गंभीर होने पर मरीज ब्रेन फॉग का शिकार हो सकते हैं, जिसमें दिमाग धुंधला महसूस होता है, स्मरण शक्ति कमजोर पड़ने लगती है और साधारण निर्णय लेना भी कठिन हो जाता है। कई लोग चिड़चिड़ापन, मानसिक भारीपन, असमंजस और काम में अरुचि जैसी समस्याओं से भी गुजरते हैं। चिकित्सकों का मानना है कि इस समस्या की जड़ अत्यधिक स्क्रीन टाइम, बिगड़ी दिनचर्या और डिजिटल मनोरंजन की बढ़ती लत है। ऐसे मामलों में सबसे पहले 'डिजिटल डिटॉक्स' की सलाह दी जाती है, जिसमें मोबाइल उपयोग कम करना और सप्ताह में कम से कम दो दिन बिना मोबाइल के बिताना शामिल है। योग, ध्यान और मस्तिष्क को शांत करने वाली गतिविधियाँ भी बेहद आवश्यक बताई गई हैं।

नासा के रोवर ने किया कारनामा, मंगल पर रिकॉर्ड की डरावनी आवाजें

वाशिंगटन। मंगल ग्रह पर हवा की सरसराहट के अलावा कुछ नहीं है, लेकिन अब यह खामोशी धमाके के साथ टूट गई है। नासा के एक अकेले रोवर ने यह कर दिखाया है जो आज तक नामुमकिन था। लाल ग्रह की वीरान रेत के बीच बिजली कड़कने की पुष्टि हुई है। यह सवाल सदियों से पूछा जा रहा था कि क्या मंगल पर बिजली होती है। अब पर्सीवरेंस रोवर ने इसका जवाब दिया है। वैज्ञानिकों ने पहली बार मंगल पर इलेक्ट्रिकल डिस्चार्ज की आवाज सुनी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह खोज बताती है कि यह ग्रह कितना रहस्यमयी है। धूल भरी आंधियों के बीच 55 बार बिजली कड़की। नासा का पर्सीवरेंस रोवर मंगल की सतह पर बहुत ही मुश्किल मिशन को अंजाम दे रहा है। रोवर वहां की धूल और तूफान का सामना कर रहा है। उसने कुछ ऐसा रिकॉर्ड किया की सबको चौंका दिया। वैज्ञानिकों ने डेटा की जांच की तो उन्हें बिजली के सबूत मिले हैं। यह बिजली पृथ्वी जैसी नहीं है। यह वहां की सूखी और पतली हवा में पैदा हो रही है। दो मंगल वर्षों में 55 बार ऐसा हुआ है। यह घटना तब होती है जब वहां धूल के बवंडर उठते हैं। इसे डस्ट डेविल्स कहा जाता है। यह सवाल सबके मन में है कि बिना बादल बिजली कैसे बनी। पृथ्वी पर हम बादलों और बारिश को बिजली से जोड़ते हैं, लेकिन मंगल पर पानी के बादल नहीं हैं। वहां का वातावरण सूखा है फिर भी वहां बिजली कड़क रही है। इसका कारण है वहां की धूल। जब धूल के कण हवा में उड़ते हैं तो वे आपस में टकराते हैं। इस रगड़ से चार्ज पैदा होता है।

चक्रवाती तूफान दित्वा का नेपाल पर आंशिक प्रभाव

काठमांडू। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में विकसित चक्रवात 'दित्वा' का आंशिक असर नेपाल में देखा जाने लगा है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी है। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात के प्रभाव के कारण देश के कुछ क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं और कहीं-कहीं धुंध की स्थिति दिखाई दे रही है। सोमवार सुबह कोशी, मधेश और बागमती प्रदेश में आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं, जबकि अन्य प्रदेशों के अधिकांश हिस्सों में मौसम सामान्यतया साफ रहा। तराई के कुछ स्थानों में धुंध दर्ज की गई है। दोपहर के समय कोशी, मधेश, बागमती, गंडकी और लुम्बिनी प्रदेश में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। अन्य प्रदेशों में मौसम मुख्य रूप से साफ रहेगा। रात के समय भी कोशी, मधेश और बागमती प्रदेश में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है, जबकि शेष क्षेत्रों में मौसम साफ रहने की बात कही गई है। महाशाखा ने बताया कि चक्रवात 'दित्वा' का प्रभाव अस्थायी होगा और सामान्य बादल छाए रहने के अतिरिक्त किसी प्रकार के विशेष जोखिम की आशंका नहीं है।

बलोचिस्तान के नोक कुंडी में फ्रंटियर कॉर्प्स मुख्यालय पर बीएलएफ का हमला, संगठन की महिला सदस्य ने खुद को उड़ाया

क्वेटा, 01 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के चगाई जिले में रविवार देरशत नोक कुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) मुख्यालय दक्षिण पर बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने हमला कर राज्य और संघीय सरकार की नींद उड़ा दी। इस हमले में शामिल बीएलएफ की एक महिला सदस्य ने एफसी मुख्यालय के द्वार पर खुद को उड़ाकर अपने साथियों के प्रवेश करने का रास्ता साफ किया। एफसी ने तड़के कहा कि मुख्यालय में घुसे तीनों सशस्त्र हमलावरों को मार गिराया गया। वहीं, बीएलएफ ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों के हमले में एफसी के कई अधिकारी और कर्मचारी मारे गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, एफसी के प्रवक्ता के बयान के अनुसार एक हमलावर को खुद को उड़ा लेने के बाद सुरक्षाबलों ने कम से कम तीन हमलावरों को मार गिराया गया। एफसी मुख्यालय पर हमले की यह कोशिश प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) ने की। प्रवक्ता ने कहा कि यह आत्मघाती हमला है। प्रवक्ता ने कहा कि परिसर पर तलाशी अभियान चल रहा है। परिसर के भीतर अभी तीन हमलावरों के होने के आसार हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, नोक कुंडी में हुए हमले के आसपास पंजगुर जिले के गुरमाकन इलाके में एक चेक पोस्ट पर भी हमला होने की खबर है। नवंबर 2022 में टीटीपी के सरकार के साथ सीजफ़ायर खत्म करने के बाद पाकिस्तान में खासकर बलूचिस्तान में आतंकी गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। शनिवार को भी बलोचिस्तान के क्वेटा और डेरा मुराद जमाली में सात धमाके हुए। एक धमाके में प्रांतीय राजधानी के पास रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा उड़ गया और देश के दूसरे हिस्सों में रेल आवागमन रोक दिया गया। देररात एक और घटना में क्वेटा के सरियाब इलाके में एक निर्माण कंपनी के शिविर पर अज्ञात हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया।

खबर के अनुसार, नोक कुंडी में एफसी के जवानों की गोलीबारी में कई हमलावर मारे गए हैं। पंजगुर जिले के एक सिक्योरिटी चेक पोस्ट पर सुरक्षा बलों और हमलावरों के बीच कई घंटे तक गोलीबारी होती रही। इससे पहले पिछले सोमवार को पेशावर में संघीय कांस्टेबुलरी हेडक्वार्टर के गेट पर एक आत्मघाती ने बम धमाका कर तीन जवान को उड़ा दिया था।

रिपोर्ट के अनुसार, पंजगुर के मगरिब में चेक पोस्ट में कई घंटों तक झड़प हुई है। इस झड़प में पाकिस्तान की सेना को बड़ी क्षति हुई है। हथियारबंद लोगों ने चेकपोस्ट के पास स्थापित पाकिस्तान सेना के शिविर को निशाना बनाया। गौरतलब है कि पिछले एक दिन में कलात, क्वेटा, केच, चगाई और पंजगुर सहित बलोचिस्तान के विभिन्न जिलों में 23 से अधिक हमलों में पाकिस्तान की सेना, पुलिस, सरकारी सुविधाओं और रेलवे पटरियों को निशाना बनाया गया है, जबकि सशस्त्र व्यक्तियों ने क्वेटा और ईरानी सीमा की ओर जाने वाले मार्गों पर भी नाकेबंदी कर दी है।

इसके अलावा चगाई में सशस्त्र हमलावरों ने पाकिस्तान की सेना के मुख्य शिविर पर आत्मघाती हमला की। बलोच स्वतंत्रता सशस्त्र संगठनों ने चगाई सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुए हमलों की जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है, लेकिन पंजगुर में हुए हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी समूह ने स्वीकार नहीं की है। पिछले 24 घंटों में हुए कई हमलों की पुष्टि पाकिस्तान की सेना के अधिकारियों ने की है। नोक कुंडी की जिम्मेदारी लेने के बाद बीएलएफ ने अपनी जांबाज महिला सदस्य का फोटो जारी किया है। बीएलएफ प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने मीडिया को भेजे संक्षिप्त बयान में कहा कि संगठन की सहायक संस्था सोब के सदस्यों ने नोक कुंडी में रेकोडक और सिंदक से संबद्ध विदेशी कर्मचारियों और इंजीनियरों के केंद्रीय परिसर पर भारी हमला किया।

बीएलएफ ने अपने आधिकारिक चैनल पर अपनी खातून फिदाइन हमलावर की तस्वीर जारी करते हुए घोषणा की कि जुंद नादरी जरीना रफीक उर्फ तरंग माहू ने परिसर की दीवार तोड़ते समय खुद को उड़ा लिया। इसके बाद बीएलएफ के बाकी विद्रोही परिसर में प्रवेश करने में सफल रहे। संघर्ष जारी है। कई विद्रोही अभी केंद्रीय शिविर के अंदर हैं।

प्रकृति के संकेतों के आधार पर दिनचर्या तय करते हैं इस द्वीप पर लोग

सोम्मारॉय, 01 दिसंबर (एजेंसियां) ।

दुनिया में शायद ही कोई ऐसी जगह हो, जहाँ लोग बिल्कुल समय की सीमा से मुक्त होकर जीवन बिताते हों। लेकिन नॉर्वे के आर्कटिक सर्कल के उत्तर में स्थित छोटा सा द्वीप सोम्मारॉय वास्तव में ऐसा ही एक आश्चर्यजनक स्थान है। यहां समय मानो अपनी प्रासंगिकता खो देता है, और लोग घड़ी की बजाय प्रकृति के संकेतों के आधार पर अपनी दिनचर्या तय करते हैं। यही वजह है कि यह द्वीप अब दुनिया भर में जिज्ञासा का विषय बन गया है। करीब 300 लोगों की आबादी वाला यह शांत और खूबसूरत द्वीप मुख्य रूप से मछली पकड़ने पर निर्भर है। लेकिन इसे विशिष्ट बनाता है इसका असामान्य दिन-रात चक्र, जो दुनिया के अन्य हिस्सों से बिल्कुल अलग है। यहां हर साल 20 मई से 18 जुलाई तक सूरज बिल्कुल भी नहीं डूबता। लगभग 69 दिनों तक मिडनाइट सन हमेशा क्षितिज के ऊपर चमकता रहता है, जिससे द्वीप लगातार दिन की रोशनी में डूबा रहता है। इस निरंतर रोशनी का असर यहां की जीवनशैली पर गहरी छाप छोड़ता है।

सोम्मारॉय में लोगों के लिए रात और दिन का कोई निश्चित अर्थ नहीं। यहां आप रात के 2 बजे फुटबॉल मैच होते देख सकते हैं, और लोग किसी भी समय उठकर मछली पकड़ने के लिए निकल जाते हैं। यहां दुकानों के खुलने या बंद होने का भी कोई तय समय नहीं होता। दुकानदार अपनी सुविधा के अनुसार दुकान खोलते और बंद करते हैं। द्वीप के निवासियों का कहना है कि वे खाना खाने या सोने के लिए किसी तय समय का इंतजार नहीं करते। जब उन्हें भूख लगती है, वे खाना खा लेते हैं; जब उन्हें आराम चाहिए, वे सो जाते हैं। उनके मुताबिक, यहां समय सिर्फ पर्यटकों के लिए मायने रखता है, जो इस अनोखे अनुभव को देखने आते हैं।

स्थानीयों का कहना है कि लगातार दिन के उजाले में रहना शुरू में बाहरी लोगों को अजीब लग सकता है, लेकिन उन्हें इसके साथ तालमेल बिठाना ही पड़ता है। यहां की जीवनशैली इतनी स्वाभाविक और स्वतंत्र है कि समय की पाबंदियों से जूझने वाले लोग इसे एक मानसिक ादी की तरह महसूस करते हैं।

नेपाल एयरलाइंस का क्रू सदस्य सोने की तस्करी के मामले में दोहा पुलिस की हिरासत में

काठमांडू। नेपाल एयरलाइंस के क्रू सदस्य संदेश तिवारी को सोने की तस्करी करने के आरोप में दोहा पुलिस ने हिरासत में लिया है। नेपाल एयरलाइंस ने सोमवार को एक बयान जारी कहा कि संदेश तिवारी को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। तिवारी के पास से आठ तोला सोना बरामद किया गया है। नेपाल एयरलाइंस की प्रवक्ता अर्चना खड़का ने बताया कि यह वाकया 29 नवंबर का है। उड़ान संख्या आरए 240 से को दोहा से काठमांडू आना था। दोहा एयरपोर्ट कस्टम की जांच में संदेश तिवारी के पास आठ तोला सोना मिला। इस वजह से विमान को करीब 35 मिनट तक रोकना पड़ा। नेपाल एयरलाइंस के दोहा स्टेशन मैनेजर कृष्ण बजगाई ने इसकी पुष्टि की है।

36 घंटे बिना सोए काम! एक्सएआई कर्मचारी की पोस्ट से वर्क-लाइफ बैलेंस पर मचा बवाल

वाशिंगटन, 01 दिसंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका की सिलिकॉन वैली स्थित एलन मस्क की कंपनी एक्सएआई में काम करने वाले टेक्निकल स्टाफ मेंबर पारसा ताजिक ने 28 नवंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट डाली, जिसने पूरी दुनिया में हंगामा मचा दिया। पारसा ने लिखा, कल रात मैं ऑफिस से निकला, करीब 36 घंटे लगातार काम करने के बाद - बिना एक मिनट भी सोए। मैं थककर चूर हो चुका था, लेकिन फिर भी गजब की एनर्जी महसूस कर रहा था। इस टीम का हिस्सा बनने के लिए आभारी हूं। हैप्पी थैंक्सगिविंग! यह पोस्ट कुछ ही घंटों में वायरल हो गई। हजारों यूजर्स ने इसे 'हसल कल्चर' का खतरनाक रूप बताया और बर्नआउट, मेंटल हेल्थ खराब होने व कंपनी द्वारा कर्मचारियों के शोषण तक का आरोप लगाया। कई लोगों ने लिखा कि 36 घंटे बिना नींद काम करना जानलेवा हो सकता है और कंपनी को इसके लिए शर्मिंदा होना चाहिए।

बहस में कूदे एक्सएआई के भारतीय मूल के लीड इंजीनियर आयुष जायसवाल ने पारसा के पोस्ट पर तंज कसते हुए लिखा, वर्क-लाइफ बैलेंस तो बहुत शानदार है यहाँ, हम तो अपने सारे कॉम्पिटिटर्स को इसे रेकमेंड करते हैं। फिर आलोचकों को जवाब देते हुए कहा, इस पोस्ट से गुस्सा मत होइए, अपनी राय रखिए। अंत में लिखा - 'लेट अस कुक' (हमें बिना रुकावट पकने दो)।

आयुष का यह मजाकिया अंदाज भी वायरल हो गया। एलन मस्क टेस्ला और स्पेसएक्स में भी 80-100 घंटे हफ्ते में काम करने के लिए मशहूर रहे हैं। एक्सएआई में भी यही कल्चर दिख रहा है, जहां दुनिया के सबसे तेज एआई मॉडल ग्रोक को विकसित किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि स्टार्टअप के शुरुआती दौर में ऐसा दबाव आम है, लेकिन इसे ग्लोरिफाई करना खतरनाक है।

भारत में भी यह बहस गूंज रही है। इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति पहले 70 घंटे हफ्ते में काम करने की सलाह दे चुके हैं, हालांकि हाल में उन्होंने कहा था कि किसी को जबरदस्ती लंबे घंटे काम करने को नहीं कहा जा सकता। बैंगलोर, हैदराबाद और पुणे के हजारों इंजीनियर्स रात-दिन कोडिंग करते हैं, लेकिन जेन जेड अब 'वर्क-टू-लाइव' की जगह 'लाइव-टू-वर्क' को चुनौती दे रहा है।

खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति में थोड़ा सुधार, सरकार ने कहा-तारिक जब चाहें लौट सकते हैं बांग्लादेश

ढाका, 01 दिसंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत पर दुआओं और दवाओं का कुछ असर होता दिख रहा है। उनकी शारीरिक स्थिति में रविवार को कुछ सुधार दिखा। वह एकाध बार अस्पताल के बिस्तर पर हिलती-डुलती नजर आईं। इस बीच अंतरिम सरकार के एक सलाहकार ने कहा कि लंदन में रह रहे खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान जब चाहें, तब बांग्लादेश लौट सकते हैं।

प्रोथोम अलो अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, 80 वर्षीय खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति में थोड़ा सुधार हो रहा है। रविवार को वह अस्पताल के बिस्तर पर थोड़ा हिल-डुल पा रही थीं और बातचीत का जवाब भी दे पा रही थीं। डॉक्टर्स और बीएनपी नेताओं से जुड़े कई सूत्रों ने यह जानकारी दी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। फिर भी वह अभी भी खतरे से बाहर नहीं हैं। स्थानीय और विदेशी डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। सूत्रों ने बताया कि परिवार की चिंताओं के बावजूद खालिदा को विदेश ले जाने पर कोई फैसला नहीं लिया गया। उन्हें लंबी उड़ान से शारीरिक तनाव और पर्यावरण परिवर्तन से बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। खालिदा अभी उस खतरे को उठाने की स्थिति में नहीं पहुंची हैं। फिलहाल, डॉक्टरों की प्राथमिकता देश में उच्चतम गुणवत्ता वाला इलाज सुनिश्चित करना है। रिपोर्ट के अनुसार, खालिदा जिया की सेहत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस बीच, उनके जल्दी ठीक होने के लिए पूरे देश में दुआएं की जा रही हैं। उनका इलाज ढाका के एवरकेयर अस्पताल में चल रहा है। पार्टी नेताओं और उनके मेडिकल बोर्ड के सदस्यों ने रविवार रात यह जानकारी दी।

मेडिकल बोर्ड के एक सदस्य ने कहा कि खालिदा जिया थोड़ी बेहतर हैं। खालिदा खाने के रूप में अपनी बहू के हाथ से परोसे गए तरल पदार्थ को ले रही हैं। डॉक्टर्स ने कहा कि अगर उनकी हालत में और सुधार होता है, तो उन्हें एडवांस इलाज के लिए सिंगापुर या लंदन ले जाया जा सकता है। इससे पहले रविवार दिन में पार्टी के वरिष्ठ संयुक्त सचिव रूहुल कबीर रिज़वी ने कहा था कि बीएनपी चेयरपर्सन की सेहत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के विदेशी मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने रविवार को कहा कि बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष और खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान जब चाहें बांग्लादेश लौट सकते हैं। सरकार एक दिन के अंदर वन-टाइम ट्रैवल पास जारी कर सकती है। तौहीद ने कहा, 'अगर आज वह कहते हैं कि वह लौटना चाहते हैं, तो हम कल वन-टाइम ट्रैवल पास जारी कर सकते हैं। वह अगले दिन प्लेन में चढ़ सकते हैं। कोई प्रॉब्लम नहीं है। यह पूरी तरह से उन पर निर्भर है।'

तौहीद बांग्लादेश के डिप्लोमैटिक कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में नेशनल प्रेस क्लब में आयोजित एक चर्चा में बोल रहे थे। सलाहकार की यह टिप्पणी खालिदा जिया की सेहत को लेकर चिंताओं और तारिक की घर वापसी पर चर्चा के बीच आई है। उन्होंने कहा कि अगर विदेश में रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के पास पासपोर्ट नहीं हैं तो भी ट्रैवल पास जारी किए जा सकते हैं।

तारिक 2008 में बहुत सारे मामलों के बीच लंदन गए थे। उन्होंने शनिवार को अपने फेसबुक अकाउंट पर लिखा कि वह घर आकर अपनी बीमार मां के पास रहना चाहते हैं, लेकिन यह फैसला पूरी तरह से उनके हाथ में नहीं है। पिछले हफ्ते, खालिदा को दिल और फेफड़ों में इन्फेक्शन के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था और एवरकेयर हॉस्पिटल के कोरोनरी केयर यूनिट में उनका इलाज चल रहा है।

कांग्रेस सरकार : 4 दिसंबर को धर्मशाला में भाजपा का प्रदर्शन, झूठी गारंटियों का होगा पर्दाफाश

ऊना, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार के 3 वर्ष 11 दिसंबर को पूर्ण हो रहे हैं और मीडिया के माध्यम से यह जानकारी मिली है कि कांग्रेस पार्टी इस अवसर पर मंडी में जश्न मनाने की तैयारी कर रही है। डॉ. बिंदल ने कहा कि वास्तव में यह तीन साल जश्न के नहीं, बल्कि व्यवस्था पतन के तीन साल हैं। इन तीन वर्षों में हिमाचल प्रदेश की संपूर्ण व्यवस्थाएं तार-तार हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह कानून व्यवस्था के पतन के तीन साल हैं, जहां आए दिन लूट, चोरी, फिरौती, डकैती और गोलीकांड की घटनाएं आम हो गई हैं। ऊना के लोग इसके प्रत्यक्ष गवाह हैं, लेकिन यह समस्या केवल ऊना तक सीमित नहीं रही, बल्कि चंबा से सिरमौर और कांगड़ा से किन्नौर तक गोलीकांड और अपराध की घटनाएं आम बात बन गई हैं। यह सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल रही है। डॉ. बिंदल ने कहा कि यह भारी कर्ज के तीन साल हैं। प्रदेश सरकार ने भारीभरकम कर्ज तो लिया, लेकिन उस कर्ज को जनता के हित में लगाने में पूरी तरह असफल रही। यह सरकार बेरोजगारों के साथ किए गए भद्दे मजाक के तीन साल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि नौकरियां देने के वादे तो किए गए, लेकिन डेढ़ लाख से अधिक सरकारी पदों को समाप्त कर दिया गया। यह बेरोजगार युवाओं के साथ घोर अन्याय है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह शिक्षा व्यवस्था के पतन के तीन साल हैं। आए दिन नए फरमान जारी किए जा रहे हैं। पहली से पांचवीं कक्षा तक अंग्रेजी माध्यम लागू कर दिया गया, जबकि शिक्षकों को इसकी न तो समुचित ट्रेनिंग दी गई और न ही आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए। बच्चे पांचवीं कक्षा में पहुंच जाते हैं और उन्हें बिना तैयारी के ऊँचे स्तर की अंग्रेजी पढ़ाई जाती है। हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हुए हैं, जिसके कारण कुछ स्कूलों को सीबीएसई में बदल दिया गया और करीब 2000 स्कूल बंद कर दिए गए। अध्यापक व्यवस्था को भी पूरी तरह से छिन्न-भिन्न कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य सेवाओं के पतन के तीन साल भी हैं। गरीब व्यक्ति पहले हिमकेयर और आयुष्मान भारत योजनाओं के माध्यम से इलाज करवा रहा था, लेकिन आज वह इलाज के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। हिमकेयर बंद, आयुष्मान बंद, अस्पतालों में दवाइयों की कमी और अव्यवस्थाएं चरम पर हैं। यह सरकार स्वास्थ्य सेवाएं देने में पूरी तरह विफल सिद्ध हुई है।

डॉ. बिंदल ने आरोप लगाया कि यह भाई-भतीजावाद, मित्रों की सरकार और माफिया राज के तीन साल भी हैं। शासन-प्रशासन में पारदर्शिता समाप्त हो गई है और मित्रवाद हावी हो गया है। उन्होंने कहा कि मंडी, जहां आज भी हजारों लोग आपदा के जख्म झेल रहे हैं, अपने घरों की जगह स्कूलों, धर्मशालाओं और रिश्तेदारों के घरों में शरण लेने को मजबूर हैं, वहीं कांग्रेस सरकार वहां जश्न मनाने की तैयारी कर रही है। यह जश्न नहीं, बल्कि बर्बादी का उत्सव है।

डॉ. बिंदल ने स्पष्ट किया कि इसी व्यवस्था पतन और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी 4 दिसंबर को धर्मशाला के जोरावर स्टेडियम में एक विशाल प्रदर्शन करने जा रही है। इस प्रदर्शन के माध्यम से सरकार को उसकी विफलताओं का आईना दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह वही सरकार है जो झूठी गारंटियों के दम पर सत्ता में आई थी। 28 लाख बहनों को 1500 रुपये प्रतिमाह देने की गारंटी, 58 साल की उम्र तक पक्की नौकरी देने की बातें, पहली ही कैबिनेट में फैसले लेने के वादे - सब आज हवा-हवाई साबित हो चुके हैं। मित्र, रोगी मित्र, वन मित्र जैसे नामों पर युवाओं के साथ हजारों रुपये मानदेय में अन्याय किया गया है।डॉ. बिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री बार-बार भाजपा पर गुटबाजी का आरोप लगाते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि कांग्रेस सरकार अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए तीन साल से भाजपा का नाम जप रही है। मुख्यमंत्री से आग्रह है कि यदि उन्हें वास्तव में लगता है कि भाजपा गुटों में बंटी है, तो वे कल ही चुनाव करा लें, जनता स्वयं बता देगी कि कांग्रेस कहां खड़ी है और भाजपा कहां। उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व है कि वह आपदा प्रबंधन, समय पर वेतन और पेंशन भुगतान, कानून-व्यवस्था की मजबूती, नशा कारोबार पर रोक और जनसुरक्षा को सुनिश्चित करे, लेकिन कांग्रेस सरकार इन सभी जिम्मेदारियों से भाग रही है। हिमाचल की जनता आज इस सरकार से पूरी तरह त्रस्त है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि ना भूतों ऐसी सरकार देखी गई और ना भविष्य में ऐसी सरकार देखने को मिलेगी। अंत में डॉ. बिंदल ने प्रदेश की जनता से 4 दिसंबर के विशाल प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

मोकिला स्थित माताजी इलेक्ट्रिकल सेनेटरी एण्ड पेन्टस शोरूम का भव्य शुभारम्भ इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत, बाबूलाल गुगवाण, हनुमानलाल बाकरेचा , सुनिल रेणवाल, संजय बाकरेचा, नारायणलाल आडाणिया चेन्नई खियाराम दुबलदिया प्रकाश बावलेचा, आसुराम गुर्जर, विजय कुमार बागरेचा व अन्य ।

हिमाचल: राज्यपाल और लेडी गवर्नर ने डखठ के तहत वोटर लिस्ट में नाम वेरिफिकेशन के लिए भरा फार्म

शिमला, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल एवं लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला ने आज उत्तर प्रदेश में गोरखपुर दौरे के दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत अपने फॉर्म भरे। कार्यक्रम के तहत उन्होंने बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) से बातचीत की तथा मतदाता सूची के चल रहे पुनरीक्षण कार्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने पारदर्शिता और समावेशिता सुनिश्चित करने में निर्वाचन तंत्र के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर शुक्ल ने कहा कि मतदाता लोकतंत्र का सबसे मजबूत स्तंभ हैं और प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में शामिल किया जाना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मताधिकार नागरिकों को राष्ट्र के भविष्य को निर्धारित करने की शक्ति प्रदान करता है, इसलिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों, विशेषकर युवाओं, महिलाओं, नव-पात्र मतदाताओं तथा हाल ही में स्थानांतरित हुए लोगों से इस विशेष अभियान का पूरा लाभ उठाने और स्वयं को मतदाता सूची में विधिवत दर्ज करवाने का आह्वान किया।

10 साल के बालक की हत्या, इकलौते बेटे की मौत की खबर सुन बेहोश हुई मां

बलिया, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।बलिया जिले के फेफना थाना क्षेत्र के आमडारी गांव में 12 घंटे पहले घर से गायब यशवंत वर्मा (10) का शव सोमवार की सुबह घर से 200 मीटर दूर एक मकान के पीछे खेत में बोरी में मिला। चेहरा व सिर कीचड़ से सना हुआ था। परिजनों ने हत्या कर शव को बोरी में भरकर फेंकने का आरोप लगाया।घटनास्थल पर एक मोबाइल और चप्पल मिला, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया। एसपी ओमवीर सिंह, एएसपी कृपाशंकर, सीओ राकेश सिंह घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गए। परिजनों को जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। आमडारी गांव

निवासी रामजी वर्मा खेती कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। पांच संतान में चार बेटी व सबसे छोटा बेटा यशवंत वर्मा कक्षा तीन में होली पथ स्कूल में पढ़ता था। रविवार देर शाम घर से गायब था। परिजनों ने समझा कि पास के गांव में आई बरात देखने गया होगा। काफी खोजबीन के बाद भी पता न चलने पर रात 10 बजे थाने पर जाकर गुमशुदगी की शिकायत दी। इधर, सोमवार सुबह मोहल्ले की महिलाएं खेत में काम करने जा रही थीं। रामजी वर्मा के घर से 200 मीटर दूर विरेंद्र वर्मा के घर के पीछे झाड़ियों के बीच बोरी में बच्चे की टांग देख चिल्लाने लगीं। आवाज सुन कर मौके पर भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर कुछ देर में थाना प्रभारी फेफना विश्वदीप सिंह दलबल के साथ पहुंचे। घटना की जानकारी कर उच्चाधिकारियों को सूचना दी। फोरेंसिक टीम के आने के बाद बोरी से शव को बाहर निकाल कर गहनता से जांच कर साक्ष्य जुटाए गए। इकलौते पुत्र की हत्या की खबर सुन मां सीमा देवी बेहोश हो गईं। परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल हो गया। बहन सोमन, सोनी, मोनिका, खुशी भाई का शव देख बिलख रही थीं। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह मौके पर पहुंच घटना के बाबत परिजनों से बातचीत की। बताया कि प्रथम दृष्टयता हत्या का मामला लग रहा है।

आसाराम की जमानत रद्द करने की मांग, शाहजहांपुर की दुष्कर्म पीड़िता के पिता पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

शाहजहांपुर, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। आसाराम की अंतरिम जमानत को रद्द करने की मांग को लेकर शाहजहांपुर निवासी दुष्कर्म पीड़िता के पिता सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। शुक्रवार को मामले में सुनवाई होने की संभावना है। पीड़िता के अनुसार, आसाराम के जेल से बाहर आने से उनके परिवार को खतरा है। आए दिन आसाराम के गुर्गे धमकाते हैं।

शाहजहांपुर की रहने वाली पीड़िता ने आसाराम पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। अदालत ने आसाराम को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हाल में ही आसाराम ने उपचार कराने के लिए छह महीने की जमानत अर्जी दी थी, जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया था। इसके बाद जमानत पर आसाराम जेल से बाहर आ गया था। उसके जेल से बाहर आने के बाद पीड़िता के पिता ने खतरे की

आशंका जताते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पीड़िता के पिता ने बताया कि दो वकील उनकी पैरवी करेंगे। आसाराम ने बीमारी का बहाना कर जमानत ली है। उसकी जमानत निरस्त की जाए। बीमारी है तो जेल के अंदर उपचार कराए। पीड़िता के पिता ने बताया कि मामले में शुक्रवार को उनके केस पर सुनवाई हो सकती है।'नगर में सक्रिय आसाराम के गुर्गे, फोन कर धमकाते हैं'पीड़िता के पिता ने बताया कि आसाराम के जेल से बाहर आने के बाद उन्हें व उनके परिवार को जान का खतरा है। उसके गुर्गों ने शहर में कई स्थानों पर ठिकाना बना लिया है। वे आए दिन फोन कर धमकाते हैं। आसपास भी दिख जाते हैं। बताया कि आसाराम पूरी तरह से स्वस्थ है। वह लगातार घूम रहा है। उसका भी आम कैदियों की तरह जेल में उपचार कराना चाहिए।पीड़िता के घर पर पुलिस का पहरा रहता है। उनके घर पर चार सिपाही तैनात रहते हैं। पीड़िता के पिता के साथ भी दो गनर रहते हैं। पूर्व में उनके साथ एक गनर रहता था। तत्कालीन एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के बाद एक गनर बढ़ा दिया था।एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि पीड़िता के परिवार की सुरक्षा का पूरा इंतजाम है। अगर उनके सामने कोई समस्या आती है तो सुरक्षा बढ़ाई जाएगी।

सिंहस्थ से पहले स्थानीय अखाड़ा परिषद में दो फाड़, शैव और वैष्णव संप्रदाय के संत हुए अलग-अलग

उज्जैन, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकाल की नगरी उज्जैन में सिंहस्थ 2028 को लेकर तैयारी तेज हो गई है। इससे पहले अखाड़ा परिषद में दो फाड़ हो गई है। यहां शैव और वैष्णव संप्रदाय के साधु-संत अब अलग-अलग हो गए हैं। साधु-संतों के अलग होने का मुख्य कारण स्थानीय अखाड़ा परिषद का भंग होना बताया जा रहा है।

दरअसल, शैव और वैष्णव संप्रदाय के साधु-संतों का मुख्य संगठन अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद है। लेकिन उज्जैन में स्थानीय अखाड़ा परिषद भी काम करता है । इस परिषद में दोनों ही संप्रदाय के संत पदाधिकारी है। एक दिन पहले रविवार को शैव संप्रदाय के संतों ने स्थानीय अखाड़ा परिषद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद आज वैष्णव संप्रदाय के संतों ने बैठक कर अपने आप को शैव संप्रदाय से अलग कर लिया और नए सिरे से स्थानीय अखाड़ा परिषद की घोषणा कर दी।

इसके साथ ही अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने बयान जारी कर कहा कि महाकुंभ के दौरान स्थानीय अखाड़ा परिषद आस्तित्व में नहीं रहती है। मूल अखाड़ा परिषद ही काम करती है। इसलिए शैव सम्प्रदाय के संतों ने स्थानीय अखाड़ा परिषद से इस्तीफा दे दिया।

वहीं, वैष्णव संप्रदाय के संतों ने आज निर्मोही अखाड़े में बैठक की । इस बैठक में रामा दल वैष्णव संप्रदाय के तीनों अणि अखाड़े के सभी संत मौजूद रहे। बैठक में राम दल अखाड़ा परिषद का गठन किया गया, जिसे स्थानीय अखाड़ा परिषद का नाम दिया गया। जिसके अध्यक्ष रामेश्वर दास महाराज बने। उपाध्यक्ष भगवान दास महाराज के साथ ही सभी पदाधिकारी के नाम की घोषणा हुई।

शैव संप्रदाय से कर रहे अलग अध्यक्ष रामेश्वर दास ने कहा कि हम वैष्णव संप्रदाय के संत आज से अपने आप को शैव संप्रदाय से अलग कर रहे हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद का कोई आस्तित्व नहीं है, हमारी स्थानीय अखाड़ा परिषद रजिस्टर्ड है।

संतों के बीच की यह खींचातानी आने वाले सिंहस्थ महाकुंभ को प्रभावित करेगी। साथ ही शासन-प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती होगी । सिंहस्थ के विकास कार्यों को लेकर अब संतों के दो अलग-अलग दलों से तालमेल बनाना कठिन होगा। संतों के स्नान को लेकर भी विवाद की स्थिति बन सकती है।

बांका: विवाहित महिला का शव मिलने पर सनसनी, उसके बेटे के बयान से पुलिस को मिला अहम सुराग

बांका, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के बाराहाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत श्रीनाथपुर गांव में सोमवार की शाम को एक विवाहित महिला का शव बहियार में संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। महिला की पहचान गांव के ही निवासी उमेश साह की पत्नी नीतू कुमारी (28) के रूप में की गई है। शव मिलने की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी मच गई और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर उमड़ पड़े।

ग्रामीणों के अनुसार, देर शाम को खेतों की ओर जाते समय कुछ लोगों ने खुले बहियार में शव देखा और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव के आसपास का क्षेत्र घेर लिया और प्रारंभिक जांच शुरू कर दी। मृतका के गले पर गहरे चोट के निशान पाए जाने के बाद प्रथम दृष्टया गला घोंटकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट होगा।

सबसे अहम बात यह है कि महिला के बेटे आशीष कुमार ने अपने पिता उमेश साह पर हत्या का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि घर में अक्सर झगड़े और मारपीट की घटनाएं होती थीं, और इसी विवाद के चलते उसकी मां की हत्या की जा सकती है। हालांकि, पुलिस ने इस बयान का ध्यान रखते हुए मामले सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है।

सूचना मिलते ही एसडीपीओ इंद्रजीत बैठा और बाराहाट थानाध्यक्ष महेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने क्षेत्र की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाना शुरू किया। भागलपुर से एफएसएल की एक विशेष टीम भी पहुंची, जिसने घटनास्थल से कई अहम नमूने एकत्र किए। टीम ने मौके पर मौजूद सभी संभावित साक्ष्यों की बारीकी से जांच की।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मंगलवार को सुबह उस पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी है।

अधिकारियों का कहना है कि वैज्ञानिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मृत्यु की वजह और घटना का खुलासा किया जा सकेगा। एसडीपीओ इंद्रजीत बैठा ने बताया कि पुलिस हर कोण से मामले की जांच कर रही है। मृत महिला के बेटे समेत परिवार के अन्य सदस्यों से पूछताछ जारी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। पुलिस फिलहाल इसे एक संदिग्ध मौत मानकर सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

पुष्कर सिंह धामी ने एबीवीपी के अधिवेशन में यशवंत राव केलकर को युवा पुरस्कार दिया

गोरखपुर, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के कृष्ण पांडे उर्फ आजाद को सामाजिक कार्यों भिक्षावृत्ति, नशा मुक्ति और मनोरोगी पुनर्वास से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन में सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें देहरादून में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदान किया। पुरस्कार मिलने के बाद आजाद जब गोरखपुर लौटे तो उनके समर्थकों और चाहने वालों ने उनका स्वागत बड़े ही धूमधाम से किया। इस सम्मान से उत्साहित आजाद ने कहा कि यह हमारे लिए बड़े गौरव की बात है। हालांकि, मैं पुरस्कार या सम्मान पाने के लिए कुछ नहीं करता, समाज सेवा और समाज की मुख्य धारा से पिछड़ गए लोगों के प्रति सेवा भाव रखना ही मेरा परम कर्तव्य है। यही मेरा सच्चा पुरस्कार और सम्मान है। मेरा पूरा जीवन इसी के लिए समर्पित है।अंधेरी रातों में सुनसान राहों पर एक मसीहा निकलता है, जिसे लोग शहंशाह कहते हैं, इस गीत को तो आपने जरूर सुना होगा? यह बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता अमिताभ बच्चन की फिल्म शहंशाह का एक गाना है, लेकिन गोरखपुर की सड़कों पर भी एक ऐसा ही शख्स रात के अंधेरों में निकलता है, जो मनोरोगी और बेसहारों की लाठी बन अपने ही अंदाज में शहंशाह बन जाता है, जिसे लोग आजाद के नाम से जानते हैं। आजाद यह शब्द ही अपने आप में प्रत्येक देशवासियों खासकर नौजवानों के मन में एक अलग प्रेरणा और उत्साह की स्फूर्ति करता है।

देश की आजादी में चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों ने अपनी शहादत देकर देश को आजाद कराया है। जिनकी कुर्बानी देशवासी आज भी नहीं भूला, लेकिन देश में ऐसे आजादों की आज भी कमी नहीं जो उनकी अलख किसी ना किसी रूप में आज भी जगाए हुए हैं, ऐसा ही एक नाम कृष्ण पांडे उर्फ आजाद गोरखपुर की फिजा में गूंजता रहता है।जी हां, यह एक ऐसा नाम है, जिसने देश की आजादी में तो हिस्सा नहीं लिया, लेकिन आजादी के बाद अपने ही देश में गुमनामी और बदहाली की जिंदगी जी रहे बहुत से ऐसे लोगों की मदद की और उनका सहारा बना है, जिन्हें लोगों ने सड़कों पर मरने के लिए छोड़ दिया। कृष्ण पांडे उर्फ आजाद एक सामाजिक कार्यकर्ता के अलावा स्माइल रोटी बैंक एक संस्था भी चलाते हैं। जिसके वह खुद अध्यक्ष भी हैं। उनकी संस्था ने अब तक सैकड़ों बेसहारा और मानसिक रोगियों को पुनर्वास दिलाया है, तो वहीं भिक्षावृत्ति और नशाखोरी मुक्ति को लेकर अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने के साथ ही इसे पूरी तरह समाप्त करने का बीड़ा भी उठाया है।

अच्छी फिल्में याद की जाती हैं आंकड़े नहीं : आमिर खान

हिंदी सिनेमा में फिल्मों को हिट उनकी कमाई के आधार पर माना जाता है। जो फिल्म जितनी ज्यादा कमाती है, वह साल की सुपरहिट फिल्मों की लिस्ट में शुमार हो जाती है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कमाई के आंकड़ों को लेकर आमिर खान अलग राय रखते हैं। उनका मानना है कि अच्छी फिल्म को याद रखना जरूरी है, ना कि कमाई के आंकड़े को। 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में आमिर खान ने बॉक्स ऑफिस नंबर और अच्छी फिल्मों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि फिल्मों के रिलीज के समय पारदर्शिता रखना जरूरी है। यह पता होना चाहिए कि फिल्म कितनी स्क्रीन पर रिलीज हो रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को सिर्फ इतना पता है कि कलेक्शन कितना हुआ है, क्या यह पता होना वाकई जरूरी है? उन्होंने आगे कहा कि आंकड़ों को लेकर कोई गोपनीयता नहीं होनी चाहिए, लेकिन मैं उस वक्त थोड़ा एक्साइटेड हो जाता हूं, जब लोग कलेक्शन के आधार पर फिल्मों का हिट या फ्लॉप होना तय करते हैं।

आमिर खान ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि होता यह है कि लोग फिल्मों की तुलना आंकड़ों के आधार पर करते हैं। पहले हम ऐसा कभी नहीं करते थे। हम फिल्मों की तुलना इस आधार पर करते थे कि हमें वो कितनी पसंद आई। मेरा मानना है कि चीजें आती-जाती रहेंगी और आगे भी होंगी, लेकिन आपको सिर्फ एक अच्छी फिल्म ही याद रहती है, उसके आंकड़े नहीं।

बता दें कि आमिर खान हिंदी सिनेमा में हिट फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्में फैंस के दिलों पर छाप तो छोड़ती ही हैं, लेकिन साथ ही व्यवसायिक सफलता भी पाती हैं। उनकी फिल्म 'दंगल' ने पूरे विश्व भर में 2,070 करोड़ और घरेलू स्तर पर लगभग 387 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इसके अलावा, उनकी '3 इडियट्स' ने वैश्विक स्तर पर लगभग 459 करोड़ रुपए की कमाई की थी और घरेलू स्तर पर 202 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया था। इसके अलावा, उनकी 'पीके', 'गजनी', 'धूम 3', 'लगान', 'तारे जमीन पर', और 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्में भी बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में हिट रही थीं।

किरदार भी बदल सकता है जिंदगी, शेफाली शाह को मिला रिया का सबसे बड़ा अवॉर्ड

अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने करियर में ऐसी कई फिल्मों में काम किया, जो दर्शकों के दिलों में घर कर गईं, फिर चाहे उनकी फिल्म 'जूस,' 'जलसा,' या फिर 'थ्री ऑफ अस' हो। इन्हीं में से उनकी फिल्म 'मॉनसून वेडिंग,' जिसमें रिया के किरदार ने तमाम महिलाओं की जिंदगी को बदल दिया था। दरअसल, इस फिल्म में अभिनेत्री शेफाली शाह ने रिया वर्मा का किरदार निभाया था, जो बचपन में यौन शोषण का शिकार हुई थी। फिल्म को याद करते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, फिल्म 'मॉनसून वेडिंग' की शूटिंग के समय सारे कलाकार और क्रू एक बड़े परिवार की तरह थे। हम लोग सुबह साथ मेंयोगा और नाश्ता करते थे और बाद में नसीरुद्दीन शाह के साथ एक्टिंग वर्कशॉप होती थी। दोपहर में डायरेक्टर मीरा नायर अलग-अलग सीन पर काम करवाती थीं। मीरा नायर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को इटली के वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। मीरा नायर ये सम्मान पाने वाली सत्यजीत रे के बाद दूसरी भारतीय बनी थीं। फिल्म को लेकर अभिनेत्री ने लिखा कि जब वे इस फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तो उन्हें नहीं पता था कि यह फिल्म वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड जीतेगी और उनका किरदार 'रिया' लाखों लोगों की आवाज बनेगी।

अभिनेत्री शेफाली ने बताया, रिया एक ऐसी लड़की थी, जिसने अपने साथ हुए गलत के लिए खुद को दोषी नहीं माना, बल्कि, वह शर्म और अपराध को त्यागकर गुनहगार को जवाबदेह ठहराती है। यही बात कई चुप्पी साधे बैठी महिलाओं को हिम्मत दे गई। अभिनेत्री ने लिखा, मुझे नहीं पता कितनी महिलाओं को रिया से हिम्मत मिली, पर मैं जानती हूं कि यह किरदार उन तमाम महिलाओं की कहानियों को दर्शाता है जिन्हें मैं जानती थी या नहीं।

शेफाली ने दिल्ली का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया, दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात एक बुजुर्ग दंपती से हुई थी। वहां पर पति ने मेरी तारीफ की और पत्नी चुपचाप उनका हाथ पकड़े खड़ी थी। जाने से पहले पति ने मुझसे कहा, 'इन्होंने भी वही दर्द झेला है जो रिया ने झेला था। आपकी वजह से इन्हें सालों बाद अपनी बात कहने की हिम्मत मिली।'शेफाली लिखती हैं, मैं अक्सर सोचा करती थी कि मैं न तो डॉक्टर, वकील और न ही वैज्ञानिक हूं। मैं ऐसा क्या कर रही हूं जो समाज में नया बदलाव लेकर आए, लेकिन उस दिन मुझे पता चला कि एक किरदार भी आम इंसान की जिंदगी बदल सकता है।

मुश्किल दौर से गुजर रहीं अभिनेत्री सेलिना जेटली

पति पीटर हाग के खिलाफ हाल ही में घरेलू हिंसा का केस दर्ज कराने वाली एक्ट्रेस सेलिना जेटली इन दिनों मुश्किल वक्त से गुजर रही हैं। इस बीच उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मीडिया से खास अपील की। सेलिना ने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट करते हुए खुद को 'ब्रोकेन हार्ट मदर' बताया और लिखा, इंपॉर्टेंट अनाउंसमेंट, डियर मीडिया मेंबर्स, मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि प्लीज मेरे कानूनी मामलों से जुड़ी किसी भी खबर या कवरेज में मेरे बच्चों की तस्वीरों का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। मैं आपकी संवेदनशीलता और समझ के लिए हमेशा आभारी रहूंगी। ब्रोकेन हार्ट वाली मां। सेलिना जेटली ने हाल ही में पति पर घरेलू हिंसा के आरोप में केस दर्ज कराने की जानकारी दी थी। ऐसे में उन्होंने बच्चों की प्राइवेसी की रक्षा के लिए यह कदम उठाया है ताकि उनकी कानूनी लड़ाई का असर बच्चों पर न पड़े। एक्ट्रेस ने बताया था कि वह इस वक्त जिंदगी के सबसे बुरे दौर को अकेले झेल रही हैं। उनके माता-पिता, भाई, मेरा एक बच्चा और वह इंसान जिसने हमेशा साथ निभाने का वादा किया था, सब चले गए या पीछे हट गए। सब कुछ छिन गया और भरोसा टूट गया। उन्होंने खुद को फौजी की बेटी बताते हुए कहा था कि वह अपनी लड़ाई साहस के साथ लड़ती रहेंगी।

सेलिना और उनके पति पीटर हाग के चार बच्चे थे। जुड़वां बेटे विंस्टन और विन्शान, जिनका जन्म 2012 में हुआ था फिर 2017 में दो जुड़वां बेटे वीराज और आर्थर हुए। दुर्भाग्य से 2021 में दिल की बीमारी के चलते आर्थर का निधन हो गया था, जिसके बाद सेलिना लंबे समय तक डिप्रेशन में रहीं।

राम गोपाल वर्मा की पुलिस में भूत में नजर आएंगे मनोज बाजपेयी

निर्देशक राम गोपाल वर्मा मनोज बाजपेयी के साथ दर्शकों को डर का एहसास कराने के लिए फिल्म पुलिस में भूत लेकर आ रहे हैं। शनिवार को निर्देशक ने सोशल मीडिया पर एक अभिनेता की तस्वीर पोस्ट की। निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभिनेता मनोज बाजपेयी की तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, मनोज बाजपेयी की एक झलक पुलिस स्टेशन में भूत से।

निर्देशक की पोस्ट प्रशंसकों को काफी पसंद आ रही है। वे दोनों की फिल्म को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं क्योंकि निर्देशक और मनोज बाजपेयी लंबे समय के अंतराल के बाद फिर से साथ में वापसी कर रहे हैं। बात दें, दोनों ने आखिरी बार फिल्म सत्या में काम किया था। साल 1998 की फिल्म सत्या को दर्शकों ने काफी प्यार दिया था और इस फिल्म ने अभिनेता को भी अच्छी पहचान दी थी। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के अलावा, सैफाली शाह, जेडी चक्रबर्ती, सौरभ शुक्ला, परेश रावल और उर्मिला मातोंडकर जैसे स्टार्स नजर आए थे। फिल्म में मनोज ने भीखू म्हात्रे का किरदार निभाया था, जो लोगों को आज भी याद आता है।

अब दोनों लंबे समय के अंतराल के बाद फिल्म 'पुलिस स्टेशन में भूत' में साथ आए हैं। इस फिल्म में अभिनेता के साथ अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख और राम्या कृण्णन भी होंगी। फिल्म का निर्माण वेव एमिरेट्स मीडिया प्रोडक्शन और कर्मा मीडिया एंटरटेनमेंट मिलकर कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म को लेकर अन्य जानकारी अभी सामने नहीं आई है। साल 2026 में इसके रिलीज की उम्मीद लगाई जा रही है।

हाल ही में मनोज बाजपेयी की सीरीज फैमिली मैन सीजन 3 अमेजन प्राइम में स्ट्रीम हुई है। इस बार नई कहानियों के साथ नए किरदार भी जुड़े हैं, जिनमें जयदीप अहलावत और निमृत कौर शामिल हैं। इस बार सीरीज में श्रीकांत तिवारी की निजी जिंदगी और उनके प्रोफेशनल संघर्षों के बीच का टकराव देखने को मिल रहा है।

विजय वर्मा को गुलजार साहब से मिला ऑटोग्राफ

अभिनेता विजय वर्मा इन दिनों अपनी नई फिल्म 'गुस्ताख इश्क' को मिल रही प्रशंसा से गदगद और उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में जुटे अभिनेता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने खास तोहफे के बारे में फैंस को जानकारी दी। हालिया रिलीज फिल्म में उनकी एक्टिंग को दर्शक और क्रिटिक्स पसंद कर रहे हैं। इसी खुशी के बीच विजय को एक बड़ा सरप्राइज मिला, जब उन्हें मशहूर शायर, गीतकार और फिल्मकार गुलजार साहब से खास ऑटोग्राफ और प्रेरणादायक शब्द मिले। इस खूबसूरत पल को विजय वर्मा ने इंस्टाग्राम पर साझा किया।

उन्होंने गुलजार साहब के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं और एक कैप्शन भी लिखा। विजय ने लिखा, मुझे गुलजार साहब से ये खूबसूरत ऑटोग्राफ और हिम्मत बढ़ाने वाले शब्द मिले और मुझे समझ नहीं आ रहा कि इसे कैसे स्वीकार करूं, विश्वास नहीं हो रहा। यह अजीब है... मुझे इसे आपके साथ शेयर करने में भी कई दिन लग गए, सोशल मीडिया पर तो दूर की बात है।विजय ने पोस्ट में आगे बताया कि वह गुलजार साहब से मिले खास तोहफे को लेकर बेहद खुश हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए आगे लिखा, जिंदगी अच्छी लगती है... जिंदगी गुलजार है।इसके साथ ही उन्होंने अपनी फिल्म का प्रमोशन करते हुए आगे लिखा, आप सभी नजदीकी सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखिए 'गुस्ताख इश्क'। फिल्म 'गुस्ताख इश्क' के बारे में बात करें तो विभु पुरी के निर्देशन में बनी फिल्म में विजय वर्मा के साथ एक्ट्रेस फातिमा सना शेख मुख्य भूमिकाओं में हैं। 28 नवंबर को सिनेमाघरों पर रिलीज हुई फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग डे पर 50 लाख रुपये ही कमाई कर चुकी है।

चाचा पवन कल्याण और भाई राम चरण का मार्गदर्शन अमूल्य : निहारिका कोनिडेला

अभिनेत्री और निर्माता निहारिका कोनिडेला ने अपने दमदार अभिनय और प्रोडक्शन से लोगों के बीच एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने दिए इंटरव्यू में अपने फिल्मी करियर और परिवार से मिलने वाले समर्थन के बारे में खुलकर बातें की हैं। अभिनेत्री ने बताया कि परिवार हमेशा उनके साथ खड़ा रहा है। खासतौर से उनके चाचा पवन कल्याण और भाई राम चरण ने उनके सफर को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इंटरव्यू में जब उनसे पूछा कि उनके परिवार, खासकर पवन कल्याण और राम चरण, उनके करियर में कितने महत्वपूर्ण हैं, तो इसके जवाब में निहारिका ने कहा, ''उनके समर्थन से मुझे असाधारण सी ताकत मिलती है। मुझे पता है कि वे दोनों बिना ज्यादा कुछ बोले भी मेरे लिए हमेशा मौजूद रहेंगे।'' निहारिका ने साझा किया कि वह पवन कल्याण और राम चरण से अपने जीवन में काफी कुछ सीख हासिल करती हैं। उन्होंने कहा, ''उनके अनुभव, उनके काम करने का तरीका, और पेशेवर अनुशासन मेरे लिए हमेशा एक उदाहरण बनकर सामने आते हैं। उनका मार्गदर्शन मेरे लिए अमूल्य है और इसे मैं अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में अपनाती हूं।''

निहारिका ने बताया कि उनका परिवार फिल्म इंडस्ट्री में बहुत सम्मानित है और इस कारण कभी-कभी उन्हें महसूस होता है कि उन्हें हर कदम पर दूसरों की उम्मीदों पर खरा उतरना है।

उन्होंने कहा, ''मैं इस दबाव को नकारात्मक रूप में नहीं देखती। मैं इसे अपनी मेहनत और करियर में आगे बढ़ने के लिए एक प्रेरणा की तरह महसूस करती हूं। हर बार जब मैं किसी फिल्म के सेट पर जाती हूं या कोई फिल्म प्रोड्यूस करने का फैसला लेती हूं, वह हमेशा इस विचार के साथ काम करती हूं कि मुझे अपने परिवार को गर्व महसूस कराना है।''

निहारिका ने कहा, ''मुझे फैंस ने हमेशा अपने परिवार की तरह प्यार दिया है। मुझे पहले से ही एक बड़ा सहारा और सुरक्षा का अनुभव दिया। जब एक कलाकार को ऐसा प्यार मिलता है, तो वह अपने काम में और भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता है। मैं इस प्यार और समर्थन के लिए हमेशा आभारी रहूंगी।''

हनुमानजी को क्यों पसंद है तुलसी का पत्ता, रामायण की ये कथा कर देगी हैरान

हनुमानजी को तुलसी का भोग अति प्रिय है। मान्यता है कि हनुमानजी को तुलसी के पत्ते का भोग लगाना और उन्हें तुलसी के पत्ते की माला पहनना बेहद ही पुण्यकारी माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि हनुमानजी को तुलसी अर्पित करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं हनुमानजी को तुलसी का भोग इतना प्रिय क्यों है। इसके पीछे बेहद ही रोचक कथा छिपी हुई है। रामायण कथाओं में भी इस कथा का वर्णन किया गया है। आइए जानते हैं हनुमानजी को क्यों पसंद है तुलसी का पत्ता।

हनुमानजी को माता सीता ने दिया तुलसी का पत्ता

जिस समय भगवान राम अयोध्या वापस लौट आए थे और उनका अभिषेक किया गया तो उनसे मिलने के लिए भगवान शिव और माता पार्वती अयोध्या पहुचे। माता सीता ने उनके लिए भोजन बनाया और उनका बहुत आदर सतकार किया। भगवान शिव को राम भक्त हनुमानजी कहीं नहीं दिखाई दिए तो उन्होंने सवाल किया कि हनुमान कहां हैं। माता सीता ने बताया कि हनुमान बाग में आराम कर रहे हैं। जब भगवान शिव हनुमानजी के मिलने के लिए बाग में पहुंचे तो वहां का नजारा बहुत ही अद्भुत था। हनुमानजी जो सोते समय सांस ले रहे तब उनकी सांस से राम नाम की ध्वनि चारो तरफ फैली हुई थी। शिवजी ने जब यह रजारा देखे तो वह भी राम नाम की धुन में खो गए और नाचने लगें तभी भगवान शिव और हनुमानजी को बुलाने के लिए लक्ष्मण जी गए और वह भी राम नाम की धुन में खो गए और मगन होकर वह भी नाचने लगे। जब काफी समय बीत गया तो भगवान राम तो बहुत अचंभा हुआ कि जो भी हनुमान को बुलाने के लिए जा रहा है वह वापस ही नहीं लौट रहा है। इसके बाद भगवान राम हनुमान जी को बुलाने के लिए स्वयं गए और वहां का नजारा देखकर वह भी बेहद अचंभित हुए और हनुमानजी को उठाने लगें। तभी हनुमान जी की नींद टूटी और वह उठ खड़े हुए। इसके बाद सभी लोग खाना खाने के लिए आए तब माता सीता ने हनुमान जी को भी खाना खाने के लिए बैठा दिया। लेकिन, हनुमान जी कभी भी भगवान राम से पहले भोजन नहीं करते थे लेकिन, वह माता सीता की आज्ञा भी नहीं टाल सकते हैं।

हनुमानजी को तुलसी चढ़ाने के लाभ

हनुमानजी ने जैसे ही खाना खाना शुरु किया तो वह खाते ही चले गए और उनका पेट भरा ही नहीं। हनुमानजी को इस तरह देखकर माता सीता चिंतित हो गई और उन्होंने रामजी से कहा। तब रामजी ने माता सीता से कहा कि तुम हनुमानजी के खाने में तुलसी का पत्ता मिला दो। जैसे ही माता सीता ने हनुमानजी के खाने में तुलसी का पत्ता डाल दिया इसके बाद हनुमान जी की भूख शांत हुई। तभी से ऐसी मान्यता चली आ रही है कि हनुमानजी को तुलसी अर्पित करने से व्यक्ति की सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

हनुमानजी को तुलसी चढ़ाने की विधि

* हनुमानजी को 108 तुलसी के पत्तों पर चंदन से राम नाम लिखकर माला पहनाना भी बेहद ही शुभ माना गया है।

* आप चाहे तो हनुमानजी को 1, 11, 21, 51 पत्ते भी चढ़ा सकते हैं लेकिन, उसपर चंदन से राम नाम जरुर लिखे।

बुरा वक्त आए तो सबसे पहले सोच को संभालना क्यों है जरूरी?

अध्यात्म के साथ-साथ विज्ञान भी मानता है कि लगातार नकारात्मक सोच शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देती है, जिससे व्यक्ति शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है। मस्तिष्क में आने वाले विचार हमारी सोच की दिशा को निर्धारित करते हैं। आशावादी व्यक्तियों में मस्तिष्क का बायां हिस्सा अधिक सक्रिय रहता है, जबकि निराशावादी व्यक्तियों में दायां हिस्सा हावी हो जाता है। सकारात्मक सोच मन को शांत रखती है और शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

एक प्रसिद्ध प्रयोग इसका प्रमाण प्रस्तुत करता है। कहा जाता है कि अमेरिका में एक कैदी को फाँसी की सजा सुनाई गई। वैज्ञानिकों ने उस पर एक मानसिक प्रयोग करने का निर्णय लिया। कैदी को बताया गया कि उसे फाँसी नहीं, बल्कि एक जहरीले कोबरा के डसने से मृत्यु दी जाएगी। उसकी आँखें बंद करके उसे कुर्सी से बाँधा गया। उसके सामने सांप दिखाया गया, लेकिन डसने के नाम पर केवल दो सेफ्टी पिन से हल्की चुभन दी गई। कुछ ही सेकंडों में कैदी की मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम में पाया गया कि उसके शरीर में वही जहर मौजूद है, जो सांप के विष में होता है। यह जहर बाहर से नहीं आया था, यह उसके मन में उत्पन्न सदमे और भय ने ही उसके शरीर से पैदा कर दिया था। यह घटना बताती है कि हमारे विचार कितनी शक्तिशाली ऊर्जा उत्पन्न करते हैं, सकारात्मक भी, और नकारात्मक भी।

लगभग 75 प्रतिशत बीमारियों की जड़ नकारात्मक सोच से उत्पन्न ऊर्जा को माना जाता है। इंसान अपनी गलत धारणाओं, निराशा और डर के कारण स्वयं का ही शत्रु बन जाता है। वह भस्मासुर की भाँति अपने ही जीवन को नष्ट करने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि खराब ग्रहदशा में व्यक्ति अपनी सोच को नियंत्रित करना सीखे। अशुभ समय में शुभ एवं सकारात्मक सोच व्यक्ति को आगे बढ़ने और सफल होने की शक्ति प्रदान करती है। जब आप बुरे वक्त से गुजर रहे हों तो उसके बारे में ज्यादा न सोचें, अपनी जन्मपत्री के अनुसार जो भी बन पड़े, उपाय अवश्य करें। ग्रह-नक्षत्रों का उपाय एवं ईश्वर शरण हर दुःख को दूर करने का सामर्थ्य रखती है।

साल 2026 में लगने जा रहा मलमास, व्रत-त्यौहारों की तारीखों में उलटफेर

साल 2026 धार्मिक दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। साल की शुरुआत से ही लोगों को होली, नवरात्रि, रक्षाबंधन, दीपावली और छठ पूजा जैसे प्रमुख त्योहारों का इंतजार रहता है। पंचांग के अनुसार, इस साल ज्येष्ठ माह में मलमास भी लग रहा है, जिससे व्रत-त्योहारों की तारीख में बड़ा उलटफेर हो रहा है। मलमास 17 मई से शुरू होकर 15 जून तक चलेगा। ऐसे में हम आपको साल 2026 के सभी प्रमुख व्रत और त्योहारों की पूरी जानकारी दे रहे हैं।

जनवरी 2026

3 जनवरी 2026	पौष पूर्णिमा, माघ स्नान
6 जनवरी 2026	सकट चौथ
13 जनवरी 2026	लोहड़ी
14 जनवरी 2026	मकर संक्रांति, षटतिला एकादशी
18 जनवरी 2026	मौनी अमावस्या
23 जनवरी 2026	बसंत पंचमी, सरस्वती पूजा
26 जनवरी 2026	भीष्म अष्टमी
29 जनवरी 2026	जया एकादशी

फरवरी 2026

1 फरवरी 2026	माघ पूर्णिमा, गुरु रविदास जयंती
13 फरवरी 2026	विजया एकादशी
15 फरवरी 2026	महाशिवरात्रि
24 फरवरी 2026	होलाष्टक प्रारंभ
24 फरवरी 2026	अन्नपूर्णा अष्टमी
27 फरवरी 2026	आमलकी एकादशी

मार्च 2026

2 मार्च 2026	होलिका दहन
3 मार्च 2026	होली
8 मार्च 2026	रंग पंचमी
11 मार्च 2026	शीतला अष्टमी व्रत
15 मार्च 2026	पापमोचनी एकादशी
26 मार्च 2026	रामनवमी
29 मार्च 2026	कामदा एकादशी
31 मार्च 2026	महावीर जयंती

अप्रैल 2026

2 अप्रैल 2026	हनुमान जयंती
3 अप्रैल 2026	गुड फ्राइडे
14 अप्रैल 2026	वैशाखी
19 अप्रैल 2026	परशुराम जयंती, अक्षय तृतिया
27 अप्रैल 2026	मोहिनी एकादशी

मई 2026

13 मई 2026	भद्रकाली एकादशी
16 मई 2026	वट सावित्री व्रत
17 मई 2026	मलमास प्रारंभ

जून 2026

15 जून 2026	मलमास समाप्त
15 जून 2026	सोमवती अमावस
25 जून 2026	निर्जला एकादशी
29 जून 2026	कबीर जयंती, वट सावित्री व्रत

जुलाई 2026

17 जुलाई 2026	श्री जगन्नाथ रथ यात्रा
25 जुलाई 2026	हरिशयनी एकादशी, चातुर्मास्य व्रत
29 जुलाई 2026	गुरु पूर्णिमा

अगस्त 2026

15 अगस्त 2026	हरियाली तीज, स्वतंत्रता दिवस
17 अगस्त 2026	नाग पंचमी
19 अगस्त 2026	तुलसी दास जयंती
28 अगस्त 2026	श्रावण पूर्णिमा, रक्षाबंधन
31 अगस्त 2026	गणेश चतुर्थी

सितंबर 2026

1 सितंबर 2026	कृष्ण जन्माष्मी
14 सितंबर 2026	हरतालिका तीज, कलंक चतुर्थी, गणेश चतुर्थी
17 सितंबर 2026	सूर्य षष्ठी व्रत
25 सितंबर 2026	अनंत चतुर्दशी
27 सितंबर 2026	पितृ पक्ष

अक्तूबर 2026

2 अक्तूबर 2026	महात्मा गांधी जयंती
10 अक्तूबर 2026	पितृ पक्ष समाप्त
11 अक्तूबर 2026	नवरात्रि प्रारंभ
20 अक्तूबर 2026	महानवमी, नवरात्रि समाप्त
20 अक्तूबर 2026	दशहरा
22 अक्तूबर 2026	पापाकुंशा एकादशी
25 अक्तूबर 2026	शरद पूर्णिमा
26 अक्तूबर 2026	वाल्मीकी जयंती
29 अक्तूबर 2026	करवा चौथ

नवंबर 2026

1 नवंबर 2026	अहोई अष्टमी व्रत
5 नवंबर 2026	गोवत्स द्वादशी
6 नवंबर 2026	धनतेरस, यम दीपदान
5 नवंबर 2026	रमा एकादशी
8 नवंबर 2026	नरक चतुर्दशी, दीपावली
9 नवंबर 2026	कार्तिक अमावस, सोमवती अमावस
10 नवंबर 2026	गोवर्धन पूजा
11 नवंबर 2026	भाई दूज, विश्वकर्मा पूजा
15 नवंबर 2026	सूर्य षष्ठी
20 नवंबर 2026	तुलसी विवाह
21 नवंबर 2026	हरिप्रबोधनी एकादशी
23 नवंबर 2026	वैकुंठ चतुर्दशी
24 नवंबर 2026	कार्तिक पूर्णिमा

दिसंबर 2026

1 दिसंबर 2026	कालभैरव जयंती
4 दिसंबर 2026	उत्पन्ना एकादशी
20 दिसंबर 2026	मोक्षदा एकादशी, गीता जयंती
23 दिसंबर 2026	मार्गशीर्ष पूर्णिमा

सूर्य-मंगल के तेज से चमकेंगी ये राशियां, कुजादित्य योग देगा धन लाभ

आज यानी 2 दिसंबर 2025, मंगलवार को वृश्चिक राशि में मंगल और सूर्य की युति से कुजादित्य योग बन रहा है। मंगल की ऊर्जा और सूर्य का तेज मिलकर व्यक्ति में आत्मविश्वास, ऊर्जा और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाते हैं। वृश्चिक राशि में बनने पर यह योग अधिक प्रभावशाली हो जाता है। इस योग के प्रभाव से व्यक्ति के करियर में तरक्की, सरकारी कार्यों में सफलता और व्यापार में अच्छा लाभ लाभ प्राप्त होता है। यह योग लंबे समय से अटके कार्यों को पूरा करने में मदद करता है। कुजादित्य योग से कई राशियों को करियर में अचानक लाभ, प्रमोशन या महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि, इस यह योग कुछ राशियों के लिए चुनौतियां भी खड़ी कर सकता है। सूर्य और मंगल का मजबूत प्रभाव व्यक्ति के व्यवहार में कभी-कभी जिद्दी बना सकता है।

मेष –आज आपके अच्छे कार्यों से आपका और आपके परिवार का गौरव बढ़ेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता का लाभ भी आपको मिलेगा। आप की रुचि जप-तप और भगवान की भक्ति में अधिक रहेगी। आज सामाजिक व धार्मिक कार्यों में सहयोग करेंगे। शाम से लेकर रात तक का समय आपके लिए सेहत पर ध्यान देने वाला होगा। इस दौरान वायरस और बैक्टीरिया से जुड़ी बीमारी आपको परेशान कर सकते हैं।

वृष – आज आपको संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। उनकी सफलता से आपको यश और हर्ष होगा। आज माता-पिता से आशीर्वाद लेकर घर से निकलेंगे तो कोई विशेष सफलता मिल सकती है। नौकर-चाकर व सांसारिक सुख का विस्तार होगा। आमदनी के नए मार्ग बनेंगे। शाम से रात तक का समय देव दर्शन और पुण्य कार्यों पर व्यतीत होगा।

मिथुन – यदि कोई मुकदमा या कोई अन्य पूछताछ चल रही है तो आज समय आपके लिए अनुकूल नहीं है। त्वरित निर्णय न ले पाने के कारण कार्यों में बाधा और हानि होगी। यदि आप नौकरी करते हैं तो अधिकारियों की कृपा से अधिकारों में वृद्धि हो सकती है। रात्रि का समय गाने बजाने और मौज मस्ती में व्यतीत होगा।

कर्क –यदि आपका प्रमोशन रुका हुआ है तो आज आपको शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त आज आप अपनी वाक्पटुता से किसी बहुत बड़े अफसर को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहेंगे। नेत्र विकारों से परेशानी में कमी आएगी। निर्णय लेने की क्षमता का लाभ होगा। रात में अधिक तीखा भोजन न करें। यह आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

सिंह –यदि आप व्यापारी हैं तो आपके व्यापार में कुछ नए परिवर्तन होंगे। नौकरी-पेशा लोगों के अधिकार बढ़ेंगे, जिससे आपको आर्थिक लाभ और मान-सम्मान मिलेगा। परिवार की तरफ से भी शुभ समाचार मिलेगा। शाम से लेकर रात तक आप सामाजिक कार्य तथा भोग विलास में लिप्त रहेंगे। क्षमता से अधिक धन प्राप्त होने के कारण आप में अभिमान भर जाएगा।

कन्या –आज आपके अधिकारों में वृद्धि के साथ-साथ जिम्मेदारी भी बढ़ेगी। अपनी शान शौकत के लिए आप धन का अपव्यय कर सकते हैं। आप दूसरों की भलाई और सेवा मन लगाकर दिल से करते रहे हैं, इसका लाभ आज आपकी संतान को मिलेगा। रात के समय में आपकी रुचि दूध, दही, एवं मिष्ठान में बढ़ेगी, किन्तु दही का सेवन करें। राशि स्वामी तृतीया अस्त है स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

तुला –आज काफी सोच विचार कर काम करने के उपरान्त भी नुकसान होने की संभावना रहेगी। अकस्मात् कोई राजकीय दण्ड भी प्राप्त हो सकता है। इसलिए जोखिम के कामों से दूर रहें। शाम से लेकर राक तक छोटे-मोटे कष्ट व मान हानि की संभावना बनी रहेगी। एनीमिया और वायु विकार से शारीरिक परेशानी बढ़ सकती है।

वृश्चिक –आज किसी बहुमूल्य वस्तु से लाभ होने की संभावना रहेगी। यदि आप नौकरी करते हैं तो पद एवं अधिकारों में वृद्धि होगी। आप के साहस एवं पराक्रम के सामने शत्रु नतमस्तक होंगे। संतान के प्रति आपकी प्रेम भावना बढ़ेगी। शाम से लेकर रात तक आपकी रुचि तप-यज्ञ एवं ईश्वरीय ज्ञान की ओर बढ़ेगी। नौकर चाकरों का सुख पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

धनु –आज का दिन गुरु के प्रति निष्ठा एवं भक्ति भाव पूर्ण रहेगा। इस समय में अध्यात्म से तत्व ज्ञान की प्राप्ति होगी। आपकी बुद्धि विवेक नए-नए खोज करने में लगेगी। इस दौरान रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। शाम के समय अकस्मात् संतान कष्ट होने का योग दिख रहा है। विश्वास प्राप्त व्यक्ति एवं नौकर चाकर विश्वासघात करने का प्रयास करेंगे सावधान रहें।

मकर –आज आपमें शारीरिक शक्ति एवं उत्साह अधिक रहेगा। लेकिन ऐसे अनावश्यक खर्चे भी सामने आयेंगे, जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। यदि आपका प्रमोशन रुका हुआ है तो वह अवश्य प्राप्त हो जाएगा। आपके हाथ में बड़ी मात्रा में पैसा आने से हर्ष होगा। शाम के समय और रात में शुभ व्यय तथा कीर्ति में वृद्धि होगी। शीघ्रगामी वाहनों से सतर्क रहें।

कुंभ –आज के दिन आपको विशेष धैर्य से काम लेना होगा। जल्दबाजी में किए गए कार्यों से हानि होने की संभावना रहेगी। आपकी भौतिक सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी। नए-नए कार्यों में विनिमय करना पड़े तो अवश्य करें। आगे चलकर लाभ होगा। संतान की नौकरी एवं विवाह इत्यादि मंगल कार्यों के लिए किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी।

मीन –आज आप स्वास्थ्य की तरफ से परेशान रहेंगे। पाचन क्रिया मंद एवं पेट में वायु विकार संबंधित कष्ट हो सकता है। यदि आप किसी वित्तीय संस्था या व्यक्ति से ऋण लेना चाहते हैं तो आसानी से मिल जाएगा। नई-नई योजनाएं बनाकर उन्हें सफल बनाने का पूर्ण प्रयास करें। आपके साहस एवं पराक्रम से आपका आत्म विश्वास बढ़ेगा।

निवास करना हो या व्यापार, कौन-से आकार प्रकार का भूखण्ड रहेगा आपके लिए शुभ

भूखण्ड को खरीदने से पहले उसकी मिट्टी आदि के परीक्षण के बाद भूखण्ड के आकार-प्रकार को अवश्य ध्यान में रखना चाहिए। वर्गाकार भूखण्ड, आयताकार भूखण्ड, गोलाकार भूखण्ड, त्रिकोणाकार भूखण्ड, चक्राकार भूखण्ड, शकटाकार भूखण्ड, पंखाकार भूखण्ड, तबलाकार भूखण्ड, शूर्पाकार भूखण्ड के बाद आइए जानते हैं कुछ और भूखण्डों के आकार-प्रकार के बारे में।

गोमुखाकार भूखण्ड– गोमुखाकार भूखण्ड की लम्बाई सामने से कम तथा पीछे की तरफ से अधिक होती है। निवास करने के लिए इस आकार का भूखण्ड सर्वाधिक शुभ माना जाता है। भूमि स्वामी के लिए गोमुखी भूमि पर मकान बनवाकर निवास करना उत्तम है, परन्तु वास्तु शास्त्र के अनुसार व्यापार-व्यवसाय के लिए गोमुखी भूखण्ड का प्रयोग नहीं करना चाहिए। गोमुखाकार भूमि को व्यापार-व्यवसाय के लिए प्रयोग करने पर ग्रहदशा निर्बल होने पर हानि की संभावनाएं अधिक होती हैं।

सिंहमुखाकार भूखण्ड– जिस भूखण्ड के सामने यानि आगे की लम्बाई अधिक हो तथा पीछे की ओर से कम लंबाई हो, वह सिंहमुखाकार सिंहमुखी भूखण्ड कहलाता है। सिंहमुखी भूखण्ड व्यापार-व्यवसाय करने के लिए अति उत्तम माना जाता है। इस आकार के भूखण्ड पर व्यापार करने पर व्यापार दिन-दूनी, रात-चौगुनी तरक्की करता है, लेकिन इस आकार के भूखण्ड पर वास्तु शास्त्र के अनुसार निवास करना उत्तम नहीं माना जाता।

टी आकार का भूखण्ड– जिस भूखण्ड का आकार अंग्रेजी के टी अक्षर के समान दिखाई पड़े, उसे वास्तु शास्त्र के अनुसार अशुभ फलदायी समझना चाहिए। वास्तु शास्त्रियों के अनुसार इस आकार का भूखण्ड कष्टकारक, रोगकारक तथा अनिष्टकारक हो सकता है। दोनों तरफ निकली हुई अतिरिक्त भूमि को किसी वास्तु शास्त्री की सलाह से अलग कर टी आकार भूखण्ड को सही किया जा सकता है।

षट्कोणाकार भूखण्ड– जिस भूखण्ड की छः भुजाएं दिखाई पड़ें, उसे षट्कोणाकार भूखण्ड कहा जाता है। षट्कोणाकार भूखण्ड पर निवास करना भूस्वामी के लिए शुभप्रद माना गया है, क्योंकि दो दिशाओं से त्रिकोणाकार होने के कारण कोई अशुभ प्रभाव नहीं पड़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार संशोधन करने पर यह भूखण्ड धन, संपदा का लाभ एवं विशेष उन्नति प्रदान कर सकता है।

अष्टकोणाकार भूखण्ड– जिस भूखण्ड के आठ कोण होते हैं, उसे वास्तु शास्त्र की शब्दावली में अष्टकोणाकार भूखण्ड कहा जाता है। यह भूखण्ड भी षट्कोणाकार भूखण्ड की भांति भूस्वामी के लिए शुभफलदायक माना जाता है।

संपादकीय

विकास से हारा टैरिफ

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप स्तब्ध और हैरान होंगे! भारत की जिस अर्थव्यवस्था को उन्होंने 'मृत' करार दिया था और 27 अगस्त को 50 फीसदी टैरिफ थोपा था, दोनों ही गलत और बेअसर साबित हुए। अमरीका भारत को रूस से भी तोड़ नहीं सका। यह अमरीका को भारत की जबरदस्त चुनौती है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की गति जापान, जर्मनी, फ्रांस सरीखे विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं की गति से भी तेज साबित हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) की आर्थिक विकास दर 8.2 फीसदी रही है। 2023-24 में भी विकास दर 9 फीसदी से अधिक रही थी और वित्त वर्ष का समापन 8.4 फीसदी के साथ हुआ था। भारत की वास्तविक जीडीपी 48.63 लाख करोड़ रुपए है, जबकि एक साल पहले यह 44.94 लाख करोड़ रुपए थी। भारत की नॉमिनल जीडीपी 85.25 लाख करोड़ रुपए है। नॉमिनल जीडीपी के मायने हैं कि एक ही भौगोलिक सीमा के भीतर, एक अर्थव्यवस्था में, एक निश्चित अवधि में, उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल बाजार मूल्य कितना है। उसमें मुद्रास्फीति को समायोजित नहीं किया जाता। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन का आकलन है कि चूंकि पहले 6 माह की बढ़ोतरी दर 8 फीसदी से अधिक रही है, नतीजतन अब भारत की कुल अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर के पार होगी और चालू वित्त वर्ष की अंतिम आर्थिक विकास दर करीब 7.5 फीसदी हो सकती है। बजट संसद में पेश करने से पहले जो 'आर्थिक समीक्षा' सदन में रखी गई थी, उसमें 2025-26 की विकास दर का अनुमान 6.3-6.8 फीसदी लगाया गया था। अर्थव्यवस्था में यह बढ़ोतरी भारत के सतत आर्थिक विकास को प्रतिबिंबित करती है। चूंकि त्योहारी मौसम की मांग और खरीद के आंकड़े अभी सामने आने हैं। अक्तूबर-दिसंबर की तीसरी तिमाही की बढ़ोतरी दर और भी अच्छी हो सकती है। जीएसटी की दरों में जो कमी की गई, उनसे आम आदमी ने भी खरीददारी बढ़ाई है। त्योहारी मौसम में तो व्यापक, बंपर खरीददारी होती रही है। भारत में निजी खपत का जीडीपी में योगदान 55-57 फीसदी तक रहा है। यदि विकास दर 8 फीसदी से अधिक है, तो जाहिर है कि निजी खपत बढ़ रही है। लोगों में क्रय-शक्ति है। वे मांग कर रहे हैं और वस्तुओं, सेवाओं का उपभोग कर रहे हैं, लिहाजा बाजार में चमक है और उत्पादन बढ़ रहा है। दूसरी तिमाही के दौरान मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में 9.1 फीसदी, सेवा में 9.2 फीसदी, निर्माण में 7.4 फीसदी (कुछ कम हुआ), कृषि में 3.5 फीसदी, नॉमिनल जीडीपी में 8.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। व्यापार, होटल, परिवहन, संचार सेवाओं के क्षेत्र में 7.4 फीसदी, बिजली में 4.4 फीसदी, फाइनेंशियल, रियल एस्टेट, पेशेवर सेवाओं में बढ़ोतरी 10 फीसदी से ज्यादा हुई है। इन क्षेत्रों का जीडीपी में करीब 25 फीसदी योगदान होता है। दरअसल भारतीय कंपनियों ने टैरिफ लगने से पहले ही उत्पादन और निर्यात को बढ़ा दिया था, नतीजतन टैरिफ का जीडीपी और अर्थव्यवस्था पर कोई नकारात्मक असर नहीं दिखा। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक के स्तर पर मुद्रास्फीति इस तिमाही के दौरान कम ही रही। इसी आधार पर महंगाई को नियंत्रित किया जा सका। आर्थिक विकास दर से प्रधानमंत्री मोदी, उद्योगपति, व्यापारी, बाजार और आम उपभोक्ता सभी गदगद होंगे। ऐसे मौकों पर एक बुनियादी सवाल कुरेदता रहा है कि जब हम आर्थिक तौर पर इतने मजबूत हो रहे हैं, बाजार में मांग और व्यापार हैं, तो उसका पूरा लाभ आम आदमी को क्यों नहीं मिल पाता? देश में आज भी 81 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज हर माह बांटा जा रहा है। इसके अलावा, सस्ता गेहूं, चावल की योजना गरीबी-रेखा के नीचे वालों के लिए भी है। हमारा दावा है कि करोड़ों की यह जमात बेरोजगार नहीं है। यदि है, तो सरकार एक अभियान चला कर उन्हें रोजगार मुहैया करा सकती है।

अमरीका भारत को रूस से भी तोड़ नहीं सका। यह अमरीका को भारत की जबरदस्त चुनौती है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की गति जापान, जर्मनी, फ्रांस सरीखे विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं की गति से भी तेज साबित हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) की आर्थिक विकास दर 8.2 फीसदी रही है। 2023-24 में भी विकास दर 9 फीसदी से अधिक रही थी और वित्त वर्ष का समापन 8.4 फीसदी के साथ हुआ था। भारत की वास्तविक जीडीपी 48.63 लाख करोड़ रुपए है, जबकि एक साल पहले यह 44.94 लाख करोड़ रुपए थी। भारत की नॉमिनल जीडीपी 85.25 लाख करोड़ रुपए है। नॉमिनल जीडीपी के मायने हैं कि एक ही भौगोलिक सीमा के भीतर, एक अर्थव्यवस्था में, एक निश्चित अवधि में, उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल बाजार मूल्य कितना है। उसमें मुद्रास्फीति को समायोजित नहीं किया जाता। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन का आकलन है चूंकि पहले 6 माह की बढ़ोतरी दर 8 फीसदी से अधिक रही है, नतीजतन अब भारत की कुल अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर के पार होगी और चालू वित्त वर्ष की अंतिम आर्थिक विकास दर करीब 7.5 फीसदी हो सकती है। बजट संसद में पेश करने से पहले जो 'आर्थिक समीक्षा' सदन में रखी गई थी, उसमें 2025-26 की विकास दर का अनुमान 6.3-6.8 फीसदी लगाया गया था। अर्थव्यवस्था में यह बढ़ोतरी भारत के सतत आर्थिक विकास को प्रतिबिंबित करती है।

निष्पक्ष और नए दौर के कामकाजी वातावरण के अधिक अनुकूल बना दिया

नए श्रम कानूनों से आर्थिक रफ्तार

डा. जयंती लाल भंडारी

हाल ही में 21 नवंबर को केंद्र सरकार ने देश में पांच साल के लंबे समय से प्रतीक्षित जिन नए श्रम कानूनों के तहत चार श्रम संहिता (लेबर कोड) को लागू कर दिया है, उनसे श्रमिकों के लिए राहत और उद्योग-कारोबार के लिए आर्थिक रफ्तार की नई संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। नए श्रम कानून के तहत चार श्रम संहिताएं- मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तें संहिता 2020 शामिल हैं। नए श्रम कानून के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये श्रम कानून देश में स्वतंत्रता के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधार हैं। वस्तुतः नई चार श्रम संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी का भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों के लिए एक मजबूत नींव के रूप में काम करेंगी। साथ ही नए श्रम कानून भविष्य के लिए एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण करेंगे, जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को मजबूत करेगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने भारत के नए श्रम कानूनों की सराहना करते हुए कहा कि इनसे श्रमिकों को बड़े लाभ होंगे। साथ ही रोजगार प्रदाताओं और श्रमिकों के बीच सामाजिक सुरक्षा संवाद मजबूत होगा। निश्चित रूप से नई श्रम संहिताओं ने श्रम कानूनों को सरल, निष्पक्ष और नए दौर के कामकाजी वातावरण के अधिक अनुकूल बना दिया है। ये नए श्रम कानून श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा में सुधार करने, व्यवसायों के लिए नियमों का अनुपालन करना आसान बनाने और बढ़ती अर्थव्यवस्था में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के मद्देनजर अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों, उद्योगों और सरकार के हितों से संबंधित बहुआयामी लाभ उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अब नियोक्ताओं को सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र जारी करना होगा तथा गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित पूरे श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान करना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच प्रदान की जाना भी सुनिश्चित की गई है। अब तय अवधि के लिए ठेके पर काम करने वाले कामगारों को स्थायी श्रमिकों के बराबर सभी लाभ मिलेंगे और वे 5 साल के बजाय सिर्फ एक साल बाद ग्रेच्युटी पाने के हकदार होंगे। नए श्रम नियम महिलाओं को रात की पाली में काम करने और देश भर में कर्मचारियों के राज्य बीमा लाभों का विस्तार करने की अनुमति भी देते हैं, इन सबसे श्रम की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ेगी। यदि हम देश में श्रम कानूनों का इतिहास देखें तो पाते हैं कि भारत के कई श्रम कानून स्वतंत्रता से पहले और स्वतंत्रता के बाद के आरंभिक काल में उस समय बनाए गए थे, जब अर्थव्यवस्था और कार्य की दुनिया वर्तमान व्यवस्थाओं से पूरी तरह भिन्न थी। जैसे-जैसे 1991 के बाद वैश्वीकरण बढ़ता गया, वैसे-वैसे दुनिया के अधिकांश बड़े विकसित और विकासशील देशों ने पिछले कुछ दशकों में अपने श्रम नियमों को समय के साथ अनुकूल व सरल बनाया और उन्हें एकीकृत किया है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि सिंगापुर, डेनमार्क, अमेरिका, न्यूजीलैंड तथा वियतनाम सहित कई देश लचीले श्रम कानूनों के कारण न केवल औद्योगिक विकास की डगर पर लाभान्वित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये देश उद्योग-कारोबार की रैंकिंग में भी आगे हैं। लेकिन भारत अब तक 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे, जटिल और कई मामलों में पुराने प्रावधानों के आधार पर काम कर रहा था, जिन्हें सरल करने की जरूरत बनी हुई थी। उच्चतम न्यायालय भी कई बार देश में अप्रासंगिक हो चुके ऐसे श्रम कानूनों की कमियां गिनाता रहा है, जो काम को कठिन और लंबी अवधि का बनाते हैं। देश और दुनिया के आर्थिक संगठन बार-बार यह कहते रहे हैं कि श्रम सुधारों से ही भारत में उद्योग-कारोबार का तेजी से विकास हो सकेगा। यह बात महत्वपूर्ण है कि नए श्रम कानून का एक बड़ा आधार दूसरे राष्ट्रीय श्रम आयोग की रिपोर्ट में प्रस्तुत की गई बहुआयामी सिफारिशें भी हैं। इस आयोग का गठन तत्कालीन श्रम मंत्री डा. सत्यनारायण जटिया के द्वारा अक्टूबर 1999 में किया गया था, जिसकी रिपोर्ट जून 2002 में प्राप्त हुई थी। श्रम कानूनों को मजदूर हितैषी बनाने में डा. जटिया का अहम योगदान रहा है। अब आत्मनिर्भरता और स्वदेशी को नए श्रम कानून तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। साथ ही नई श्रम संहिताओं से देश-दुनिया में सेवा क्षेत्र के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ सकेगा। नए श्रम सुधार भारत की विकास दर को रफ्तार दे सकेंगे। उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर को प्रकाशित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक 21 नवंबर से भारत में लागू किए गए नए श्रम कानूनों से देश में, मध्यम अवधि में लगभग 77 लाख नई नौकरियां तैयार होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक इस समय भारत का औपचारिक कार्यबल 60.4 फीसदी अनुमानित है। नए श्रम नियमों से अब औपचारिक कार्यबल लगभग 75.5 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में असंगठित क्षेत्र में लगभग 44 करोड़ श्रमिक हैं। इनमें से 31 करोड़ से अधिक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हैं। यदि इन श्रमिकों में से केवल एक, पांचवां हिस्सा औपचारिक नौकरियों में स्थानांतरित होता है, तो लगभग 10 करोड़ श्रमिक लाभ प्राप्त करना शुरू कर देंगे, जो उनके रोजगार रिकॉर्ड से जुड़े होंगे। लेकिन नए श्रम कानून की डगर पर कार्यान्वयन संबंधी कई मुश्किलें भी हैं। इन मुश्किलों का समाधान किया जाना जरूरी होगा। खास तौर से व्यवस्था में निरंतर सुधार की आवश्यकता होगी। श्रम संबंधी कामों की तेजी से बदलती हुई प्रकृति को देखते हुए इसके लिए केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच तथा उद्योग-कारोबार तथा श्रम संगठनों के बीच अच्छा तालमेल जरूरी होगा। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को नए श्रम कानूनों का लाभ दिलाने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। ऊंची विकास दर को पाने के लिए नए श्रम कानूनों के शीघ्र व्यावहारिक क्रियान्वयन सहित अन्य आर्थिक और वित्तीय सुधारों की डगर पर भी तेजी से आगे बढना होगा। उम्मीद करें कि देश में 21 नवंबर से लागू नई चार श्रम संहिताओं से श्रम नियमों के आधुनिकीकरण, श्रमिकों के कल्याण को बढ़ावा और श्रम पारिस्थितिकी तंत्र को कार्य की उभरती दुनिया के साथ संरेखित किए जाने जैसे नए आधारों से भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत, लचीले उद्योगों की मजबूत नींव रखी जाएगी, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उम्मीद करें कि जिस प्रकार इनकम टैक्स और जीएसटी सुधार से आम आदमी और अर्थव्यवस्था को लाभ हुआ है, उसी प्रकार नए श्रम कानून भी लाभप्रद होंगे। उम्मीद करें कि अब नए श्रम कानून के बाद जीवन को आसान बनाने व आर्थिक मजबूती के लिए अब सरकार आगामी पीढ़ी के सुधार एजेंडा पर भी तेजी से आगे बढ़ते हुए कृषि, बैंकिंग, वित्तीय समावेशन, लॉजिस्टिक सुधार, डिजिटलीकरण और वित्तीय क्षेत्र में सुधारों की डगर पर आगे बढ़ेगी। उम्मीद करें कि देश नए श्रम कानूनों से उत्पादन वृद्धि, निर्यात वृद्धि, रोजगार वृद्धि और विकास दर के ऊंचे लक्ष्यों को प्राप्त करने की डगर पर आगे बढ़ते हुए वर्ष 2027 में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 में विकसित राष्ट्र बनते हुए दिखाई दे सकेगा।

नए श्रम कानून के तहत चार श्रम संहिताएं- मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तें संहिता 2020 शामिल हैं। नए श्रम कानून के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये श्रम कानून देश में स्वतंत्रता के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधार हैं। वस्तुत: नई चार श्रम संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी का भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों के लिए एक मजबूत नींव के रूप में काम करेंगी। साथ ही नए श्रम कानून भविष्य के लिए एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण करेंगे, जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को मजबूत करेगा।

देश | दुनिया से

कब खुल कर सांस ले सकेंगे हम?

कभी सुबह की हवा इतना हल्का स्पर्श देती थी कि सिर्फ एक लंबी सांस ही पूरे दिन की खुशी के लिए काफी होती थी। लेकिन आज वही हवा खिडक़ी तक आते-आते डर पैदा करती है, कि पता नहीं इसमें ताजगी होगी या जहर। कबीर दास का दोहा 'ज्यों की त्यों धरि दीन्ही चदरिया' अचानक इतना सच क्यों लगने लगा है? शायद इसलिए कि हमने ही इस हवा की चादर पर धुआं, धूल और लापरवाही के दाग लगाए हैं। अब सवाल हवा से नहीं, हमसे है: कब खुल के सांस ले सकेंगे हम? हर साल 2 दिसंबर को जब देश राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाता है, तो 1984 की भोपाल गैस त्रासदी की छाया फिर ताजा हो जाती है। वह घटना सिर्फ इतिहास नहीं, चेतावनी है, कि पर्यावरण से की गई भूलें सिर्फ पेड़ों को नहीं, पूरी पीढियों को प्रभावित करती हैं। 2 दिसंबर हर साल आकर धीरे से कहता है: हवा को हल्के में मत लो, यह जीवन का पहला वाक्य है। दिल्ली इस सर्दी में फिर सांस रोक देने वाले मौसम से गुजरी। कई दिनों तक एक्यूआई 350-450 पर रुका रहा। डब्ल्यूएचओ की सीमा से 15-20 गुना ज्यादा पीएम 2.5 दर्ज हुआ। दिल्ली की हवा एक जटिल मिश्रण है, निर्माण स्थलों की महीन धूल, लाखों वाहनों की थकान, पुराने इंजन, खुले में जलता घरेलू कचरा, घनी इमारतों में फंसा प्रदूषण और ठंड में जमीन के पास थम जाने वाली हवा। परिणाम यह कि दिल्ली का सूरज भी शहर की धुंध में धुंधला हो जाता है। बच्चों की खेलने की जमीनें बंद कमरों में सिमट जाती हैं, बुजुर्गों की सुबह की सैर मोबाइल की स्क्रीन पर एक्यूआई देखकर रद्द हो जाती है, और खिड़कियां हवा के डर से बंद रहती हैं। यह सिर्फ एक शहर नहीं, एक सवाल है- हवा आखिर हमारा दुश्मन कब बनी। इसी सवाल के बीच हिमाचल की हवा एक मरहम जैसी लगती है। कांगड़ा और कुल्लू की ढलानों पर लोग आज भी कहते हैं- 'हवा साफ होवे तां मन वी राजी होवे।' धर्मशाला की हवा अक्सर 35-60 एक्यूआई पर रहती है, तीर्थन घाटी 30-50, चांसल वैली 20-40। वहां सांस लेते ही महसूस होता है कि फेफड़े सिर्फ ऑक्सीजन से नहीं, शांति से भी भरते हैं। त्रिउंड, हमटा पास और बृघु लेक जैसे ट्रैक्स पर हवा का हर झोंका किसी दुआ की तरह लगता है- हल्का, ठंडा, जीवंत। हिमाचल की झीलें भी हवा की तरह साफ हैं- करेरी का पारदर्शी पानी, पराशर की रहस्यमयी शांति, चंद्रताल का आसमानी नीला फैलाव और चंबा की लामडल झील की ठंडी नमी। ये झीलें सिर्फ पर्यटन स्थल नहीं, यह प्रकृति के दर्पण हैं- दिखाती हैं कि दुनिया कितनी निर्मल हो सकती है अगर इनसान उसे बिगाडने न निकले। चंबा घाटी तो अपने आप में एक कविता है- पुराने मंदिरों की घंटियां, देवदार की खुशबू, रावी नदी की ठंडी हवा, और पहाड़ी इतिहास के बीच चलती शांत जिंदगी। इस घाटी में सांस लेना ऐसा लगता है जैसे सदियों पुरानी विरासत फेफड़ों में उतर रही हो। हिमाचल का 66 फीसदी हिस्सा जंगलों से ढका है। राज्य में भारी उद्योग नहीं हैं। रोशनी जल-विद्युत से आती है। 2009 से सिंगल-यूज प्लास्टिक पर कठोर प्रतिबंध है। कचरा जलाना कानूनी अपराध है। ढलानों पर अनियंत्रित निर्माण को रोका जाता है। इसी कारण तीर्थन, सिरमौर, कुल्लू, चंबा सब जगह हवा अब भी 'जिंदा' है। और अब हिमाचल का विकास भी पर्यावरण के साथ कदम मिला कर चल रहा है। लुंज प्रोजेक्ट हरे मॉडल पर आधारित है- कम प्रदूषण, ज्यादा हरियाली। धर्मशाला स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट हवा के हिसाब से डिजाइन किया जा रहा है- सौर ऊर्जा, बेहतर सडक़ें, ढलानों की सुरक्षा और स्वच्छ शहरी व्यवस्था। वाकनाघाट का साइबर सिटी प्रोजेक्ट शायद देश का पहला ऐसा टेक-हब होगा जहां उद्योग होंगे, पर धुआं नहीं। काम होगा, पर प्रदूषण नहीं, और हवा के लिए जगह भी होगी। हिमाचल में अब इकोटूरिज्म भी बढ़ रहा है- ऐसा पर्यटन जिसमें प्रकृति पर भार नहीं डाला जाता। तीर्थन की होमस्टे संस्कृति, चंसल और पांगी की शांत घाटियां, पुरानी पहाड़ी रीतियों वाले गांव, और जंगलों में सीमित ट्रैक्स- ये सब पहाड़ों को संरक्षित रखते हैं और रोजगार भी देते हैं। यह वह मॉडल है जिसमें पर्यटक प्रकृति से सिर्फ तस्वीरें नहीं, आदतें भी सीखकर लौटते हैं। लेकिन असली जवाब पेड़ों में छिपा है। पेड़ सिर्फ हरियाली नहीं, हवा का भविष्य हैं। हिमाचल में हर साल लाखों पौधे लगाए जाते हैं, गांव अपने सामुदायिक जंगलों को परिवार की तरह संभालते हैं। कांगड़ा के बुजुर्ग कहते हैं- 'जिथे बूटे होण, ओथे रुह नू ठंडक पैंदी ऐ।' हवा और आत्मा दोनों को ठंडक पेड़ों से मिलती है। इसी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढना भी हवा के लिए नई उम्मीद है। दिल्ली, हिमाचल और चंडीगढ़- तीनों ईवी नीति को तेजी से अपना रहे हैं। मनाली-रोहतांग मार्ग पर इलेक्ट्रिक बसें, धर्मशाला में ई-ऑटोज, चंडीगढ़ के चार्जिंग स्टेशन और दिल्ली की तेजी से बढ़ती ई-कारें आने वाले समय में हवा को बोझ से राहत देंगी। चंडीगढ़ दिखाता है कि सही इंजीनियरिंग हवा का सबसे बड़ा सहारा बन सकती है- चौड़ी सडक़ें, कम ऊंची इमारतें, हर सेक्टर में पार्क, पेड़ों की कतारें और हवा के लिए छोड़ी गई खुली जगह। यह शहर हवा को रुकने नहीं देता- यही शहरों की जिम्मेदारी होनी चाहिए। दिल्ली की धुंध, हिमाचल की ठंडक, चंडीगढ़ की समझ और 2 दिसंबर की सीख- ये सब मिलकर हमें एक ही बात सिखाते हैं कि हवा की कहानी हमारी सोच से शुरू होती है और हमारी जिम्मेदारी पर खत्म। कबीर कहते हैं- 'मन के मंजन से सबु धुलै।' जब मन बदलेगा, सोच बदलेगी, और आदतें बदलेंगी- तभी हवा भी बदलेगी। हवा किसी सरकार की नहीं, यह उस बच्चे की है जो खुलकर दौडऩा चाहता है, उस मां की है जो खिडक़ी से आती हल्की बयार में सुकून खोजती है, और उस बुजुर्ग की है जो सुबह की ठंडी हवा में जीवन को फिर महसूस करना चाहता है। और शायद वही दिन वह दिन होगा- जब यह सवाल सिर्फ सवाल नहीं रहेगा- 'कब खुल के सांस ले सकेंगे हम?'

कबीर दास का दोहा 'ज्यों की त्यों धरि दीन्ही चदरिया' अचानक इतना सच क्यों लगने लगा है? शायद इसलिए कि हमने ही इस हवा की चादर पर धुआं, धूल और लापरवाही के दाग लगाए हैं। अब सवाल हवा से नहीं, हमसे है: कब खुल के सांस ले सकेंगे हम? हर साल 2 दिसंबर को जब देश राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाता है, तो 1984 की भोपाल गैस त्रासदी की छाया फिर ताजा हो जाती है। वह घटना सिर्फ इतिहास नहीं, चेतावनी है, कि पर्यावरण से की गई भूलें सिर्फ पेड़ों को नहीं, पूरी पीढियों को प्रभावित करती हैं। 2 दिसंबर हर साल आकर धीरे से कहता है: हवा को हल्के में मत लो, यह जीवन का पहला वाक्य है। दिल्ली इस सर्दी में फिर सांस रोक देने वाले मौसम से गुजरी। कई दिनों तक एक्यूआई 350-450 पर रुका रहा। डब्ल्यूएचओ की सीमा से 15-20 गुना ज्यादा पीएम 2.5 दर्ज हुआ।

आप का | नजरिया

सत्र के आर, सत्र के पार

तपोवन में क्या आगामी विधानसभा चुनाव की रंगभूमि रची जा रही है। सोशल मीडिया सदन के बाहर जिस सत्र की ताजपोशी करता रहा वहां क्या सत्ता और क्या विपक्ष। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया की व्यवस्था के प्रश्न परिसर के बाहर बिखर गए। कई मुंह वाले नेताओं को सिर्फ कुछ कर दिखाना है, इसलिए हमने देखा राजनीति के कितने दरवाजे हो सकते हैं। यहां जनता की वकालत नहीं, प्रदेश के पैमाने नहीं, यहां सरदारियां हैं, कुछ पगडियां और तैयारियां हैं। बेचारे पेंशनर्स अपनी उम्र के खाके-पेंशन के फाके लिए, जोरावर स्टेडियम से बेदखल, पुलिस ग्राऊंड की विशालता में गूंज पैदा करते रहे। बहुत दूर नहीं हो सकता सरकार का दिल और इसीलिए काबिल बनने से पहले बेरोजगारों के सपने-अधिकारों के नथुने फूलते रहे। यह सब प्रदेश के लिए हो रहा है या हम बेहतर विकल्पों की तुलना में चुनाव-दर-चुनाव, आंदोलन से तर-ब-तर आजमाइश कर रहे हैं। पेंशनरों के आंदोलन से बड़ा संघर्ष क्या सत्ता बनाम विपक्ष है, जो विधानसभा परिसर की दीवारों के बाहर बर्र का छत्ता बना नजर आया। नजर आया कि विधायक होने का अब अर्थ क्या है। नजर आया कि विपक्ष नारे लगाएगा, तो सामने सत्ताधारी वंश भी उतर आएगा। सदन के बाहर तमाशा अच्छा है या भीतर किसी मंत्री का भाषण अच्छा है। कम से कम राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी के भाष्य संदर्भ, विपक्षी टुकडियों को आंदोलन उठाने की सहूलियत दे गए। कई बार लगता है कि राजनीतिक दूध में मक्खियां ही मक्खियां हैं, किस किस को निकालोगे, यहां हाथ गिरेबां तक नहीं पहुंचता। किसने क्या मांगा यह तेरी तकदीर, तू हिमाचल है तंगदिल शरीर। हर बार और हर सरकार में हिमाचल का संतुलन होता नहीं, इन बातों में खुशामद के सिवा कुछ होता नहीं। खैर दो दिन विराम के बाद, क्या चैन लौट आएगा या वर्तमान सरकार के खिलाफ भाजपा तीन साल का रोष दिखा पाएगी। इस बीच कांग्रेस पार्टी का जश्न नए प्रदेशाध्यक्ष की संगत में अपनी विसंगतियों की पापड़ बेलेगा या हृदय में बसे अपने-अपने राम की तलाशी में मजदूरी करेगा। जो भी हो तपोवन में शीतकालीन सत्र का कथानक हर बार एक नया नाटक पैदा करता है। बदले हैं कई विधायक और उनके सवालों का असर जोरदार होता है। जो विधायक बजीर रामसिंह पठानिया को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा दिलाने की मांग करते हैं, उनके इतिहास को सलाम। जो आवारा पशुओं की शिनाख्त करते हैं, उनके सुझावों को साधुवाद। कई बार आश्चर्य होता है कि पूरा विधानसभा सत्र यूं तो बड़ी-बड़ी बातें, बड़े-बड़े इरादे सुनता है, लेकिन प्रदेश की हैसियत में फर्क नहीं पड़ता। शुक्रगुजार है हिमाचल कि घायल कर देने वाली टिप्पणियों को कार्यवाही से हटा देने का माद्दा अभी शेष है, वरना सियासत ने लोकतांत्रिक परंपराओं की कसौटियां बदल डाली हैं। मंत्रियों ने कहा है कि अवैध खनन पर प्रहार होगा, हर अस्पताल के इलाज में अच्छा व्यवहार होगा। दक्ष डाक्टर आएंगे, नलके में पूरा पानी आएगा, गांव के बच्चे मिट्टी से नहीं-स्कूल के मैदान में खेलेंगे। बहुत सरोवर हैं सत्र की गहराई में, बशर्ते कोई डूब के देखे। विधानसभा सत्र के मध्यांतर में हम यह नहीं कह सकते कि पूरी कहानी कौन बेहतर लिखेगा, लेकिन अपने-अपने एहसास को जीते विधायकों की दिहाड़ी का मंतव्य भूखा किसान, दिहाड़ीदार और बेरोजगार जरूर पूछेगा। इस बीच पेपर लीक कानून के पंजे सख्त करने की अभिलाषा में सुक्खू सरकार सफल हो गई। हिमाचल के भविष्य की तपती रेत पर पेपर लीक करने वालों के खिलाफ अब रास्ता कठिन हो गया है, फिर भी सरकार ने चिट्टे पर प्रहार करने के लिए पहली दिसंबर को महाभियान के दूसरे चरण के प्रति प्रतिबद्धता का अलख जगाया है। बहरहाल, सरकार शीतकालीन सत्र के पार अपनी उपलब्धियों और संकल्पों की एक नई इबारत लिखने के लिए मंडी में तीन साल पूरे कर रही है। हिमाचल की आर्थिक चुनौतियों के बीच, विकास के बीज बोना या व्यवस्था परिवर्तन के सपने संजोना आसान नहीं, फिर भी विपक्ष जो सवाल शीतकालीन सत्र में छोड़ जाएगा, उन पर मंडी के संबोधन जरूर जवाब देंगे।

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया की व्यवस्था के प्रश्न परिसर के बाहर बिखर गए। कई मुंह वाले नेताओं को सिर्फ कुछ कर दिखाना है, इसलिए हमने देखा राजनीति के कितने दरवाजे हो सकते हैं। यहां जनता की वकालत नहीं, प्रदेश के पैमाने नहीं, यहां सरदारियां हैं, कुछ पगडियां और तैयारियां हैं। बेचारे पेंशनर्स अपनी उम्र के खाके-पेंशन के फाके लिए, जोरावर स्टेडियम से बेदखल, पुलिस ग्राऊंड की विशालता में गूंज पैदा करते रहे। बहुत दूर नहीं हो सकता सरकार का दिल और इसीलिए काबिल बनने से पहले बेरोजगारों के सपने-अधिकारों के नथुने फूलते रहे। यह सब प्रदेश के लिए हो रहा है या हम बेहतर विकल्पों की तुलना में चुनाव-दर-चुनाव, आंदोलन से तर-ब-तर आजमाइश कर रहे हैं। पेंशनरों के आंदोलन से बड़ा संघर्ष क्या सत्ता बनाम विपक्ष है, जो विधानसभा परिसर की दीवारों के बाहर बर्र का छत्ता बना नजर आया। नजर आया कि विधायक होने का अब अर्थ क्या है। नजर आया कि विपक्ष नारे लगाएगा, तो सामने सत्ताधारी वंश भी उतर आएगा। सदन के बाहर तमाशा अच्छा है या भीतर किसी मंत्री का भाषण अच्छा है। कम से कम राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी के भाष्य संदर्भ, विपक्षी टुकडियों को आंदोलन उठाने की सहूलियत दे गए। कई बार लगता है कि राजनीतिक दूध में मक्खियां ही मक्खियां हैं, किस किस को निकालोगे, यहां हाथ गिरेबां तक नहीं पहुंचता। किसने क्या मांगा यह तेरी तकदीर, तू हिमाचल है तंगदिल शरीर।

कुछ | अलग

सूटेबल बॉस का सुख

बॉस का सूटेबल होना उसी तरह है जैसे पुश्तैनी जमीन पर मालिकाना हक मिलना। एक तो रोजगार मिलना मुश्किल, ऊपर से सूटेबल बॉस मिल जाना टेढ़ी खीर बन जाता है। अधिकांश लोग इन्हीं खूसट बॉसों की वजह से नौकरी से विस्थापित हो जाते हैं, लेकिन जहां बॉस का भी बॉस होता है, वहां सूटेबिलिटी आसान हो जाती है। अच्छा संस्थान वह होता जहां बॉस प्रवृत्ति को बेरोजगार होने का डर रहता है। कभी होते थे ठूंठ जैसे लोग जिन्हें बॉस मान लिया जाता था, आजकल जनसेवकों ने यह ओहदा अख्तियार कर लिया है। बॉस होने की निशानियां बदल गई हैं। किसी बड़े बैंक में बॉस को खोजना, लोन लेने से महंगा है, क्योंकि वहां उपभोक्ताओं को अपने ही धन पर शक में डालने के लिए प्रक्रियाएं ही बॉस बना दी गई हैं। सरकारें भी कामकाज की आसानी के बजाय ऐसी प्रक्रिया अपना लेती हैं कि अपनी निजी जमीन पर पटवारी बॉस नजर आता है। हर बार पैमाइश में जमीन की सूटेबिलिटी बदल कर बता देता है कि वह कभी भी सूटेबल नहीं होगा। अस्पतालों में बिग बॉस डाक्टर तो कतई नहीं, लेकिन बिस्तर पर मरीज को आंखें दिखाने वाले पैरा मेडिकल स्टाफ को बॉस बनाना पड़ता है। हर दफ्तर के बाहर जो प्राणी बिना कैबिन और कुर्सी के खड़ा है, दरअसल वही सरकारी बॉस है। बॉस वह नहीं जो आपकी गाड़ी के तमाम कागज पत्र पूरे करे, बल्कि वो है जो चौराहे पे आपके वाहन को बिला वजह रोक दे। बॉस बिन टिकट बस से रेल तक का सफर करा सकता है, बशर्ते आप हर जगह सूटेबिलिटी बना लें।

दृष्टि | कोण

दो निर्णयों की वापसी और एक अवसर की चूक

पिछले एक महीने में केंद्र की भाजपा सरकार को दो बार अधिसूचना वापस लेनी पड़ी – जिसमें एक में चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलावों का प्रस्ताव था – और एक था वह विधेयक, जिसमें चंडीगढ़ प्रशासन में ही बदलावों का प्रस्ताव था, जिसको संसद के आगामी शीत सत्र में पेश करना था। हैरान कर देने वाली इन दो वापसियों से प्रधानमंत्री मोदी की गुरुपर्व के दिन यात्रा अयोध्या और कुरुक्षेत्र पर संपन्न हो गयी- बजाय इसके, सोचिए यदि उनका आखिरी पड़ाव आनंदपुर साहिब होता, जहां गत सप्ताह की शुरुआत में नौवें गुरु, तेग बहादुर की शहादत की 350वीं सालगिरह मनाने के लिए हज़ारों लोग इस ऐतिहासिक जगह पर एकत्र हुए थे। उस सूरत में, द ट्रिब्यून की हेडलाइन सोचिए क्या होती: 'अयोध्या से आनंदपुर साहिब, मोदी ने धर्मों को एक सूत्र में पिरोया'। प्रधानमंत्री की यात्रा 1675 में गुरु साहिब की शहादत का अनुपम संदेश दर्शाती और आह्वान करती, जब गुरु साहिब ने किसी के धर्म, यानी हिंदू धर्म को मानने के अधिकार की रक्षा की खातिर अपनी जान कुर्बान कर दी। इसकी बजाय, जैसा कि द ट्रिब्यून के 'ए सिंबॉलिक स्लिप' शीर्षक वाले संपादकीय में बताया गया, प्रधानमंत्री ने बगल के भाजपा शासित हरियाणा के कुरुक्षेत्र जाना चुना, केसरिया साफा पहन, बारंबार गुरु के बलिदान की तारीफ की। इसलिए, प्रधानमंत्री आनंदपुर साहिब क्यों नहीं गए, और जो कहना था वह इस पवित्र धरती से क्यों नहीं कहा? विडंबना यह कि मोदी पंजाब और पंजाबियों दोनों को अच्छी तरह जानते हैं। इमरजेंसी के सालों में, गुजरात में बतौर एक भूमिगत कार्यकर्ता, वे कभी-कभी पगड़ी पहनकर सिख का भेस बदलकर गिरफ्तारी से बचे। फिर, 1990 के दशक में, बतौर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, पंचकूला में रहते हुए वे हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के प्रभारी थे, और पंजाब में भी घूमते थे। साल 2019 में प्रधानमंत्री बनने के बाद, वे करतारपुर साहिब कॉरिडोर का

उद्घाटन करने जाते समय, बीच में सुल्तानपुर लोधी में गुरुद्वारा बेर साहिब रुके, एकदम वज्रासन में बैठे और पहले गुरु, गुरु नानक देव को समर्पित इस गुरुद्वारे में प्रार्थना की। मोदी ने पाकिस्तान के प्रति अपनी नापसंदगी को एक तरफ रखते हुए - जबकि उसी साल फरवरी की शुरुआत में, भारतीय वायुसेना ने बालाकोट स्थित आतंकी अड्डों पर एयरस्ट्राइक की थी- और यह सुनिश्चित किया कि डेरा बाबा नानक को करतारपुर साहिब गुरुद्वारे से जोड़ने के लिए सड़क और सभी खास सुविधाएं चालू हो सकें, ताकि सिख श्रद्धालु गुरु नानक देव के जीवन के आखिरी 18 सालों से जुड़े इस गुरुद्वारे में प्रार्थना कर सकें। वर्ष 2022 में, मोदी ने उनसे मिलने आए एक सिख प्रतिनिधि मंडल से कहा, 'गुरुद्वारों में जाना, सेवा में समय बिताना, लंगर खाना, सिख परिवारों के घरों में रहना मेरी जिंदगी का हिस्सा रहा है...'। गत सप्ताह की शुरुआत में आनंदपुर साहिब में, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी द्वारा आयोजित समारोह के बरक्स अकाली दल-एवं शिरोमणि गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से भी गुरु की शहादत की याद में कार्यक्रम आयोजित किए गए। खबरों में इस बात की काफी चर्चा रही कि क्या वाकई इन समानांतर आयोजनों का पंजाबियों की अपने गुरु के प्रति श्रद्धा पर असर पड़ा - जवाब है, कतई 'नहीं'। मोदी की उपस्थिति, यदि वे जाते, तो उनकी मौजूदगी उस अंदरूनी खींचतान को और बढ़ा डालती, जिसे सिर्फ़ भारतीय समझते हैं और जिसका आनंद लेते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। जीवनसाथी यह जता सकता है कि आपके साथ रहने का क्या–क्या ख़ामियाज़ा उसे भुगतना पड़ रहा है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। हालात को क़ाबू में रखने के लिए अपने भाई की मदद लें। विवाद को ज़्यादा तूल देने की बजाय उसे दोस्ताना तरीक़े से हल करने की कोशिश करें। अपनी पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाकर आप करिअर में नए दरवाज़े खोल सकते हैं। अपने क्षेत्र में आपको अपार सफलता मिलने की संभावना भी है। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। पढ़ाई–लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद–विवाद का रूप भी ले सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी– ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख़्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ है आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शान्त और तनाव–रहित रहें। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

लोगों से साथ बात करने और समारोहों में शिरकत करने का डर आपके घबराहट की वजह बन सकता है। इस परेशानी से बचने के लिए अपने आत्मविश्वास में इज़ाफ़ा करें। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। वक्त पर चलने के साथ–साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दूसरों की आलोचना में समय ख़राब न करें, क्योंकि इसका बुरा असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा को इसी ओर लगाएँ। हवन–पूजा–पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। यह दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए ही बना है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रुठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा– क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 दिसंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी सायं 03:58 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 08:52 तक
योग : वरियान रात्रि 09:07 तक
करण : बालव सायं 03:58 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भौम प्रदोष व्रत , ज्येष्ठा में रवि रात्रि 01:14 से , अनंग त्रयोदशी व्रत, गण्डमूल रात्रि 08:52 तक , भौमाश्विनी अमृत सिद्धि योग रात्रि 08:52 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गीता का संदेश कालातीत, यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत : सैनी

चंडीगढ़, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अंतर्गत सोमवार को धर्मक्षेत्र–कुरुक्षेत्र के केशव पार्क में भव्य और ऐतिहासिक वैश्विक गीता पाठ आयोजित किया गया। इस सामूहिक पाठ में 21 हजार बच्चों ने एक स्वर में गीता के श्लोकों का उच्चारण कर वह दिव्य दृश्य प्रस्तुत किया, जिसने पूरे वातावरण को ज्ञान, भक्ति और अध्यात्म से सराबोर कर दिया। इस अभूतपूर्व सहभागिता ने वसुधैव कुटुम्बकम् की भारतीय अवधारणा को साकार रूप दिया। इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिरकत की। मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र में वैश्विक गीता पाठ में भाग लेने वाले स्कूली छात्रों के लिए मंगलवार को विशेष अवकाश की भी घोषणा की। इस अवसर पर योग गुरु बाबा रामदेव और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी एवं गीता जयंती के पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए भगवान श्री कृष्ण से नागरिकों के जीवन को ज्ञान के आलोक से आलोकित करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि इसी शुभ तिथि पर 5163 वर्ष पूर्व भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को श्रीमद्भगवद् गीता का दिव्य उपदेश दिया, जिसका संदेश आज भी संपूर्ण मानवता के लिए पथप्रदर्शक है। आज 21 हजार विद्यार्थियों द्वारा अष्टादशी श्लोकों के जाप से आकाश गूंज उठा है। यह गर्व की बात है कि आज भारत के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा अनेक देशों में भी एक साथ इन श्लोकों के स्वर गूंज रहे हैं। उन्होंने कहा कि गीता पाठ का महत्व केवल धार्मिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक भी है। वेद, उपनिषद और गीता के मंत्रों के उच्चारण से उत्पन्न होने वाली सकारात्मक ध्वनि तरंगें मन और मस्तिष्क को शांति प्रदान करती हैं, विचारों में नैतिकता लाती हैं और व्यक्ति को नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मयोगी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ही प्रेरणा से हम गीता जयंती समारोह को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाते हैं। उन्होंने वर्ष 2014 में अमेरिका की अपनी प्रथम यात्रा के दौरान 19 सितम्बर, 2014 को अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा को महादेव देसाई द्वारा लिखित पुस्तक ढहश ऋळींर लर्लेीवळपस ीं ऋपवहळ भेंट की। इस अद्भुत पहल से प्रेरित होकर हम वार्षिक गीता जयंती समारोह को वर्ष 2016 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने लगे हैं। इसमें कई देशों के प्रतिभागी और लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं।

उन्होंने कहा कि 25 नवंबर को प्रधानमंत्री कुरुक्षेत्र में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में शामिल हुए और महाभारत थीम आधारित अनुभव केंद्र का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने

खिलाड़ियों की जिंदगी से खिलवाड़ नहीं करेंगे बर्दाश्त : भूपेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार ने हरियाणा के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। स्टेडियमों की जर्जर हालत की वजह से अब तक दो होनहार खिलाड़ियों की जान जा चुकी है। हुड्डा ने सरकार को स्पष्ट लहजे में चेतावनी दी कि खिलाड़ियों की जिंदगी से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। इसलिए 14 दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस की रैली के बाद वो पूरे प्रदेश के स्टेडियमों का दौरा करेंगे और वहाँ खिलाड़ियों व खेल प्रेमियों के साथ मिलकर खेल इंफ्रास्ट्रक्चर की बदहाली का मुद्दा जोर–शोर से उठाएँगे। बहादुरगढ़ और लाखनमाजरा में बास्केटबॉल खेलते समय दो युवा खिलाड़ियों की हुई मौत अत्यंत दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके लिए भाजपा सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। क्योंकि सांसद दीपेंद्र हुड्डा द्वारा 12 लाख रुपये की ग्रांट दिए जाने के बावजूद सरकार ने ग्राउंड और पोल की हालत सुधारने का काम नहीं किया। हुड्डा अपने चंडीगढ़ स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह कोई साधारण दुर्घटना या सामान्य मृत्यु नहीं, बल्कि सरकारी लापरवाही की वजह से हुई हत्या है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जाँच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। दोनों मृतक खिलाड़ियों के परिजनों को तुरंत सरकारी नौकरी और पर्याप्त आर्थिक सहायता दी जाए। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय खेलों के लिए जो विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया था, उसका रख–रखाव तक भाजपा सरकार ने नहीं किया। कांग्रेस ने नशे व अपराध से युवाओं को बचाने और उन्हें खेल की ओर ले जाने के लिए विशेष खेल नीति बनाई थी। इसी नीति के तहत प्रदेश में बेहतरीन खेल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया, खिलाड़ियों को देश में सबसे ज्यादा नकद इनाम दिए गए और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए डीएसपी जैसे उच्च पदों पर नियुक्तियाँ दी गईं।

गीता स्वधर्म को पहचानने का सर्वोत्तम माध्यम : औमप्रकाश धनखड

चंडीगढ़, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता महोत्सव–2025 का सोमवार शाम गीतापुरम् (महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम) में आध्यात्मिक गरिमा और सांस्कृतिक भव्यता के साथ समापन हुआ। पूरे परिसर में गीता ज्ञान, लोक परंपरा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की दिव्यता एक बार फिर झलकती दिखाई दी। समापन समारोह में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्य अतिथि ने प्रदर्शनी का रिबन काटकर अवलोकन किया और दीप प्रज्वलित कर समापन समारोह की औपचारिक शुरुआत की। गीतापुरम भक्तिमय वातावरण, श्लोकों की गूँज और दर्शकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति से पूरी तरह आध्यात्मिक रूप से आलोकित दिखाई दिया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिला परिषद चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल की धर्मपत्नी मोहिनी पाटिल की गरीमामयी उपस्थिति रही।

लाखों छात्र–छात्राओं के भविष्य पर बुरा असर डालने वालों पर हो सख्त कार्रवाई : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

रोहतक की महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी की ए प्लस नैक रेटिंग खत्म होने और इस बारे में छात्रों को अंधेरे में रखे जाने को पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बेहद गंभीर विषय बताया है। उन्होंने कहा कि एमडीयू की रेटिंग खत्म हो जाने से हजारों–लाखों बच्चों की उच्च शिक्षा और करियर पर नकारात्मक असर पड़ेगा। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि राजनीतिक हस्तक्षेप की वजह से एमडीयू समेत हरियाणा के कई विश्वविद्यालयों का स्तर बिगड़ा है। वे जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान हिसार जिले के ग्रामीण क्षेत्र में पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस संबंध में दुष्यंत चौटाला ने अनेक सबूत पत्रकारों के साथ साझा किए। दुष्यंत चौटाला ने बताया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार नवंबर 2024 में ही महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की नैक की ए प्लस रेटिंग खत्म कर दी गई थी। नियमों के अनुसार इस सत्र के दौरान इन्सपेक्शन करवाकर नैक से दोबारा रैंकिंग ली जानी थी जिसे विश्वविद्यालय प्रबंधन की लापरवाही की वजह से नहीं करवाया गया। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर समेत इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि इस घटना से एमडीयू की प्रतिष्ठा पर बुरा असर पड़ा है और इसमें दाखिला ले चुके बच्चों का भविष्य अंधेरे में आ गया है।

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डेयरी और पशुपालन के क्षेत्र में हो रही अभूतपूर्व प्रगति

जयपुर,, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डेयरी और पशुपालन क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। प्रदेश में कार्यशील दुग्ध संघों की वित्तीय स्थिति में व्यापक सुधार होने के साथ ही दुग्ध प्रसंस्करण की क्षमता का निरंतर विकास और विस्तार हो रहा है। वहीं, सहकारिता तंत्र के सुदृढ़ीकरण से ग्रामीणों के आर्थिक और सामाजिक जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आ रहा है, जो विकसित राजस्थान–2047 के पथ का महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिला, युवा, मजदूर और किसानों के सशक्तिकरण के संकल्प को राज्य सरकार अपनी नीतियों के केंद्र में रखकर प्रदेश के किसानों और पशुपालकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी प्रतिबद्धता के फलस्वरूप प्रदेश में दुग्ध उत्पादन तथा कैटल फीड से संबंधित गतिविधियों का वार्षिक टर्नओवर 8,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष पहुंच गया है। इस वर्षिक टर्नओवर में बढ़ोतरी से दुग्ध संघों की वित्तीय स्थिति व्यापक सुधार आया है। इनके वार्षिक लाभ में लगभग 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, पूर्व में प्रदेश की 15 मिल्क यूनिट्स हानि की श्रेणी में संचालित हो रही थी। लेकिन, आज सभी 24 मिल्क यूनिट्स लाभ की स्थिति में हैं।

प्रदेश में दुग्ध प्रसंस्करण की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में 48 लाख लीटर प्रतिदिन की प्रसंस्करण क्षमता को बढ़ाकर 54 लाख लीटर प्रतिदिन किया गया है। आगामी दो वर्षों में इस क्षमता को 70 लाख लीटर प्रतिदिन तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में आरसीडीएफ (राजस्थान कॉपरेटिव डेयरी फेडरेशन) द्वारा लगभग 1000 करोड़ रुपये का इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड गठित कर कोटा, भरतपुर, अलवर, उदयपुर तथा जोधपुर स्थित दुग्ध संयंत्रों के उन्नयन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

पशुधन की आनुवंशिक गुणवत्ता सुधार के के लिए आरसीडीएफ राष्ट्रीय गोकुल मिशन

ई–गवर्नेंस को बढ़ावा दें, सेवाओं की पारदर्शिता हो सुनिश्चित: प्रियंका गोस्वामी

कोटपूतली–बहरोड़, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि सरकार की मंशानुरूप ई–गवर्नेंस को बढ़ावा देंवे, इसका उद्देश्य प्रक्रियाओं को सरल, कुशल, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाना है ताकि नागरिकों के लिए सेवाओं तक पहुंच आसान हो सके। इसमें नागरिक सेवा पोर्टलों, ऑनलाइन शिकायत निवारण और सरकारी दस्तावेज़ों की डिजिटल उपलब्धता जैसी कई सेवाओं को आमजन तक पहुंचाना है. जिला कलेक्टर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित कर रही थी. उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत निगम को निर्देशित किया कि घरेलू एवं कृषि विद्युत कनेक्शन की कार्यवाही गति लाएं। पीएचईडी विभाग को पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने हेतु जेजेएम के लक्ष्यानुरूप और भविष्य की कार्य योजना तैयार कर समर कंटिंजेंसी के तहत कार्य करने को कहा, जिससे कि आमजन को ग्रीष्म ऋतु में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने पीडब्लयूडी, नगर परिषद एवं संबंधित अधिकारी को अस्पतालों सहित राजकीय भवनों में नियमानुसार फायर एनओसी एवं सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बागरा में भैरवनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

कलश यात्रा के साथ हुआ आगाज, 5 दिन तक होगा महारूद्र यज्ञ

बागरा (जालौर, राजस्थान), 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)

– जालोर जिले के बागरा में भैरवनाथ मंदिर की 1 दिसंबर से पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा हैं। यह प्राण प्रतिष्ठा भैरव धाम डुडसी प्याऊ बागरा जालोर व नाथजी का अखाड़ा सोनाणा धाम सारंगवास पाली के महन्त विक्रम नाथ महाराज व भैरूनाथ अखाड़ा जालोर के महन्त पीर गंगानाथ महाराज ने सानिध्य में आयोजित होगी। सोमवार के दिन भैरवनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले जल कलश यात्रा बागरा गांव के जागनाथ महादेव मंदिर से प्रारंभ होते हुए बागरा गांव के बस स्टेशन से होते हुए ड्यूटी नाथ जी के अखाड़े तक पहुंची। इस जल कलश यात्रा में 101 कन्याओं ने जल भरकर जल कलश यात्रा निकाली। इस कार्यक्रम में भक्त जनों ने नाच गानों के साथ कलश यात्रा को आगे बढ़ते गए।

इस कार्यक्रम में कई मठ के नाथ जी ने भाग लिया और उनको रथ यात्रा में बैठकर जल कलश यात्रा में भाग लिया। उसके बाद जल कलश कन्याओं का मंदिर में स्वागत किया गया। जल कलश यात्रा हाथी घोड़े पर बैठकर निकली गई। उसके उपरांत भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। गांव के कई लोगों ने भोजन प्रसादी का भोग लिया।प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दिन भामाशाह परिवार हडमाराम पुत्र हरसनलाल के द्वारा पूजा पाठ के बाद वैदिक मंत्रों के साथ मंदिर के गर्भग्रह में भैरवनाथ मूर्ति की स्थापना की जाएगी। इसके बाद लक्ष्मण कुमार, उत्तम कुमार परिवार के मंदिर शिखर पर अमर ध्वजा व लाभार्थी परिवार दुर्गाराम पुत्र वजाराम सुन्देश सोनरा के द्वारा मुख्य कलश शिखर झंडा की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में हेलिकॉप्टर से पुष्पा वर्षा भी कि जाएगी।साधु–संतों का होगा स्वागत सत्कारइसके साथ ही महोत्सव में जालोर समेत राजस्थान से आने वाले साधु संतों का स्वागत किया जाएगा। इसके लिए अलग से व्यवस्था की गई हैं। इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा हैं। महोत्सव में आने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज समेत कई सांधु संतों को आमंत्रण पत्रिका दी जा रही है।यह होगा 5 दिन तक कार्यक्रमपहले दिन निकाली जाएगी

कलश यात्रा: गणपति वंदना के साथ बागरा में कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ मंदिर परिसर में महारुद्र यज्ञ की शुरुआत होगी। वही रात में भजन संख्या का आयोजन होगा। जिसमें पहले दिन भजन गायक लक्ष्मी खंडेलवाल सिरोही व छगन भारती बागरा एंड पार्टी की ओर से प्रस्तुतियां दी जाएगी।2 दिसंबर को यज्ञ और भजन संध्या: प्रधान यज्ञ, प्रासद वास्तु यज्ञ, दिक्षु यज्ञ, सायं पूजन, आरती व रात में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। जिसमें अनिता जांगिड़–रानी व एडवोकेट प्रकाश माली गोयली के एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।3 दिसंबर को भी भजन संध्या: पूजन, प्रधान यज्ञ, प्रासाद एवं देव स्नपन कर्म अधिवास कर्म पिंडिकाधिकास, सायं पूजन, आरती व रात को फिर भजन संध्या का आयोजन। जिसमें गजेन्द्र राव जोधपुर के द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

4 दिसंबर को सजेगी झांकियां: पूजन, यज्ञ कर्म, न्याय विधि पूजन, आरती व रात में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। जिसमें भजन गायक प्रकाश माली बालोतरा के द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ 5 दिन तक लगातार शोभायात्रा व भजन संध्या में मनोज रिया एंड पार्टी दिल्ली के द्वारा एक से बढ़कर एक मनमोहक झांकी के माध्यम से शिव महिमा का वर्णन समेत कई झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा।5 दिसंबर को समापन: सुबह पूजन, यज्ञ कर्म माणक स्तम्भ स्थापना, तोरण वंदना, गणपति एवं प्रधान देव व प्रतिष्ठा कार्यक्रम, मुख्य कलश शिखर (ईडा), अमर ध्वजा स्थापना, पूर्णाहुति, महाआरती इसके साथ दिनभर फले चुनड़ी (भोजन प्रसादी) का कार्यक्रम होगा।इस भव्य महोत्सव से स्थानीय स्तर पर धार्मिक उत्साह चरम पर है। आयोजकों ने सभी भक्तों से अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की है ताकि भैरवनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ऐतिहासिक बने।

आमजन की समस्याओं के समाधान पर निगरानी रखें जनपदों में तैनात पुलिस अधिकारी: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ,01 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश भर से आए हर पीड़ित से स्वयं मुलाकात की, उनका प्रार्थना पत्र लिया और समस्याओं के निदान का आश्वासन किया। मुख्यमंत्री ने जनपद में तैनात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीड़ितों की समस्याओं के स्थानीय स्तर पर समाधान पर विशेष जोर रहे। पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्षता व पारदर्शिता पूर्वक कार्रवाई पर अधिकारी विशेष ध्यान दें। 'जनता दर्शन' में 42 से अधिक फरियादी पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर एक से मिलकर उनकी समस्याएं जानीं और उचित कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। 'जनता दर्शन' में जमीनी विवाद, राजस्व व पुलिस से संबंधित भी कई मामले आए। इस पर सीएम ने निर्देश दिया कि पुलिस कार्रवाई निष्पक्षता व पारदर्शिता से सुनिश्चित की जाए। पुलिस आयुक्त, एडीजी, एसएसपी व एसपी जनता की समस्याओं की निगरानी रखें और प्रमुखता से उसके निस्तारण पर ध्यान दें। दो पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। इस पर मुख्यमंत्री ने दोनों फरियादियों को मदद का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर पीड़ित की मदद के लिए खड़ी है। चिकित्सा के लिए नियमित रूप से पीड़ितों को आर्थिक मदद की जा रही है। आप भी एस्टिमेट बनवाकर उपलब्ध कराएं, सरकार मदद करेगी।

'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी आए। मुख्यमंत्री ने उन बच्चों को अपनत्व से दुलारा-पुचकारा, फिर उन्हें चॉकलेट दी। सीएम योगी आदित्यनाथ जी ने कुछ बच्चों का हालचाल भी जाना। सीएम ने उन्हें मन लगाकर पढ़ने और खूब नाम करने का आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार तीसरे दिन जन सुनवाई की है। इससे पहले, उन्होंने अपने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार और रविवार को 'जनता दर्शन' कार्यक्रम के तहत कुल 400 लोगों की शिकायतें सुनीं।

इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण के निर्देश दिए।

बीएलओ की दिक्कतों और आत्महत्या जैसी घटनाओं पर गंभीर संवाद की दरकार : मायावती

लखनऊ,01 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान बीएलओ की ओर से आत्महत्या करने की घटनाओं पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने चिंता जताई है। उन्होंने मांग उठाई कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान बीएलओ समेत प्रमुख मुद्दों पर सही से चर्चा होनी चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है, जिसके हर सत्र की तरह इस बार भी काफी हंगामेदार होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

उन्होंने लिखा, हमारी पार्टी चाहती है कि संसद के दोनों सत्र सुव्यवस्थित व शांतिपूर्ण तरीके से संचालित हों। देश व जनहित के जरूरी मुद्दों पर, खासकर

राजधानी दिल्ली आदि में वायु प्रदूषण के कारण आ रही भारी परेशानी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर व्यावहारिक तौर पर हो रही परेशानियों, आपत्तियों व इस कार्य के मुख्य कर्ताधर्ता बीएलओ की दिक्कतों, उनकी ओर से की जा रही खुदकुशी की दुखद घटनाओं पर सही से चर्चा हो सके। साथ ही साथ, इन समस्याओं का उचित समाधान निकलने की दिशा में सार्थक प्रयास हो सके।

उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप लगाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि व्यापक देश व जनहित साधने के लिए संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्ता और विपक्ष दोनों को राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर पूरी तरह से संवेदनशील और गंभीर होने की जरूरत है।

ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश में इन दिनों एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, जिसे लेकर विरोधी दल सरकार और चुनाव आयोग को घेर रहे हैं। वहीं इस बीच कुछ बीएलओ की जान भी चली गई है। यूपी के मुरादाबाद स्थित भोजपुर क्षेत्र के बहेड़ी में बीएलओ ने आत्महत्या कर ली। पुलिस और परिजनों को मौके से सुसाइड नोट मिला है। हालांकि अभी जितनी भी घटनाएं हुई हैं, उसके कई कारण हैं।

राज्य ललित कला अकादमी ने मांगे 'पद्मश्री बाबा योगेन्द्र कला सम्मान ' एवं 'अकादमी अधिसदस्यता सम्मान ' हेतु आवेदन

लखनऊ,01 दिसंबर (एजेंसियां)। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह कला, संस्कृति और उनसे जुड़े कलाकारों के उन्नयन एवं संरक्षण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं। उनके नेतृत्व में कला-संवर्धन को नई दिशा और गति प्राप्त हुई है। पारंपरिक लोक कलाओं से लेकर समकालीन दृश्य कलाओं तक, हर क्षेत्र में कलाकारों को प्रोत्साहन, प्रशिक्षण, मंच और अवसर उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।पर्यटन मंत्री के प्रयासों से प्रदेश में सांस्कृतिक गतिविधियाँ न केवल अधिक जीवंत हुई हैं बल्कि कला-पारखियों और कलाकारों के लिए नई संभावनाओं के द्वार भी खुले हैं। उनका नीति वाक्य कलाकार का सम्मान, संस्कृति का उत्थान। के अंतर्गत राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2025-26 के लिए 'पद्मश्री बाबा योगेन्द्र कला सम्मान' तथा 'अकादमी अधिसदस्यता सम्मान' हेतु योग्य कलाकारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। अकादमी के अनुसार पद्मश्री बाबा योगेन्द्र कला सम्मान के अंतर्गत कुल तीन सम्मान प्रदान किए जाएंगे, जिनमें से एक सम्मान राष्ट्रीय स्तर का होगा। अकादमी अधिसदस्यता सम्मान के अंतर्गत एक कलाकार का चयन किया जाएगा। दोनों ही श्रेणियों में चित्र, रेखांकन, ग्राफिक्स छापा कला, मूर्ति, पोट्रेट चित्र,मूर्ति वॉश तथा पारम्परिक कला में कार्यरत कलाकार आवेदन हेतु पात्र होंगे आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में भरकर 15 दिसंबर तक जमा होंगे। प्रमाणपत्रों,कृतियों के विवरण सहित पूर्ण आवेदन राज्य ललित कला अकादमी, लाल बारादरी भवन, ललित कला अकादमी मार्ग, कैसरबाग, लखनऊ-226001 पर जमा किए जाने है। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इन सम्मानों का उद्देश्य प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय श्रेष्ठ कलाकारों को प्रोत्साहन एवं सम्मान देना है।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन स्वागतयोग्य : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ,01 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का स्वागत किया। केशव प्रसाद मौर्य ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन बहुत गंभीर रहा। अगर विपक्षी दलों में थोड़ी-सी भी गंभीरता होगी, तो वे प्रधानमंत्री के संबोधन में कही गई बातों को गंभीरता से समझेंगे और उसकी सार्थकता को समझने की कोशिश करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्रकारों से बातचीत में जिन मुद्दों का जिक्र किया, उनका दूरगामी रूप से बड़ा असर पड़ने वाला है। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन में कही गई बातों को अगर राजनीतिक दल आत्मसात करेंगे, तो देश के विकास को एक नई गति मिलेगी।

वहीं, नेशनल हेराल्ड प्रकरण पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि निसंदेह यह कहना गलत नहीं होगा कि जिस व्यक्ति ने गलत किया है, उसे उसका भुगतान करना होगा। उसे उसकी सजा मिलेगी। इससे किसी भी व्यक्ति को अंचभित होने की कोई आवश्यकता नहीं है।उन्होंने चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची पुनरीक्षण की तारीख को आगे बढ़ाने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में बीएलओ के ऊपर बढ़ रहे काम के दबाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। अब बीएलओ की तरफ से इस संबंध में जो भी रिपोर्ट दी जाएगी, उसी के आधार पर आगे कदम बढ़ाए जाएंगे।

जांच एजेंसियों की तरफ से भारत में मूल रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ हो रही कार्रवाई का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अगर कोई दूसरे देश का नागरिक भारत में अवैध रूप से रह रहा है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने की दिशा में हमारी जांच एजेंसियां किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं करेंगी। भारत में अवैध रूप से रह रहे लोगों को मतदाता सूची से भी बाहर जाना होगा और इस देश से भी बाहर जाना होगा। किसी भी अवैध नागरिक को हम अपने देश में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता से बनेंगे प्रभावी पुलिस अधिकारी : सीएम योगी

लखनऊ,01 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को सफल, प्रभावी और सिटीजन सेंट्रिक पुलिस अधिकारी बनने के लिए 'संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता' का मंत्र दिया है। सोमवार को 23 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ औपचारिक भेंट के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसा विशाल राज्य पुलिस के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आता है, इसलिए प्रशिक्षु अवधि को सीखने, समझने और अपने पुलिसिंग मॉडल को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर मानें। सीएम योगी ने कहा कि जनपदों में प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है कि वास्तविक समस्याओं का प्रभावी और संतुष्टिपरक समाधान कैसे किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस हमेशा फर्स्ट रिस्पांडर होती है।

आपकी तत्परता, भाषा और प्राथमिकता पर ही पीड़ित का विश्वास टिका होता है।

उन्होंने प्रशिक्षुओं को यह सलाह दी कि प्रशिक्षण अवधि में थाने का चार्ज, उसके प्रशासन, विवेचना, ड्यूटी मैनेजमेंट और स्थानीय विवादों की प्रकृति को बहुत बारीकी से समझें। थाना पुलिसिंग की नींव है। ह्यूमन इंटेलिजेंस आज भी किसी भी पुलिस अधिकारी का सबसे बड़ा हथियार है। स्थानीय लोगों से संवाद, फील्ड में उपस्थिति और विश्वास ही आपको मजबूत बनाते हैं।

मुख्यमंत्री ने 'थाना, सर्किल तथा पुलिस लाइन' तीनों की कार्यप्रणाली, संसाधनों और चुनौतियों को समझने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों का सामंजस्य ही किसी जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करता है।

जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संवाद गरिमापूर्ण और संयत होना चाहिए। कैजुअल अप्रोच पुलिस अधिकारी के लिए उचित नहीं है। जनप्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं, उनके साथ तालमेल कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाता है।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से महिलाओं के प्रति अपराध, साइबर क्राइम और अवैध ड्रग्स के नेटवर्क के खिलाफ सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपराध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए आपकी प्रतिक्रिया और तैयारी भी उतनी ही आधुनिक और त्वरित होनी चाहिए। डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर टूल्स और तकनीक का कुशल उपयोग सीखें।

उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि पुलिस सेवा में सत्यनिष्ठा, अनुशासन और मानवीय दृष्टि ही सबसे बड़ी पूंजी है। आपका आचरण आने वाले वर्षों में न केवल कानून-व्यवस्था को दिशा देगा, बल्कि प्रदेश की सुरक्षा और जनता के विश्वास को भी मजबूत करेगा।

धागे से धरोहर तक : खादी महोत्सव में 3.20 करोड़ की रिकॉर्ड बिक्री, पिछले वर्ष से 42% की वृद्धि

लखनऊ,01 दिसंबर (एजेंसियां)। गोमतीनगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित 10 दिवसीय खादी महोत्सव-2025 में इस बार बिक्री ने नया रिकॉर्ड बनाया। 'धागे से धरोहर तक' थीम पर हुए आयोजन में कुल कारोबार 3.20 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले वर्ष की 2.25 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग 42 प्रतिशत अधिक है।

अंतिम दिन खरीदारी का दबाव सबसे अधिक रहा और देर शाम तक स्टॉलों पर भीड़ बनी रही। खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद, जूट हस्तशिल्प और माटी कला इस बार ग्राहकों की पहली पसंद रहे। महोत्सव में खादी संस्थाओं के 32, ग्रामोद्योग के 120 और माटी कला के 8 स्टॉल सहित कुल 160 उद्यमियों ने भाग लिया।लखनऊ, मुजफ्फरनगर, बाराबंकी, गोरखपुर सहित विभिन्न जिलों से आए कारीगरों ने बताया कि इस वर्ष न केवल भीड़ बढ़ी, बल्कि खरीदारी को लेकर उत्साह भी पहले की तुलना में ज्यादा देखी गई।

स्वराज्य आश्रम के प्रेम कुमार, ग्राम सेवा संस्थान के सतेंद्र कुमार, मुजफ्फरनगर के अब्बास अंसारी, जूट आर्टिजन्स की अंजलि सिंह, बाराबंकी के प्रेमचंद्र और रॉयल हनी के प्रो. नितिन सिंह के अनुसार इस बार 'युवा ग्राहकों की उपस्थिति' विशेष रूप से उल्लेखनीय रही, जिसने बिक्री को नया आयाम दिया।पूरे आयोजन में युवाओं, छात्रों और महिलाओं की लगातार उपस्थिति रही। आगंतुकों ने बताया कि एक ही जगह पर खादी, स्थानीय शिल्प और प्राकृतिक उत्पादों की इतनी व्यापक रेंज मिलना एक दिलचस्प और भरोसेमंद अनुभव रहा।समापन अवसर पर बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिशिर ने उद्यमियों और आयोजन टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि खादी अब केवल परिधान का विकल्प नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक उपभोक्ता दोनों की साझा पहचान बन चुकी है।

गौतमबुद्धनगर पुलिस की बड़ी सफलता, दो वर्षों में सैकड़ों गुमशुदा बच्चे और बालिग सकुशल बरामद

गौतमबुद्धनगर,01 दिसंबर (एजेंसियां)।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के कुशल नेतृत्व, संवेदनशीलता और निरंतर निगरानी में कमिश्नरेट पुलिस द्वारा गुमशुदा बच्चों व बालिग व्यक्तियों की खोज के लिए व्यापक, त्वरित और समन्वित अभियान लगातार जारी है। गुमशुदा प्रकरणों को पुलिस ने अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया है, जिसके परिणामस्वरूप बीते दो वर्षों में उल्लेखनीय सफलताएं दर्ज हुई हैं और सैकड़ों परिवारों के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौटी है। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने नाबालिग बच्चों की बरामदगी में उल्लेखनीय उपलब्धियां गिनाई हैं। इसके मुताबिक, वर्ष 2024 के दौरान कमिश्नरेट क्षेत्र से कुल 150 नाबालिग बच्चे (39 बालक व 111 बालिकाएं) गुमशुदा दर्ज हुए थे। पुलिस की तत्काल कार्रवाई, सघन तलाशी व निरंतर प्रयासों की बदौलत 36 नाबालिग बालक और 103 नाबालिग बालिकाएं सकुशल बरामद कर परिवारों को सौंपे गए। वहीं, वर्ष 2025 (अक्टूबर तक) में कुल 87 नाबालिग बच्चों (18 बालक व 69 बालिकाएं) के गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज हुई। इस दौरान पुलिस ने 12 बालक और 53 बालिकाएं सुरक्षित खोजकर परिजनों को वापस मिलाया।

गौतमबुद्धनगर पुलिस को बालिग महिलाओं और पुरुषों की खोज में भी बेहतर परिणाम मिले हैं। इसके मुताबिक, वर्ष 2024 में कुल 749 बालिग व्यक्ति (525 महिलाएं व 224 पुरुष) गुमशुदा हुए। पुलिस की समयबद्ध कार्रवाई के तहत 315 महिलाएं और 172 पुरुष सुरक्षित ढूंढकर घर लौटाए गए। वर्ष 2025 (अक्टूबर तक) में 568 बालिग व्यक्ति (412 महिलाएं व 156 पुरुष) गुमशुदा दर्ज हुए थे, जिनमें से अब तक 202 महिलाएं व 115 पुरुष बरामद किए जा चुके हैं।

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने गुमशुदा व्यक्तियों की खोज के लिए कई अहम रणनीतियां अपनाईं। इनमें गुमशुदगी की तत्काल रिपोर्ट दर्ज करना, थाना स्तर पर विशेष टीमों का गठन, सीसीटीवी फुटेज विश्लेषण, मोबाइल सर्विलांस व तकनीकी मॉनिटरिंग, अंतरराज्यीय पुलिस समन्वय और फील्ड इंटेलिजेंस का अधिकतम उपयोग शामिल है।

इन सुनियोजित प्रयासों से पिछले दो वर्षों में सैकड़ों नाबालिग बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को सुरक्षित ढूंढ़कर परिजनों से मिलाया गया, जिससे कई परिवारों में दोबारा सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई है।

गौतमबुद्धनगर पुलिस शेष गुमशुदा बच्चों और बालिग व्यक्तियों की तलाश में लगातार अभियान चला रही है। तकनीक और मानव संसाधन के सम्मिलित उपयोग के साथ पुलिस का लक्ष्य है कि हर गुमशुदा व्यक्ति को सुरक्षित घर वापस लौटाया जाए।

गंदगी देख भड़के वित्त मंत्री, बोले, बख्शेंगे नहीं

लखनऊ के कई वार्डों का किया निरीक्षण, मेयर भी रही साथ-साथ

जिम्मेदार अफसरों और कर्मचारियों का कटेगा वेतन

लखनऊ,01 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने नगर में साफ-सफाई व्यवस्था की जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए नगर निगम लखनऊ के जोन 8 के विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर सुषमा खर्कवाल भी उनके साथ मौजूद रहीं। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर सफाई व्यवस्था की खराब स्थिति पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर जोनल अधिकारी विकास सिंह, जोनल सेनेटरी ऑफिसर जितेंद्र गांधी और एसएफआई मीरा राव सहित सभी संबंधित के एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। साफ-सफाई व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की कोताही पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल सुधार के भी निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री सर्वप्रथम जोन 8 के खरिका प्रथम वार्ड में पहुंचे, जहाँ तेलीबाग, सुभानी खेड़ा, देवी खेड़ा और मोहारीबाग क्षेत्रों में नालियों में समय पर सफाई न होने और सड़कों पर गंदगी पाए जाने पर अधिकारियों को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी। महापौर खर्कवाल ने भी सफाई कर्मियों की अनुपस्थिति और ड्रेस कोड का पालन न होने पर असंतोष जाहिर किया। दोनों जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नागरिक सुविधाओं से जुड़ी सेवाओं की लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद मंत्री ने खरिका द्वितीय वार्ड का दौरा किया, जहाँ उन्होंने काशीराम कॉलोनी में जलनिकासी और सफाई व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सफाई अभियान तेज करने और नालियों का नियमित रखरखाव के निर्देश दिए। जलभराव की समस्या न बढ़े, समय पर कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। इसके बाद जोन 8 के इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड पहुंचे जहां स्थित ईश्वरी खेड़ा गांव में भी स्थिति संतोषजनक नहीं मिली सफाई व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति देखकर मंत्री ने अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की और कड़े निर्देश दिए कि विस्तारित क्षेत्र की उपेक्षा कतई न की जाए।

गाजियाबाद में पुलिस से मुठभेड़ में बदमाश घायल, गिरफ्तार

गाजियाबाद ,01 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के अंकुर विहार इलाके में रविवार देर रात पुलिस और एक बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई। इसके बाद पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस की ओर से वाहन चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान पुलिस ने स्कूटी सवार संदिग्ध युवक को जबी रुकने का इशारा किया, तो उसने भागने का प्रयास किया। जब पुलिस ने उसे पकड़ने का प्रयास किया तो संदिग्ध युवक ने पुलिस पर तमंचे से फायर कर दिया। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई, जिसमें बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई और वह गिर गया। घायल बदमाश को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। आरोपी के पास से एक 315 बोर का तमंचा, एक कारतूस और चोरी की स्कूटी मिली। पुलिस की पूछताछ में उसने अपना नाम आमिर बताया। पूछताछ में पता चला कि वह कई अपराधों में शामिल है। आमिर पर चोरी और एनडीपीएस एक्ट के तहत एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से और पूछताछ कर रही है। एसीपी लोनी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पूछताछ में आरोपी आमिर ने कई मामलों में शामिल होने की बात कबूली है। इसके पास से जो स्कूटी बरामद हुई है, वह कुछ दिनों पहले ही चोरी की गई थी, इससे पहले भी इसने कई वाहनों को चुराया था। बदमाश के ऊपर 9 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस इन सभी मुकदमों की जांच कर रही है।

उन्होंने बताया कि पुलिस आमिर को काफी दिनों से खोज रही थी। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर उसे गिरफ्तार किया गया है। यह पता लगाया जा रहा है कि इसने तमंचा कहां से खरीदा है और इसके गिरोह में कितने लोग शामिल हैं। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां से उसे सीधा जेल भेजा जाएगा।

गावस्कर ने विराट को एकदिवसीय का महान बल्लेबाज बताया

मुम्बई, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया है। उन्होंने कहा कि विराट के 52 शतक बताते है कि वह एकदिवसीय प्रारुप में कितने बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की पारी खेलने के साथ ही इस प्रारुप में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। गावस्कर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह नहीं है। मेरा मतलब है कि यह केवल मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग विराट के साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात को जानते हैं कि वह एकदिवीय प्रारूप का सबसे महान खिलाड़ी है।' उन्होंने कहा, विराट ने 52 शतक बनाए हैं। ये आंकड़ा उसे बहुत ऊपर ले जाता है।' यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग भी कोहली की क्षमताओं का लोहा मानते हैं।

गावस्कर ने कहा, 'पोंटिंग ने कहा हैं उन्होंने जिन बल्लेबाजों को देखा है उनमें कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं। मेरा मतलब है कि जब कोई ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कहता है कि कोहली सबसे अच्छे हैं तो मुझे नहीं लगता कि तब इसमें किसी को कोई संदेह होना चाहिये। हर कोई इस बात से सहमत होगा कि किसी ऑस्ट्रेलियाई से तारीफ काफी कम मिलती है।' गावस्कर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर के 51 एकदिवसीय शतक के रिकॉर्ड को पार कर विराट ने अपने को साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आप अब तक सचिन 51 शतक के साथ शीर्ष पर थे पर जब आप महान सचिन जैसे महान खिलाड़ी को पीछे छोड़ देते हैं तो आपको पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं।'

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड की भारतीय टीम को घुटने पर लाने वाली टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'यह एक गलत सलाह वाली टिप्पणी हो सकती है।गलत समय, गलत जगह। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मीडिया से बात करते हुए वह ध्यान रखेंगे हालांकि मुझे नहीं लगता कि उन्हें माफी मांगने की जरूरत है। मैं निजी तौर पर माफी में विश्वास नहीं रखता।' गावस्कर ने कहा, 'पर अपनी गलती को स्वीकार करना चाहिये। ऐसी चीजें होती ही रहती हैं। जोश में आकर आप कभी-कभी कुछ ऐसा कह देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बीसीसीआई के बाद विराट ने भी संन्यास से वापसी की अटकलों को खारिज किया, एक ही प्रारुप खेलूंगा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलेंगे और टेस्ट में वापसी करने का उनका कोई इरादा नहीं है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी विराट के एक फिर टेस्ट खेलने की संभावनाओं को गलत बताया था। भारतीय टीम की दक्षिणअफ्रीका से के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से करारी हार को देखते हए ये अटकलें लगायी जा रही थीं कि विराट संन्यास से वापसी कर सकते हैं। ये भी कहा जा रहा था कि बीसीसीआई कोहली से उनके टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले को बदलने के लिए भी बात करने की योजना बना रहा था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, विराट के संन्यास से वापसी की बातें केवल एक अफवाह है। इस बारे में कोहली से कोई बातचीत नहीं हुई है। आधारहीन बातों को न फैलाएं ऐसा कुछ नहीं हुआ है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाया इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया। वहीं तक विराट से जब पूछा गया कि वह आगे भी क्या सिर्फ एक ही प्रारुप में खेलते नजर आएंगे तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'हां, हमेशा ऐसा ही होगा। मैं तो बस एकदिवसीय ही खेलूंगा।' ऐस में देखना होगा कि टीम प्रबंधन एकदिवसीय विश्वकप 2027 को लेकर क्या योजना बनाता है। अब तक के अनुममानों से दिख रहा है कि प्रबंधन रोहित और विराट को अगले विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा नहीं मानता है। कोहली और ने इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट से संन्यास ले लिया था।

मार्करम ने हार के बाद भी अपनी टीम के जुझारु रवैये को सराहा, खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया

रांची। पहले एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने वाले एडन मार्करम ने भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद भी अपनी टीम के प्रदर्शन की तारीफ की है। मार्करम ने कहा है कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है क्योंकि उसने 350 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा काफी अच्छे से किया। शुरुआत में ही 11 रनों पर तीन विकेट गंवाने के बाद भी टीम ने 332 रन बनाये और वह लक्ष्य से केवल 18 रन ही दूर थी। इस दौरान एक समय लग रहा था कि वह लक्ष्य हासिल कर लेगी। मैच के बाद एडन मार्करम ने कहा कि उन्हें अपनी इस टीम पर गर्व है। उन्होंने इस दौरान विशेष रुप से दो खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। मार्करम ने कहा, हां उन्हें इन खिलाड़ियों पर गर्व है। इनकों अपना काम करते देखना बहुत अच्छा लगता है। इन्होंने कभी भी यह भरोसा नहीं खोया कि हम लक्ष्य नहीं पा सकते हैं।जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ रही थीं, वे काफी उम्मीद लगाए हुए थे। शीर्ष क्रम हालांकि असफल रहा। हमें पता था कि गेंद स्विंग करेगी और फिर लक्ष्य का पीछा करते समय गेंद विकेट से थोड़ी तेजी आएगी, लेकिन फिर भी ऐसा लगा कि लक्ष्य का पीछा करना ही गेम जीतने का सबसे अच्छा तरीका है। अगले गेम में शीर्ष क्रम पर जिम्मेदारी रहेगी। मध्यक्रम पहले ही अच्छा प्रदर्शन कर सकता है।कुल मिलाकर, लड़कों की कोशिशों पर बहुत गर्व है। वे बहुत करीब पहुंच गए और उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाया। कप्तान ने मार्को यान्सन और कॉर्बिन बॉश की भी जमकर प्रशंसा की।

विलियमसन लखनऊ सुपर जायंट्स को सफलता दिला पायेंगे

मुम्बई। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन 2026 आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स में एक नई भूमिका रणनीतिक सलाहकार के तौर पर नजर आयेंगे पर देखना होगा कि वे इसमें टीम को कितनी सफलता दिला पाते हैं। पिछले सत्र में सुपर जायंट्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। इससे टीम टीम मालिक संजीव गोयनका ने सोशल मीडिया में लिखा, विलियमसन का लखनऊ सुपर जायंट्स परिवार में रणनीतिक सलाहकार के रूप में स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। उनकी नेतृत्व क्षमता, रणनीतिक अंतर्दृष्टि, खेल की गहरी समझ और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम के लिए अमूल्य बनाती है। न्यूजीलैंड टीम के पूर्व कप्तान विलियमसन को आईपीएल का अच्छा खासा अनुभव है। आईपीएल में एक खिलाड़ी के तौर पर भी उन्होंने 10 सीजन खेले हैं। 2015 से 2014 तक वे आईपीएल में खेले हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 2018 में 735 रन बनाकर वे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। साल 2022 तक वे सनराइजर्स के लिए खेले और टीम की कप्तानी भी की। साल 2023 और 2024 में वे गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे हालांकि तब वह एक ही मैच खेल पाये। वहीं साल 2024 में उन्हें दो मैच खेलने के लिए मिले थे।

प्रीमियर लीग 2025-26 : इसाक ने खत्म किया गोल का सूखा, लिवरपूल को दिलाई अहम जीत

लंदन, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

लिवरपूल के रिकॉर्ड साइनिंग अलेक्जेंडर इसाक ने आखिरकार प्रीमियर लीग में अपना गोल खाता खोला और संघर्ष कर रही चैंपियन टीम को वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ रविवार को 2-0 की बेहद जरूरी जीत दिलाई। लगातार खराब फॉर्म से जूझ रही लिवरपूल टीम पिछले 12 मैचों में 9 हार झेल चुकी थी। दबाव में घिरे मैनेजर अरने स्लॉट ने बड़ा फैसला लेते हुए पहली बार प्रीमियर लीग में मोहम्मद सालाह को शुरुआती एकादश से बाहर रखा। उनकी जगह उतरे फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने अच्छी लय दिखाई, हालांकि पहले हाफ में एक आसान मौका गंवा बैठे, जिसे गोलकीपर अल्फोंस अरेओला ने बचा लिया। पहले हाफ में इसाक भी दो मौके चूक गए, पर दूसरे हाफ के 60वें मिनट में कोडी गाक्पो की शानदार पुल-बैक पास पर उन्होंने शांत दिमाग से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। वेस्ट हैम की उम्मीदों को बड़ा झटका तब लगा जब लुकास पाक्वेटा को महज 60 सेकंड के भीतर दो बार के लिए पीला कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया। इंजरी टाइम में गाक्पो ने दूसरा गोल दागकर लिवरपूल की जीत पक्की की।इस जीत के साथ लिवरपूल 13 मैचों में 21 अंकों के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट हैम 11 अंकों के साथ 17वें स्थान पर है।

एस्टन विला: कैमारा का शानदार गोल, वॉल्व्स पर 1-0 की जीत - एस्टन विला ने रविवार को बोउबकर कैमारा के शानदार गोल की बदौलत वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स को 1-0 से हराकर अंकतालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। पहले हाफ में वॉल्व्स ने अधिक मौके बनाए और जोर्गेन स्ट्रैंड लार्सन का गोल ऑफसाइड करार दिया गया। वहीं, गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज की शानदार सेव से विला बचता रहा। दूसरे हाफ में विला ने रफ्तार पकड़ी और 67वें मिनट में कैमारा ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट मारकर गेंद को टॉप कॉर्नर में पहुंचाया। विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार पांचवीं जीत है और अब वे दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी से केवल एक अंक पीछे हैं। वॉल्व्स की स्थिति और बिगड़ गई है और टीम सिर्फ 2 अंकों के साथ सबसे नीचे है।

ब्राइटन की 2-0 से जीत, डे क्यूपर और त्ज़िमास ने दिलाए तीन अंक - ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को उसके घरेलू मैदान पर 2-0 से हराकर प्रीमियर लीग तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया। शुरुआत से ही ब्राइटन ने तेज खेल दिखाया और पहले हाफ में ही 13 शॉट लिए। पहला गोल हाफ टाइम से ठीक पहले हुआ जब जॉर्जिनियो रुटर ने शानदार क्रॉस देते हुए डे क्यूपर को ढूंढ निकाला। बेल्जियन डिफेंडर ने गेंद को आसानी से नेट में पहुंचाया। मैच के 88वें मिनट में युवा ग्रीक खिलाड़ी स्तेफानोस त्ज़िमास ने फॉरेस्ट डिफेंडर मोराटो की खराब बैक-हेडर का फायदा उठाते हुए दूसरा गोल कर जीत सुनिश्चित कर दी। फॉरेस्ट, जिसने पिछले दो मैच जीते थे—जिसमें लिवरपूल पर 3-0 की बड़ी जीत भी शामिल थी—इस मैच में प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर सका और अब 12 अंकों के साथ 16वें स्थान पर है। ब्राइटन के 22 अंक हैं और टीम चौथे स्थान पर मौजूद चेल्सी से सिर्फ एक अंक पीछे है, जिसके पास एक मैच शेष है।

पैर में फ्रैक्चर से स्पेन की स्टार फुटबॉलर बोनमती नेशंस लीग फाइनल से बाहर

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (हि.स.)। स्पेन की मिडफील्डर ऐताना बोनमती नेशंस लीग फाइनल के दूसरे चरण से बाहर हो गई हैं। रविवार को ट्रेनिंग के दौरान उनकी बाईं फिबुला (पैर की हड्डी) में फ्रैक्चर हो गया था। बोनमती ने शुक्रवार को जर्मनी के खिलाफ खेले गए महिला नेशंस लीग फाइनल के पहले चरण में हिस्सा लिया था, जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ था। इसके बाद टीम दूसरे चरण की तैयारी कर रही थी, जो 2 दिसंबर को एस्टाडियो मेट्रोपोलितानो में खेला जाना है। रॉयल स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन के अनुसार रविवार को मेडिकल जांच के बाद पाया गया कि ऐताना बोनमती की बाईं फिबुला में फ्रैक्चर है। खिलाड़ी अब बार्सिलोना लौटेंगी और वहीं से अपनी रिकवरी शुरू करेंगी। 27 वर्षीय बोनमती के लिए यह चोट ऐसे समय आई है जब उन्होंने बेहद शानदार साल बिताया है। वह तीन बार विमेन्स बैलन ड'ओर जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनीं, बार्सिलोना को घरेलू ट्रेबल दिलाने में अहम भूमिका निभाई और स्पेन के साथ यूरो 2025 फाइनल तक पहुंचीं।

पहलवान रवि दहिया रिचा के साथ शादी के बंधन में बंधे

सोनीपत, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि दहिया रविवार को शादी के बंधन में बंध गये। हरियाणा के रवि दहिया की शादी गोहाना के बिलबिलान गांव की रहने वाली रिचा के साथ ही एक सादे समारोह में हुई। इस दौरान परिजनों के अलावा करीब लोग ही मौजूद थे। रवि ने केवल एक रुपये की शुगुन की रस्म के साथ शादी की जिसके लिए भी उनकी प्रशंसा हो रही है।

रिचा की दुल्हन अभी एमए की पढ़ाई कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सब उनके लिए सपना जैसा है और वह सरल व सादगी पसंद परिवार में जाने से खुश हैं. वहीं रवि दहिया ने कहा कि विवाह का यह दिन उनके लिए बेहद खास है। परिवार और दोस्तों के साथ होने से खुशी और बढ गई। वहीं केवल एक रुपए की शादी पर उन्होंने कहा, 'मैं अकेला ऐसा नहीं हूं। यह परंपरा पहले भी कई लोगों की ओर से निभाई जाती रही है।' उन्होंने बिना दान-दहेज शादी कर समाज को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया है।

केवल एक रुपया शगुन लेकर समाज को दिया सकारात्मक संकेत

रवि दहिया के पिता ने कहा है कि दोनों ही परिवार खेती करते हैं। पिता ने कहा है कि उन्होंने पहले से ही यह निर्धारित कर लिया था कि कोई दहेज नहीं लेंगे और बिना दहेज के ही शादी करेंगे। रवि के पिता ने कहा कि एक अच्छा परिवार उन्हें मिला है और दोनों ही परिवार किसान हैं जिससे खुशी बढ़ गयी है। रवि फ्रीस्टाइल कुश्ती करते हैं और साल 2020 में टोक्यो ओलंपिक में रवि ने 57 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था। वहीं इससे पहले, उन्होंने दहिया 2019 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। वह तीन बार के एशियाई चैंपियन भी रहे हैं। इसके अलावा बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भी ने 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

शैंपेन के साथ जश्न मनाती हुई महिला लेलोम विजेता खिलाड़ी

कोलरेडो में शैंपेन के साथ जश्न मनाती हुई महिला लेलोम अल्पाइन स्कीइंग रेस की विजेता खिलाड़ी।

डुप्लांटिस और मैक्लॉघलिन-लेवरोन बने 'वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर'

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

स्वीडन के पोल वॉल्ट स्टार मोंडो डुप्लांटिस और अमेरिकी 400 मीटर विश्व चैंपियन सिडनी मैक्लॉघलिन-लेवरोन को रविवार को वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर चुना गया। डुप्लांटिस ने सितंबर में टोक्यो में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने के साथ-साथ इवेंट में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने एक वर्ष में अपने ही विश्व रिकॉर्ड को चार बार तोड़ा और पूरे सीजन में 16 प्रतियोगिताओं में अपराजित रहे। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना पांचवां लगातार डायमंड लीग खिताब भी जीता।

डुप्लांटिस ने वर्ल्ड एथलेटिक्स के हवाले से कहा, 'मैं आगे भी खुद को बेहतर करने की कोशिश करता रहूंगा। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में मुझे वोट देने वालों को मैं इसी तरह परेशान करता रहूं। यह पुरस्कार मेरे लिए खास है और मैं इसे बेहद संजोकर रखूंगा।'

मैक्लॉघलिन-लेवरोन पिछले दो वर्षों से 400 मीटर और 400 मीटर हर्डल्स दोनों में अपराजित हैं। टोक्यो में उनका 47.78 सेकंड का समय 400 मीटर का इतिहास में दूसरा सबसे तेज़ प्रदर्शन था। 26 वर्षीय एथलीट पहली खिलाड़ी बनीं जिन्होंने 400 मीटर फ्लैट और 400 मीटर हर्डल्स दोनों में विश्व खिताब जीता।

इसके अलावा, वे विश्व चैंपियनशिप में अमेरिकी 4×400 मीटर रिले टीम का हिस्सा भी रहीं, जिसने स्वर्ण पदक जीता।

पुरस्कार मिलने पर मैक्लॉघलिन-लेवरोन ने कहा, 'यह सम्मान पाकर मैं वास्तव में अभिभूत हूं। विश्व एथलेटिक्स का बहुत धन्यवाद। टोक्यो में सीजन का अंत मेरे लिए बेहद खास रहा। 2025 मेरे लिए सीमाओं को तोड़ने और मानसिक व शारीरिक रूप से खुद को नए स्तर पर ले जाने का साल रहा।

प्रीमियर लीग 2025-26 : 10 खिलाड़ियों वाली चेल्सी ने आर्सेनल को 1-1 से रोका, रोमांचक लंदन डर्बी में अंक बांटे

लंदन, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

दस खिलाड़ियों के साथ खेल रही चेल्सी ने रविवार को खेले गए बेहद उतार-चढ़ाव भरे लंदन डर्बी मुकाबले में प्रीमियर लीग की शीर्ष टीम आर्सेनल को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। मिकेल मेरिनो ने ट्रेवोह चालोबा के शुरुआती गोल का जवाब देकर आर्सेनल को हार से बचाया।

इस परिणाम के साथ आर्सेनल 30 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर कायम है और दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी से पांच अंक आगे है। वहीं, चेल्सी 24 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

पहले ही 10 खिलाड़ी रह गई थी चेल्सी

पहले हाफ में 38वें मिनट में मोइसेस कैइसेडो को वीएआर जांच के बाद मेरिनो पर खतरनाक टैकल के लिए लाल कार्ड मिला, जिससे चेल्सी 10 खिलाड़ियों पर आ गई। इसके बावजूद चेल्सी ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही बढ़त बना ली।

कप्तान रीस जेम्स की कॉर्नर किक पर ट्रेवोह चालोबा ने तीसरे मिनट में शानदार हेडर के जरिए गोल कर टीम को 1-0 से आगे किया।

मेरिनो ने दिलाई बराबरी

59वें मिनट में बुकॉयो साका के क्रॉस पर मेरिनो ने बेहतरीन हेडर मारकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद आर्सेनल ने लगातार दबाव बनाया। सब्स्टीट्यूट मार्टिन ओडेगार्ड दो बार करीब से चूक गए, जबकि अंतिम क्षणों में मेरिनो के शक्तिशाली प्रयास को गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज़ ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया।

खिलाड़ियों में तनातनी, 7 पीले कार्ड

मैच की शुरुआत से ही जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। रेफरी एंथनी टेलर ने कुल सात पीले कार्ड दिखाए—छह आर्सेनल को और एक चेल्सी के मार्क कुकुरेला को, जो पूरे मैच में साका को रोकने में व्यस्त नजर आए।

'एक अंक पाकर निराशा, लेकिन टीम पर गर्व' – रीस जेम्स

चेल्सी कप्तान रीस जेम्स ने कहा, 'हम जल्दी ही 10 खिलाड़ी रह गए थे, जिससे मैच मुश्किल हो गया। फिर भी टीम ने दबाव झेला और शानदार काउंटर किए।'

दाहिनी ओर पेड्रो नेटो लगातार सक्रिय रहे, और 78वें मिनट में सब्स्टीट्यूट लियम डेलैप का बढ़िया शॉट डेविड राया ने रोक दिया।

'थोड़ा और बेहतर होते तो जीत सकते थे' – मेरिनो

मेरिनो ने कहा, 'चेल्सी की डिफेंस बेहद संगठित थी, लेकिन अगर हम और बेहतर होते तो ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते थे। टीम ने गोल खाने के बाद अच्छी प्रतिक्रिया दी। इस तरह, बेहद तनावपूर्ण और रोमांचक लंदन डर्बी आखिरकार 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

क्रिप्टो बाजार फिसला, बिटकॉइन 88,000 डॉलर के नीचे

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिसंबर की शुरुआत क्रिप्टोकरेंसी बाजार के लिए कमजोर रही है। 1 दिसंबर को एशियाई ट्रेडिंग सत्र के शुरुआती घंटों में प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन लगभग 4.3 फीसदी गिरकर 88,000 डॉलर के नीचे पहुंच गया, जबकि ईथर भी 6 फीसदी लुढ़ककर 2,900 डॉलर से नीचे आ गया।

ईथर भी 6 फीसदी लुढ़ककर 2,900 डॉलर से नीचे आ गया

कॉइन मार्केटकैप के आंकड़े दर्शाते हैं कि पिछले 24 घंटों की यह गिरावट पिछले 30 दिनों में 19.85 फीसदी की कमजोरी को और बढ़ा रही है। मार्केट में लीवरेज लिक्विडेशन तेज हुआ है और केवल एक दिन में करीब 16 मिलियन डॉलर के बिटकॉइन लॉन्ग पोजिशन लिक्विडेट हो गए। विश्लेषकों के अनुसार, व्यापक आर्थिक चिंताओं और बैंक ऑफ जापान द्वारा संभावित ब्याज दर वृद्धि की आशंकाओं ने एशियाई बाजारों में दबाव बढ़ाया है।

जापानी बॉन्ड यील्ड का 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंचना भी बिकवाली का बड़ा कारण बना। गिरावट के दौरान बिटकॉइन 4.63 फीसदी टूटकर 86,440 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। इसका मार्केट कैप 1.72 ट्रिलियन डॉलर तक सिमट गया, जबकि 24 घंटे का ट्रेडिंग वॉल्यूम 40 फीसदी से अधिक उछलकर 52.4 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया।

तकनीकी विश्लेषण में बिटकॉइन का 90,954 डॉलर का सपोर्ट लेवल टूटना गिरावट को और गहरा कर गया है। विशेषज्ञ इस बात पर नजर बनाए हुए हैं कि क्या लिक्विडेशंस बिटकॉइन को अक्टूबर के 80,659 डॉलर के निचले स्तर की ओर धकेल सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीआईआई ने बजट में रखी हरित वित्त और सर्कुलर इकोनॉमी सुधार की मांग

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार से आगामी बजट में हरित परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध वित्तीय संस्थान (जीएफआई) स्थापित करने की मांग की है। सीआईआई के अनुसार अगले 10-15 वर्षों में हरित परियोजनाओं के लिए लगभग 1 लाख करोड़ रुपए और 2070 तक 10 लाख करोड़ डॉलर का निवेश अंतर होगा। मौजूदा हरित वित्त केवल आवश्यकता का एक चौथाई पूरा कर पा रही है। सीआईआई ने कहा कि यह संस्था मध्यस्थ के रूप में काम करेगी, जिसमें बहुपक्षीय बैंक, सॉवरिन फंड और परोपकारी संस्थाएं शामिल होंगी और कोई प्रत्यक्ष सरकारी व्यय नहीं होगा। इसे गिफट सिटी में स्थापित करने की सिफारिश की गई है। यह रियायती वित्त, क्रेडिट गारंटी, इक्विटी समर्थन और छोटे हरित एसेट्स के प्रतिभूतिकरण जैसी सुविधाएं प्रदान करेगी। सीआईआई ने चेतावनी दी कि ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में खनिज आयात निर्भरता बढ़ रही है। बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए अनिवार्य रीसाइक्लिंग, शहरी खनन लक्ष्य और स्क्रैप निर्यात पर प्रमाणन लागू करने की सिफारिश की गई है।

कमर्शियल सिलेंडर 10 रुपये हुआ सस्ता, नई दरें लागू

नई दिल्ली। साल के आखिरी महीने के पहले दिन राहत देने वाली खबर है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 10 रुपये तक की कटौती की है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल गैस की नई दरें सोमवार से प्रभावी हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, कमर्शियल गैस के दाम में इस कटौती के साथ ही नई दिल्ली में अब 19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत घटकर 1580.50 रुपये हो गई है, जो पहले 1590.50 रुपये प्रति सिलेंडर थी। कोलकाता में अब कमर्शियल गैस सिलेंडर 1694 रुपये से घटकर 1684 रुपये में मिलेगा। वहीं, मुंबई में इसकी कीमत 1542 रुपये से घटकर 1531.50 रुपये पर पहुंच गई है, जबकि चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर के दाम 1750 रुपये से कम होकर 1739.50 रुपये हो गई है। उल्लेखनीय है कि घरेलू रसोई गैस के दाम में कोई बदलाव तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने नहीं किया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 853 रुपये ही है। मुंबई में यह 852.50 रुपये, लखनऊ में 890.50 रुपये प्रति सिलेंडर, करगिल में 985.50 रुपये, पुलवामा में 969 रुपये और बागेश्वर में 890.50 रुपये में मिल रहा है।

दूरसंचार विभाग के नए ओटीटी नियम यूजर्स और कारोबारों के लिए चुनौती

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने हाल ही में निर्देश जारी किया है कि सभी ओवर-द-टॉप (ओटीटी)मैसेजिंग सर्विस जैसे व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नल के अकाउंट अब वर्तमान सिम कार्ड और डिवाइस से अनिवार्य रूप से जुड़े रहेंगे। इसका उद्देश्य साइबर सुरक्षा बढ़ाना और विदेशी या अनधिकृत उपयोग को रोकना है। उद्योग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि यह बदलाव भारत में ओटीटी ऐप्स के काम करने के तरीके में संरचनात्मक बदलाव लाएगा। छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए यह विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि उनके कई बिजनेस अकाउंट्स अचानक लॉग आउट हो सकते हैं। इससे कारोबार की दिनचर्या और ग्राहक सेवा प्रभावित हो सकती है। नीति विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि इन निर्देशों को जारी करने से पहले कोई सार्वजनिक सलाह-मशविरा नहीं किया गया। नए नियमों का उद्देश्य स्कैम और अनधिकृत उपयोग रोकना है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इसका प्रभाव सीमित रहेगा। स्कैमर अब भी सिम स्पूफिंग और सोशल इंजीनियरिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसलिए यह कदम केवल स्कैमर के छोटे हिस्से को ही निशाना बना पाएगा।

जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद कई कारें हुई और भी अधिक सस्ती

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

देश में जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद कई सस्ती कारों की कीमत और कम हो गई। इनमें मारुति के तीन मॉडल और टाटा व रेनो के एक-एक मॉडल शामिल हैं। मारुति एस-प्रेसो 998सीसी इंजन के साथ आती है, जो 58.33 बीएचपी और 78 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसमें मैनुअल ट्रांसमिशन, मल्टी फंक्शन स्टीयरिंग, टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट, डुअल एयरबैग और एयरकंडीशनर जैसे फीचर्स मिलते हैं। कीमत 3.50 लाख से 5.25 लाख रुपए तक है। मारुति ऑल्टो 800 में 0.8-लीटर बीएस6 इंजन है, जो 41 पीएस पावर और 60 एनएम टॉर्क देता है। इसमें 7-इंच टचस्क्रीन, कीलैस एंट्री, 6 एयरबैग, रियर पार्किंग सेंसर और एबीएस प्लस ईबीडी जैसे फीचर्स हैं। कीमत 3.69 लाख से 5.45 लाख रुपए तक है। रेनो क्विड 999सीसी इंजन के साथ आती है, जो 68 बीएचपी और 91 एनएम टॉर्क देती है। इसमें 8-इंच टचस्क्रीन मीडिया एनएवी, 14 प्लस सेफ्टी फीचर्स, ईएसपी, ट्रैक्शन कंट्रोल, एचएसए और टीपीएमएस मिलते हैं। कीमत 4.30 लाख से 5.90 लाख रुपए तक है। टाटा टियागो में 1.2 लीटर रेवोट्रॉन इंजन है, जो 84 बीएचपी और 115 एनएम टॉर्क देता है। इसमें 7-इंच टचस्क्रीन, ऑटो क्लाइमेट कंट्रोल, 8-स्पीकर साउंड सिस्टम और 4-स्पार एनकैप क्रैश रेटिंग है। कीमत 4.57 लाख से 7.82 लाख रुपए तक है। मारुति सेलेरियो के10सी 1.0-लीटर इंजन के साथ आती है, जो 66एचपी और 89 एनएम टॉर्क देती है। इसमें डुअल एयरबैग, एबीएस प्लस ईबीडी, हिल होल्ड और 12 सेफ्टी फीचर्स हैं। कीमत 4.70 लाख से 6.73 लाख रुपए तक है।

ह्यूंदै क्रेटा की अक्टूबर महीने में बिकीं 18,381 यूनिट

नई दिल्ली। कॉम्पैक्ट एसयूवी हुंडई क्रेटा की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। इसकी बीते अक्टूबर महीने में 18,381 यूनिट बिकीं। बीते जनवरी महीने से अक्टूबर 2025 तक क्रेटा को 1.70 लाख से ज्यादा ग्राहक खरीद चुके हैं। बिक्री के मामले में यह टाटा नेक्सन, मारुति ब्रेजा, ग्रैंड विटारा, होंडा एलिवेट, किआ सेल्टोस और टाटा पंच जैसे मॉडलों को पीछे छोड़ती आ रही है। भारतीय बाजार में इसकी शुरुआती कीमत 10.73 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। बिक्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी में 18,522 यूनिट, फरवरी में 16,317, मार्च में 18,059, अप्रैल में 17,016, मई में 14,860, जून में 15,786, जुलाई में 16,898, अगस्त में 15,924, सितंबर में 18,861 और अक्टूबर में 18,381 यूनिट बिकीं। इस तरह कुल बिक्री 170,624 यूनिट तक पहुंच गई। यानी औसतन हर महीने 17,062 यूनिट बिकीं। यदि नवंबर और दिसंबर में मिलाकर क्रेटा 30,000 यूनिट का आंकड़ा पार कर लेती है, तो यह एसयूवी इस साल 2 लाख यूनिट बिक्री के रिकॉर्ड तक पहुंच जाएगी। फीचर्स की बात करें तो क्रेटा में लेवल-2 अडास और 70 एडवांस्ड फीचर्स का विकल्प दिया गया है। इसे 7 वैरिएंट—ई, ईएक्स, एस, एस(ओ), एसएक्स, एसएक्स टेक और एसएक्स(ओ) में पेश किया गया है। हुंडई क्रेटा का मुकाबला एमजी एस्टर, मारुति ग्रैंड विटारा, टोयोटा हाइराइडर, स्कोडा कुशाक, वीडब्ल्यू ताइगुन और सिट्रोन सी 3 एयरक्रॉस जैसे मॉडलों से होता है, लेकिन बिक्री में यह अभी भी अव्वल बनी हुई है। बेस मॉडल ई में एलईडी डीआरएलएस, प्रोजेक्टर हेडलैंप, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, मैनुअल एसी, यूएसबी पोर्ट्स, सभी पावर विंडोज, रियर एसी वेंट और फैब्रिक सीटें जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक में रेपो दर यथावत रहने की संभावना

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) 3 से 5 दिसंबर को बैठक कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इस बैठक में रेपो दर में बदलाव की संभावना कम है। मौद्रिक नीति का रुख तटस्थ लेकिन नरम रहने की उम्मीद है। जून में 50 आधार अंक की कटौती के बाद दो बैठकों में दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

आरबीआई की एमपीसी की बैठक 3 से 5 दिसंबर तक

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी के मजबूत आंकड़े दर यथावत रखने का कारण बन सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि दर में कोई कटौती अब संभव नहीं दिख रही है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने भी कहा कि मौजूदा स्थिति बनाए रखना उचित है, क्योंकि ढील देने की गुंजाइश कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई को दर कम करने के बजाय बैंकिंग तंत्र में तरलता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

ओपन मार्केट ऑपरेशन के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली को चौथी तिमाही में संभावित तरलता समर्थन मिल सकता है। ऋण-जमा अनुपात ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर के करीब है, इसलिए बैंकिंग प्रणाली को पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराना जरूरी है।

अधिकांश अर्थशास्त्रियों के अनुसार मौजूदा कटौती चक्र में टर्मिनल दर 5.25-5.5 फीसदी के बीच रहने की उम्मीद है। आरबीआई अप्रैल से पहले कोई दर कटौती नहीं करेगा, हालांकि फरवरी में यह संभव हो सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एसआईआर पर बवाल...

हर सदस्य के अधिकारों की रक्षा की जाएगी, लेकिन उस लक्ष्मण रेखा के भीतर ही। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की विपक्ष की मांग पर विचार कर रही है और इस मांग को खारिज नहीं किया गया है। वहीं विपक्ष ने इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा नहीं कराए जाने पर सदन से बहिर्गमन किया। उच्च सदन में विपक्ष की इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग पर रीजीजू ने विपक्ष से कहा कि वह एसआईआर, चुनाव सुधारों पर चर्चा के समय के लिए कोई शर्त नहीं रखे। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने सोमवार को सभापति सी.पी. राधाकृष्णन से मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया पर चर्चा कराने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि वह राज्य सभा के संरक्षक हैं।राज्यसभा में सोमवार को प्रधानमंत्री, सदन के नेता, नेता प्रतिपक्ष सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने नये सभापति सी पी राधाकृष्णन को यह दायित्व संभालने के लिए बधाई देते हुए उम्मीद जतायी कि सांसद के रूप में उनके अनुभव से सदन के कुशल संचालन में मदद मिलेगी। कई दलों के सदस्यों ने सदन के सभी पक्षों को बोलने का समान अवसर देने का अनुरोध किया। राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से उठकर सी. पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रदर्शित करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनका अनुभव और मार्गदर्शन उच्च सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहायक होगा। राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए सदन के नेता जे पी नड्डा ने उम्मीद जतायी वह संसद के उच्च सदन का कुशलतापूर्वक संचालन करेंगे। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस ङ्कङ्कसंवैधानिक मूल्यों और सदन की परंपराओंफ्फ के साथ दृढ़ता से खड़ी है और कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करेगी।

नया कानून...

लोन की भरपाई हो सके।

गत 22 सितंबर से जीएसटी का दूसरा वर्जन लागू किया गया जिसके तहत अब सिर्फ तंबाकू, पान मसाला जैसे हानिकारक आईटम पर ही क्षतिपूर्ति सेस वसूला जा रहा है। अगले साल मार्च तक लोन खत्म होने पर कानूनी रूप से इन आईटम पर भी क्षतिपूर्ति सेस नहीं लिया जा सकेगा। यह कानून सेंट्रल एक्साइज एक्ट 1944 की जगह लेगा। पुराने कानून में सिगार पर 12 प्रतिशत या प्रति 1000 पीस पर 4006 रुपए का टैक्स (जो भी अधिक हो) लगता है।अब यह 25 प्रतिशत या 5000 रुपए (जो भी अधिक हो) कर दिया जाएगा। 65 एमएम की सिगरेट पर अभी प्रति 1000 पीस पर 440 रुपए का टैक्स लगता है। अब इसे बढ़ाकर 3000 रुपए कर दिया जाएगा। 65 एमएम से बड़ी और 70 एमएम से छोटी फिल्टर सिगरेट पर प्रति 1000 पीस पर 440 रुपए की जगह 5200 रुपए तो 70 एमएम से बड़ी सिगरेट पर 545 रुपए प्रति 1000 की जगह 7000 रुपए टैक्स लेने का प्रस्ताव है।अभी तंबाकू, पान मसाला जैसे आइटम जीएसटी और एक्साइज दोनों टैक्स के दायरे में आते हैं। क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद इन आइटम पर टैक्स कम हो जाएगा। इसकी पूर्ति के साथ इन आइटम पर और टैक्स बोझ डालने के लिए सरकार एक्साइज संशोधन व स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा सेस कानून ला रही है। सितंबर में जीएसटी की नई दरों के तहत 28 प्रतिशत के स्लैब को समाप्त कर दिया और उसकी जगह 40 प्रतिशत का स्लैब लाया गया।

लेकिन तंबाकू, पान मसाला पर अभी 28 प्रतिशत जीएसटी ही लिया जा रहा है। इसे 40 प्रतिशत के स्लैब में कब डाला जाएगा, इस पर जीएसटी काउंसिल की चैयरमैन वित्त मंत्री फैसला लेंगी।दूसरा, स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा के तहत सेस अब मशीन की उत्पादन क्षमता पर लगेगी। अभी सेस उत्पादन पर लगता है, लेकिन अब मशीन की उत्पादन क्षमता अगर 100 यूनिट है और उत्पादन 50 यूनिट ही हो रहा है तो भी सेस 100 यूनिट पर ही लगेगा। एक्साइज ड्यूटी में बढ़ोतरी से राज्यों को भी फायदा होगा क्योंकि केंद्र के इस राजस्व में राज्य का भी हिस्सा होता है।

भगोड़े आर्थिक ...

इस सूची में विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि इन 15 भगोड़े आर्थिक अपराधियों (ऋग्ज) ने सामूहिक रूप से 31 अक्टूबर, 2025 तक बैंकों को 26,645 करोड़ रुपये का मूल वित्तीय नुकसान पहुँचाया है। इसके अलावा, इन ऋणों पर एनपीए बनने की तिथि से 31 अक्टूबर, 2025 तक अर्जित ब्याज 31,437 करोड़ रुपये है।चौधरी ने सदन को बताया कि 31 अक्टूबर, 2025 तक इन अपराधियों से 19,187 करोड़ रुपये वसूल किए जा चुके हैं। घोषित भगोड़े आर्थिक अपराधियों के नाम हैं: विजय माल्या, नीरव मोदी, नितिन जे संदेसरा, चेतन जे संदेसरा, दीप्ति सी संदेसरा, सुदर्शन वेंकटरमन, रामानुजम शेषरत्नम, पुष्पेश कुमार बैद और हितेश कुमार नरेंद्रभाई पटेल। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार ऐसी कोई नीति बना रही है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि ऐसे अपराधियों को भविष्य में कानूनी प्रतिबंधों या निगरानी सूची के माध्यम से देश छोड़ने से रोका जा सके, पंकज चौधरी ने कहा कि वर्तमान में ऐसी कोई नीति तैयार नहीं की जा रही है।

सरकार ने माना...

सिस्टम में खराबी सुबह 9 बजे आई थी। रात करीब साढ़े 9 बजे ठीक हुई थी। हालांकि गुरुवार शाम को भी शिकायत मिली थीं।

एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने शुक्रवार शाम 8:45 बजे बताया था कि मैसेज स्विच ससिस्टम एक्टिव है और अब ठीक से काम कर रहा है। सिस्टम ग्लिच के कारण दिनभर पैसेंजर्स एयरपोर्ट पर परेशान होते रहे थे।बोर्डिंग गेट के पास लंबी कतारें लगी थीं। उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के अनुसार सभी फ्लाइट में एवरेज 50 मिनट की देरी हुई थी।दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट लेट होने का असर मुंबई, भोपाल, चंड़ीगढ़, अमृतसर समेत देशभर के कई एयरपोर्ट्स पर भी दिखा था। दिल्ली से वहां आने-जाने वाली फ्लाइट भी लेट हुईं थीं।

इंडिगो, एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और अकासा एयरलाइंस ने दिनभर उड़ानों की जानकारी दी थी।

भारत की चुनाव...

को मान्यता देती है। यही कारण है कि अपने 30 साल के इतिहास में पहली बार संगठन के 37 लोकतांत्रिक देशों के समूह ने भारत को अध्यक्षता के लिए चुना है। उन्होंने इसे भारत के नागरिकों और सभी चुनाव अधिकारियों के लिए अत्यंत गर्व का क्षण बताया।

मुख्य चुनाव आयुक्त 3 दिसंबर 2026 को स्टॉकहोम, स्वीडन में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए औपचारिक रूप से इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस के अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे। वर्तमान में इस संगठन में 37 लोकतांत्रिक देश शामिल हैं। इस संस्था की स्थापना 1995 में हुई थी।इंटरनेशनल खूएअ एक अंतर-सरकारी निकाय है जिसके 35 सदस्य देश हैं, जबकि अमेरिका और जापान पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेते हैं। वर्ष 2003 में इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा में पर्यवेक्षक का दर्जा प्रदान किया गया था।

भाजपा अध्यक्ष...

चुनाव पूरे हो चुके हैं और केवल उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में ही चुनाव अभी जारी हैं, ऐसे में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया निर्णायक चरण में पहुँच गई है। जनवरी 2026 तक नए पार्टी अध्यक्ष का चयन होने की उम्मीद है।पार्टी के एक वरिष्ठ सूत्र ने संकेत दिया कि 14 जनवरी के बाद, जब हिंदू पंचांग में अशुभ माने जाने वाले खरमास का समापन होगा और शुभ चरण शुरू होगा, प्रक्रिया में तेज़ी आएगी। भाजपा के एक शीर्ष पदाधिकारी ने कहा, ङ्कङ्कसभी तैयारियाँ और प्रक्रियाएँ राज्यों में संगठनात्मक चुनावों के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ रही हैं, और नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जनवरी 2026 तक होने की उम्मीद है।ङ्कङ्क उन्होंने आगे कहा कि चुनावों के लिए निर्वाचक मंडलों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 29 राज्य इकाइयों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हैं, जबकि उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में औपचारिकताएँ अभी भी जारी हैं।इस बीच, भगवा हलकों में मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, जो वर्तमान में सेवा विस्तार पर हैं, के उत्तराधिकारी के रूप में तीन नाम चर्चा में हैं। एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने शुक्रवार को बताया, ङ्कङ्कउत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और शिवराज सिंह चौहान उन प्रमुख नामों में शामिल हैं जिन पर चर्चा हो रही है।ङ्कङ्क इनमें से, आरएसएस और अमित शाह, दोनों के करीबी माने जाने वाले मौर्य और बिहार चुनाव अभियान के दौरान चुनाव प्रभारी रहे प्रधान, सबसे प्रमुख दावेदारों में उभरे हैं।

सेना और बीएसएफ...

इन इनपुट्स को बेहद गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर और आसपास के इलाकों में सेना के मोशन-सेंसर्स, निगरानी ड्रोन और इडऋ की विशेष इकाइयों की तैनाती बढ़ा दी है।

अधिकारियों का कहना है कि यह कदम किसी भी घुसपैठ, स्लीपर सेल मूवमेंट या सीमा पार गतिविधियों को रोकने के लिए एहतियाती तौर पर उठाया गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

एनएमडीसी का नवंबर माह का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

वित्त वर्ष 26 में संचयी उत्पादन 21% और बिक्री 9% बढ़ी
उत्पादन व बिक्री में नया रिकॉर्ड
नवंबर में 11% उत्पादन और 4% बिक्री की वृद्धि

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की सबसे बड़ी लौह-अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी ने नवंबर 2025 के साथ-साथ पूरे वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-नवंबर अवधि) में अब तक का सर्वोच्च प्रचालन प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी के अनुसार, उत्पादन और बिक्री दोनों ही नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं, जो मजबूत वॉल्यूम वृद्धि, बेहतर प्रचालन प्रबंधन और आपूर्ति-श्रृंखला की मजबूती को दर्शाता है।

नवंबर 2025 में कंपनी का प्रदर्शन अब तक के किसी भी नवंबर माह की तुलना में सर्वश्रेष्ठ रहा।

उत्पादन 5.01 मिलियन टन, जो पिछले वर्ष के 4.51 मिलियन टन से 11% अधिक है।

बिक्री 4.17 मिलियन टन, जो पिछले वर्ष के 4.0 मिलियन टन से 4% अधिक है।

मासिक उत्पादन लक्ष्य को भी 1% से पार कर लिया गया, जो खनन क्षमता के कुशल उपयोग का संकेत है।

वित्तवर्ष 2025-26 में अप्रैल से नवंबर की अवधि में:

कुल उत्पादन 31.48 मिलियन टन, वर्ष-दर-वर्ष 21% वृद्धि।

कुल बिक्री 30.28 मिलियन टन, वर्ष-दर-वर्ष 9% वृद्धि।

एनएमडीसी की तीनों उत्पादन इकाइयों ने सामूहिक रूप से सर्वोच्च उत्पादन दर्ज किया, जिससे कंपनी का समग्र प्रदर्शन और अधिक मजबूत हुआ है।

एनएमडीसी के सीएमडी श्री अमिताभ मुखर्जी का वक्तव्य उन्होंने इस उपलब्धि पर कहा कि नवंबर माह और इस वर्ष अब तक एनएमडीसी का प्रदर्शन हमारे मजबूत प्रचालन प्रबंध, दक्षता सुधार और गुणवत्तापूर्ण लौह अयस्क की विश्वसनीय आपूर्ति को दर्शाता है। हम अपने हितधारकों को निरंतर मूल्य-संवर्धन प्रदान करने के साथ भारत के इस्पात क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एक नवरत्न सीपीएसई और इस्पात मंत्रालय के तहत कार्यरत सार्वजनिक उपक्रम के रूप में, एनएमडीसी घरेलू मांग में स्थिरता और खनन उत्पादकता बढ़ाने के लिए कई रणनीतिक कदम उठा रहा है। कंपनी प्रतिस्पर्धी लागत पर उच्च उत्पादकता लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा एएसटी सुपर सिंगर्स पोस्टर का लोकार्पण

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से आयोजित होने वाले 'एएसटी सुपर सिंगर्स' कार्यक्रम के पोस्टर का भव्य लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रमुख पदाधिकारी एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।पोस्टर लोकार्पण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से- अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल, मानद मंत्री विकाश कुमार केशान, कार्यक्रम के चेयरमैन डॉ. दिलीप पसारी, साथ ही आयोजन समिति के सदस्य- महेंद्र अग्रवाल, दिनेश चंद्र अग्रवाल, अशोक जिंदल, पंकज संघी, मुकेश अग्रवाल आदि भी मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज के प्रतिभाशाली गायकों को मंच देने का प्रयास है, जिससे नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

जीवन का वास्तविक मार्गदर्शन देती है श्रीमद्भगवद् गीता : रामप्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास गीता जयंती के पावन अवसर पर भव्य एवं भावपूर्ण अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही श्रद्धा, दिव्यता और सेवा-भाव का वातावरण महसूस किया जा सकता था।इस अवसर पर संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल ने गीता के अमर संदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीमद्भगवद् गीता मानव जीवन की वह दिव्य दिशा है, जो भ्रम, दुख, मोह और चुनौतियों के अंधकार में भी मनुष्य का हाथ पकड़कर सत्य, कर्तव्य और आत्मविश्वास के मार्ग पर आगे बढ़ाती है।उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवन की आपाधापी, तनाव और मानसिक अशांति के दौर में गीता का ज्ञान मन के लिए शीतल छाया की तरह है।गीता सिखाती है कि कर्म किए बिना फल की चिंता न करो,असफलताओं में धैर्य रखो,मन को स्थिर रखो और सेवा को ईश्वर की उपासना मानकर चलो।अग्रवाल ने बताया कि गीता जयंती पर अन्नदान इसलिए विशेष है क्योंकि गीता का संदेश ही मानवता, करुणा और निःस्वार्थ सेवा की राह दिखाता है। जरूरतमंदों को अन्न प्रदान करना उस दिव्य शिक्षा को कर्म में ढालने का श्रेष्ठ माध्यम है।उन्होंने कहा कि भोजन केवल पेट नहीं भरता, बल्कि प्राप्तकर्ता के हृदय में आशा और आशीर्वाद का प्रकाश भी जगाता है। यही गीता का वास्तविक भाव हैसेवा ही श्रेष्ठ साधना और मानवता ही सच्चा धर्म।राधे राधे ग्रुप के सदस्यों ने बड़ी विनम्रता और प्रेम से भोजन वितरित किया। सभी उपस्थित लोगों ने इस पावन अवसर पर गीता के उपदेशों को अपने जीवन में उतारने और सेवा की भावना को लगातार आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

आज की सेवा अनीता नथानी की जन्म दिवस के अवसर पर श्री लोकेश जी नथानी और परिवार की ओर से की गई। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता, जय प्रकाश सारडा, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल,रवि शर्मा, उमाकांत गुप्ता, संदीप अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राजेश नथानी, अनीता नथानी, ई जगन चंपापेट,कैलाश चंद्र केडिया, निर्मला केडिया, संजय गोयल, किरण गोयल, गोपाल गोयल राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बावलिया बाबा की 113वीं पुण्यतिथि पर भजन संध्या 28 को

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बावलिया बाबा की 113वीं पुण्यतिथि इस वर्ष 28 दिसंबर, रविवार को बेगम बाजार, चूड़ी बाजार स्थित श्री खेमदास मठ में सायं 7:00 बजे से भजन–कीर्तन सहित भव्य रूप से मनाई जाएगी। संस्था के ट्रस्टी शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बावलिया बाबा, पंडित श्री गणेश नारायण जी की पुण्यतिथि बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ आयोजित की जा रही है।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति तथा अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष मनीष अग्रवाल होंगे।ट्रस्टी विकास मोदी ने बताया कि पुण्यतिथि अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायक संजय दायमा अपनी मधुर आवाज़ में भजन प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में आने वाले सभी भक्तों के लिए प्रसादी एवं रात्रि भोज की विशेष व्यवस्था भी की जाएगी।

बेगम बाजार, चूड़ी बाजार स्थित श्री खेमदास मठ में महासर माता, पंडित गणेश नारायणजी, अग्रसेनजी महाराज, हरिपुरुषजी महाराज, खेमदासजी महाराज और बालकदासजी महाराज की मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियाँ ज़ोरों पर चल रही हैं।

यह विशाल मंदिर लगभग 5000 वर्ग फीट क्षेत्र में बनाया जा रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम रसोई (प्रसाद भोजनालय) हॉल, जो लगभग 2500 वर्ग फीट का होगा, भी तैयार किया जा रहा है।यहाँ स्थित 500 वर्ष प्राचीन चमत्कारी बालाजी मंदिर इस परिसर की विशेष पहचान है। मंदिर निर्माण का कार्य श्री गणेश फाउंडेशन और श्री महासर माता भक्त मंडल के नेतृत्व में किया जा रहा है। सभी मंदिर मकराना के पत्थरों से शिल्पकला के साथ निर्मित किए जा रहे हैं।

मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय भव्य उत्सव बसंत पंचमी, 19 जनवरी से 23 जनवरी 2026 तक आयोजित होगा।19 जनवरी 2026 को प्रातः भव्य कलश यात्रा, ध्वज, घोड़ा, बग्गी, भजन–कीर्तन आदि के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी।

इसके उपरांत प्रतिदिन यज्ञ, पूजा, प्रसादी एवं भजन–कीर्तन कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें देश के विभिन्न प्रांतों से भजन गायकों की सहभागिता रहेगी।

पूजा एवं यज्ञ कार्यक्रम श्री मठाधिपति डॉ. मनुदास जी महाराज एवं वेदाचार्य सुनील महाराज (सोनू महाराज) के सान्निध्य में संपन्न होंगे। देशभर से अनेक संत–महात्माओं के उपस्थित रहने की संभावना है।प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए संयोजक मंडल का गठन किया गया है। संस्था ने बताया कि जो भी भक्तजन सेवा करना चाहते हैं, वे किसी भी संयोजक से संपर्क कर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।कार्यक्रम में शशिकांत अग्रवाल, विकास मोदी, शिशिर केडिया, आशीष निमाणी, विकास केडिया, अमित मोदी, गोपाल भालोठिया, कृष्ण केडिया आदि उपस्थित रहे।

कपड़ा व्यापार संघों के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने डीसीपी दक्षिण जोन से की भेंट

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दि हैदराबाद कट पीस क्लॉथ मार्केट एसोसिएशन एवं हैदराबाद व्होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण ज़ोन के डीसीपी श्री किरण खरे प्रभाकर (खझड) से सौजन्य भेंट की। इस मुलाक़ात का उद्देश्य बाजार क्षेत्र की सुरक्षा, व्यावसायिक सुविधाओं और भविष्य की रूपरेखा पर सार्थक चर्चा करना रहा।बैठक के दौरान बाज़ार क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने, व्यापारिक गतिविधियों को सुगम बनाने, दुकानदारों की मौजूदा समस्याओं और

उनके समाधान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। डीसीपी श्री किरण खरे प्रभाकर ने दोनों संघों के सुझावों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए आवश्यक कार्यवाही और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।बैठक में उपस्थित सदस्य - हैदराबाद व्होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन, अशोक बंसल, उपाध्यक्ष, पुरुषोत्तम अग्रवाल, सचिव, टी. सुनील कुमार, कोषाध्यक्ष, दी हैदराबाद कट पीस क्लॉथ मार्केट एसोसिएशन, बलकिशन अग्रवाल, अध्यक्ष, सुनील अग्रवाल, सचिव, अचल गुप्ता, संयुक्त सचिव, प्रतिनिधिमंडल ने डीसीपी श्री किरण खरे प्रभाकर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सकारात्मक सोच, संवेदनशील पहल और मार्गदर्शन से व्यापारिक समुदाय को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा तथा बाज़ार क्षेत्र में समन्वय और सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर होगी।

स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर रसूलपुरा में गीता पाठ का शंखनाद

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रसूलपुरा स्थित श्री स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर में 1/12/2025 को गांधियन स्कूल पिकेट के विद्यार्थियों द्वारा गीता जयंती के पावन अवसर पर दिव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर 75 बच्चों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों से युक्त श्रीमद्भगवद्गीता के पवित्र श्लोकों का सामूहिक पाठ किया गया।

गीता जयंती के शुभ अवसर पर अग्रवाल समाज एवं माहेश्वरी समाज के आत्मीयजनों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

मंदिर में पूरे समय आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। मंदिर के मुख्य कोठारी स्वामी श्री आत्म चिंतन दास जी तथा विमल मुनिजी ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गांधियन स्कूल की शिक्षिकाओं एवं स्वामीनारायण की महिला मंडली ने कार्यक्रम को अत्यंत सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया।कार्यक्रम का समापन सामूहिक आरती एवं महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसमें बच्चों, समाजजनों तथा उपस्थित श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

अपर्णा गर्ग ने रेलवे बोर्ड के सदस्य (वित्त) का अतिरिक्त प्रभार संभाला

नई दिल्ली: 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेल लेखा सेवा (IRAS) की 1987 बैच की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती अपर्णा गर्ग ने आज रेलवे बोर्ड में सदस्य (वित्त) एल/ए (लीव/अतिरिक्त प्रभार) का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया है।

श्रीमती गर्ग वर्तमान में सिकंदराबाद स्थित इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट की महानिदेशक का पद भी संभाल रही हैं। 36 वर्षों से अधिक की सेवा के साथ, वह भारत सरकार के सबसे वरिष्ठ सिविल सेवकों में से एक हैं।श्रीमती गर्ग ने अपने करियर के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें- मंडल रेल प्रबंधक, मैसूर, प्रधान वित्त सलाहकार, रेल व्हील फैक्ट्री, महानिदेशक, आईआरआईएफएम, शैक्षणिक योग्यता और प्रशिक्षण शामिल हैं।श्रीमती गर्ग एक प्रतिष्ठित चेवेनिंग फेलो हैं।

उनके पास यू.के. की लीड्स विश्वविद्यालय से परिवहन अर्थशास्त्र में एडवांस्ड मास्टर डिग्री है।

उन्होंने बोकोनी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (मिलान), आईएनसीईएडी (सिंगापुर), और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (हैदराबाद) जैसे प्रमुख संस्थानों से कार्यकारी प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।श्रीमती गर्ग का यह अतिरिक्त प्रभार रेलवे बोर्ड के वित्तीय प्रबंधन और नीति-निर्माण में उनके व्यापक अनुभव का लाभ उठाएगा।

मोक्षदा एकादशी एवं गीता जयंती पर श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय में वेद मंत्र घोष व गीता पारायण सम्पन्न

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गायत्री वेद फाउंडेशन द्वारा संचालित श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय में मोक्षदा एकादशी एवं गीता जयंती के पावन अवसर पर वेद मंत्र घोष के साथ श्रीमद्भगवद्गीता के मूल पाठ का पारायण विधिवत रूप से किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित फाउंडेशन के अध्यक्ष श्रीमान पुरुषोत्तम लाला जी महाराज ने छात्रों को

संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानव जीवन का मार्गदर्शन प्रदान करने वाला दिव्य उपदेश है।

उन्होंने कहा कि महाभारत युद्ध के समय जब अर्जुन संशय और संकट की स्थिति में थे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें जीवन, कर्म, भक्ति और ज्ञान का सर्वोच्च उपदेश दिया, जो आज भी हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायी है।

मौके पर फाउंडेशन के महासचिव पंडित आचार्य विशेष, ट्रस्टी एडवोकेट सुरेन्द्र सिंह चौधरी, हरि गोविंद प्रसाद, एडवोकेट संजय अग्रवाल, प्रदीप रेड्डी, पंडित आशीष शर्मा, पंडित अक्षय शर्मा, वेद विद्यालय के प्रधानाध्यापक वेदमूर्ति पंडित श्री आदित्य पाठक, अध्यापक वेदमूर्ति पंडित श्री रंजन पाण्डेय तथा समस्त छात्रगण उपस्थित रहे।

शामिरपेट पुलिस स्टेशन को राष्ट्रीय रैंकिंग में बड़ा सम्मान

तेलंगाना में प्रथम, देशभर में सातवां स्थान

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गृह मंत्रालय द्वारा जारी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पुलिस स्टेशनों की वार्षिक राष्ट्रीय सूची में साइबराबाद के शमीरपेट पुलिस स्टेशन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देशभर में 7वां और तेलंगाना में पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि पुलिस स्टेशन की कार्यशैली, तत्परता और नागरिक-हितैषी दृष्टिकोण को दर्शाती है।सूची जारी करते समय गृह मंत्रालय ने बताया कि रैंकिंग समग्र प्रदर्शन, शिकायतों के निवारण की गुणवत्ता, समयबद्ध कार्रवाई, रिकॉर्ड रखरखाव, स्वच्छता, भवन-निर्माण व्यवस्था, कर्मचारियों के आचरण और सीसीटीएनएस संचालन की दक्षता जैसे मानकों के आधार पर की गई।साइबराबाद कमिश्नरेट के सभी पुलिस स्टेशनों में शमीरपेट ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर मेडचल डीसीपी कोटि रेड्डी, एडिशनल डीसीपी पुरुषोत्तम, एसीपी बालागंगीरेड्डी और इंस्पेक्टर श्रीनाथ सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने पूरे स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि एक बार का सम्मान नहीं, बल्कि निरंतर अन-ुशासन और सेवा-भाव का परिणाम है।शमीरपेट पुलिस स्टेशन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शमीरपेट, सिकंदराबाद के पास मुख्य सड़क पर स्थित है और क्षेत्र में प्रभावी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जाना जाता है।इसी क्रम में, दिल्ली के गाजीपुर पुलिस स्टेशन को पुलिसिंग, अपराध नियंत्रण और सामुदायिक भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण 2025 का राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन घोषित किया गया है।

श्रीकिशन गुप्ता की स्मृति में हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने स्वर्गीय श्री श्रीकिशन जी गुप्ता की पुण्य स्मृति में श्रद्धापूर्वक अन्नदान सेवा संपन्न हुई।

मानव सेवा को सच्ची श्रद्धांजलि मानते हुए आज का यह पावन अन्नदान श्रीरामगोपाल श्रीकिशन जी गुप्ता परिवार, खोखरवाड़ी द्वारा समर्पित भाव से किया गया।सेवा स्थल पर भक्ति-भाव और करुणा की अनुभूति के साथ ज़रूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा संचालित नियमित अन्नदान सेवा समाज में मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ बनाते हुए सत्कर्मों की प्रेरणा दे रही है।इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल,महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, पन्नालाल, अनिल अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, मीना अग्रवाल,लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय आदि उपस्थित है।

कई दिनों बाद कव्वाल के जंगलों में दिखा बड़ा बाघ

वन ग्रामों में सतर्क रहने की चेतावनी

मंचेरियाल, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कव्वाल टाइगर रिज़र्व के जंगलों में स्थित इंदनपेली बीट में एक बड़ा बाघ कई दिनों के बाद फिर से दिखाई देने पर क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। जंगल से सटे गांवों के लोग बाघ की गतिविधियों से चिंतित हैं और सुरक्षा को लेकर सजग बने हुए हैं।

बाघ की यह गतिविधि नई नहीं है। यह 2016 में आदिलाबाद जिले के उत्नूर मंडल के बीरसाइपेट, 2018 में मंचेरियाल जिले के जन्नारम मंडल के इंदनपेली, 2021 में निर्मल जिले के काडेम मंडल के गंगापुर, 2022 में काडेम परियोजना और 2024 में जन्नारम मंडल के जु-व्विगुड़ा क्षेत्र में घूमता देखा गया था। वर्ष 2025 में भी तिरयानी वन क्षेत्र में इसके पैरों के निशान मिले थे। निवास स्थापित न कर पाने के कारण यह आगे बढ़ गया, लेकिन अब एक बार फिर इंदनपेली (उत्तर) बीट के निकट आम के एक बाग में दिखाई देने की पुष्टि हुई है।पांच दिन पहले इसने एक गाय पर हमला कर उसे मार दिया था। अधिकारियों का अनुमान है कि यह बाघ महाराष्ट्र के तिपेश्वर टाइगर रिज़र्व से जोड़ैघाट मार्ग होते हुए कव्वाल क्षेत्र में पहुँचा है।

वन कर्मचारी जंगल से सटे गांवों में जाकर ग्रामीणों को सतर्क रहने और अकेले जंगल में न जाने की सलाह दे रहे हैं।केंद्र सरकार ने 2012 में कव्वाल टाइगर रिज़र्व की स्थापना की थी। इसमें 892 वर्ग किमी को कोर एरिया, तथा 1123 वर्ग किमी को बफर ज़ोन के रूप में शामिल किया गया है।

यह पूरा क्षेत्र संयुक्त आदिलाबाद जिले में फैला हुआ है। बाघ के आवास को विकसित करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं।

तालाब और पोखर खोदे गए , सौर मोटरें स्थापित की गईं , बेस कैंप के कर्मचारियों के लिए आवासीय भवन बनाए गए, 1080 हेक्टेयर में शाकाहारी जीवों के लिए घास के मैदान विकसित किए जा रहे हैं।

जन्नारम एफडीओ राममोहन ने कहा कि बाघ के स्थायी निवास के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध करा दी गई हैं। उन्होंने कहा-हमें विश्वास है कि यहाँ आया बाघ यहीं रहेगा। सभी लोग सहयोग करें ताकि उसे कोई नुकसान न पहुँचे। जंगल के पास रहने वाले लोग सतर्क रहें और अकेले अंदर न जाएँ।

हैदराबादः भूमि रूपांतरण रोकने के लिए भाजपा ने राज्यपाल से हस्तक्षेप मांगा

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गवर्नर जिष्णु देव वर्मा से दखल देने की मांग की है ताकि कांग्रेस सरकार की उस कोशिश को रोका जा सके, जिसमें वह पॉलिसी सुधार की आड़ में हैदराबाद में 9,292 एकड़ कीमती ज़मीन एक नेता-रियल एस्टेट एजेंट को देने की कोशिश कर रही है। भाजपा नेताओं के एक डेलीगेशन ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव के नेतृत्व में सोमवार को राजभवन में गवर्नर से मुलाकात की और उन्हें हैदराबाद इंडस्ट्रियल लैंड्स ट्रांसफॉर्मेशन पॉलिसी (HILTP) के बारे में एक मेमोरेंडम सौंपा, जिसे राज्य सरकार आउटर रिंग रोड के अंदर और पास की इंडस्ट्रियल ज़मीन को प्रोडक्टिव और इंटीग्रेटेड शहरी जगहों में बदलने के लिए लाई है। 22 नवंबर को जारी सरकारी आदेश में कहा गया है कि 50 से 60 साल पहले बनी कई इंडस्ट्रीज़ अब चलने लायक नहीं रहीं या अलग-अलग वजहों से बंद हो गई हैं।

एक और वजह यह बताई गई है कि कुछ यूनिट्स प्रदूषण फैलाने वाली कैटेगरी में आती हैं और उन्हें दूसरी जगह ले जाने की ज़रूरत है। तेलंगाना उच् ने लोगों से सक्षम सरपंच चुनने की अपील की मेमोरेंडम में कहा गया है, पहली नज़र में यह पॉलिसी भले ही नुकसान न पहुँचाने वाली लगे, लेकिन ध्यान से देखने पर इसके इरादे, ट्रांसपेरेंसी और सरकारी खजाने को होने वाले नुकसान को लेकर गंभीर चिंताएँ सामने आती हैं। इस बात की बहुत ज़्यादा आशंका है कि सरकार के अंदर असरदार

लोगों ने सरकारी ज़मीन की दौलत को बड़े पैमाने पर प्राइवेट हाथों में ट्रांसफर करने की साज़िश रची है यह कथित घोटाला लगभग 5 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा का है।

गवर्नर से कहा गया कि अगर राज्य इन ज़मीनों को मार्केट वैल्यू पर बेचता है, तो इससे 6 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा मिलेंगे, जिससे तेलंगाना का पूरा सरकारी कर्ज़ चुकाया जा सकता है। इसके बजाय, सब-रजिस्ट्रार वैल्यू के सिर्फ़ 30 परसेंट पर कन्वर्ज़न की इजाज़त देकर, राज्य सरकार असल में प्राइवेट रियल्टर्स को बहुत कम दामों पर अच्छी ज़मीन खरीदने और उसका फ़ायदा उठाने में मदद कर रही है।44वीं तेलंगाना राज्य जूनियर अंतर-जिला खो-खो चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया इगझ को शक है कि यह प्राइवेट इंडस्ट्रियलिस्ट और रियल्टर्स को फ़ायदा पहुँचाने वाला एक तरह का लेन-देन का इंतज़ाम है।

इसमें HILTP को तुरंत सस्पेंड करने और हैदराबाद के लिए सही लैंड कन्वर्ज़न पॉलिसी की जांच करने और तय करने, प्रदूषण फैलाने वाली इंडस्ट्रीज़ की स्थिति का आकलन करने, प्रभावित यूनिट्स में अभी काम कर रहे वर्कर्स पर सामाजिक-आर्थिक असर का मूल्यांकन करने और इन ज़मीन के टुकड़ों की असली मार्केट वैल्यू तय करने के लिए एक रिटायर्ड हाई कोर्ट जज की अगुवाई में एक कमीशन बनाने की मांग की गई।

अनाज खाने से 40 भेड़ों की मौत, पीड़ित मालिकों की आँखों में आँसू

मंचेरियाल, 01 दिसम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
चेन्नूर मंडल में एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहाँ चरने गई भेड़ों ने धान खा लिया और देखते ही देखते 40 भेड़ों की मौत हो गई, जबकि 17 भेड़ें गंभीर रूप से बीमार हो गईं। जिन परिवारों की आजीविका का आधार यही भेड़ें थीं, उनकी स्थिति देखकर मौके पर मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो उठा।सुड्डाला गाँव के गणवेना पोचय्या, तुर्कापल्ली गाँव के बट्टी श्रीशैलम और अक्कला पोचय्या की भेड़ें जंगल की ओर चरने गई

थीं। रास्ते में पड़ा धान खा लेने से उनमें अचानक विषाक्तता फैल गई, जिसके चलते भारी संख्या में मौतें हो गईं। भेड़ मालिक रो-रोकर बस यही कह रहे थे- हे भगवान, हम कैसे जिंदा रहेंगे?जिला पशु चिकित्सा अधिकारी शंकर, असनाद और बूचड़खाने के पशु चिकित्सा अधिकारी श्रीनिवास और सतीश मौके पर पहुँचकर बीमार भेड़ों का उपचार कर रहे हैं।

साथ ही पैक्स अध्यक्ष चल्ला राम रेड्डी और यादव संगम नेता ईरला मल्लिकार्जुन ने भी पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर सांत्वना दी।भेड़ों की मौत से इन परिवारों का आर्थिक आधार पूरी तरह बर्बाद हो गया है, जिसके चलते वे सरकार से तत्काल सहायता की अपील कर रहे हैं।

गाँव के बीच से गुजर रहे सिंगरेनी ट्रकों को ग्रामीणों ने रोका

मंचेरियाल, 01 दिसम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कासिपेटा मंडल केंद्र में ग्रामीणों ने सिंगरेनी के ट्रकों को रोककर विरोध जताया। ग्रामीणों का आरोप है कि ये ट्रक टोल टैक्स से बचने के लिए निर्धारित मार्ग सोमागुडेम-कासिपेटा की बजाय मंदमरी से सीधे गाँव के बीचों-बीच गुजरते हुए कासिपेटा खदानों तक पहुँच रहे थे।

इससे गाँव की मुख्य सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। भारी वाहनों से उठने वाली धूल घरों पर जम रही है और बच्चों-बुजुर्गों में खांसी, एलर्जी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ बढ़ रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सिंगरेनी प्रबंधन की जिम्मेदारी होने के बावजूद न तो सड़कों की मरम्मत हो रही है और न ही ट्रकों से उड़ने वाली धूल पर नियंत्रण के लिए पानी का छिड़काव किया जा रहा था।

लोगों का कहना है कि उनके घर, दुकानें और आसपास के पौधे तक धूल की मोटी परत से ढँक जाते हैं। इससे नाराज़ ग्रामीणों ने मांग की कि जब तक सड़क को ठीक नहीं किया जाता और धूल रोकने के लिए नियमित पानी नहीं डाला जाता, तब तक ट्रकों की आवाजाही बंद की जाए।

ग्रामीणों के विरोध के बाद मौके पर पहुँचे ट्रक संचालकों ने तुरंत सड़क पर पानी डालकर धूल को नियंत्रित करने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो वे फिर से आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

मोबाइल में संचार साथी ऐप अनिवार्य करने के निर्देश को केसी वेणुगोपाल ने बताया असंवैधानिक

नयी दिल्ली, 01 दिसम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत सरकार के दूरसंचार विभाग ने मोबाइल हैंडसेट की असलियत जांचने के लिए फोन में संचार साथी ऐप पहले से इंस्टॉल करने को लेकर निर्देश जारी किया है। इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि दूरसंचार विभाग का यह निर्देश असंवैधानिक से भी परे है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दूरसंचार विभाग के निर्देश को शेयर करते हुए लिखा कि निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का एक

अभिन्न अंग है। तेलंगाना सीएम ने लोगों से सक्षम सरपंच चुनने की अपील की उन्होंने लिखा कि एक प्री-लोडेड सरकारी ऐप, जिसे हटाया नहीं जा सकता, हर भारतीय पर नजर रखने का एक उपकरण है। यह प्रत्येक नागरिक की हर गतिविधि, बातचीत और निर्णय पर नजर रखने का एक जरिया है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों पर लगातार हमलों की एक लंबी श्रृंखला का हिस्सा है और इसे जारी नहीं रहने दिया जाएगा। हम इस निर्देश को अस्वीकार करते हैं और इसे तत्काल वापस लेने की मांग करते हैं। भारत सरकार द्वारा 29 नवंबर को एक महत्वपूर्ण नियम लागू किया गया है। इसके अनुसार व्हाट्सएप, टेलीग्राम, अरट्टाई जैसे सभी मैसेजिंग ऐप्स अब हमेशा यूजर के डिवाइस में सक्रिय सिम कार्ड से लगातार लिंक रहेंगे। नियम के मुताबिक, ऐप केवल उसी समय काम करेगा जब वह एक चालू सिम कार्ड से लिंक हो और सिम मोबाइल में लगा हो। इसके साथ ही, इन सभी प्लेटफॉर्म का वेब वर्जन हर 6 घंटे में ऑटो-लॉगआउट होगा। क्यूआर कोड स्कैन करके इसे दोबारा लॉग-इन किया जा सकेगा।

निर्देश के मुताबिक, सभी प्लेटफॉर्म्स को 90 दिनों में इन नियमों का अनुपालन करना होगा और 120 दिनों में विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट जमा करनी होगी। -श्री ठशरव - हैदराबादः भूमि रूपांतरण रोकने के लिए इगझ ने राज्यपाल से हस्तक्षेप मांगा निर्देश में बताया गया कि केंद्र सरकार को टेलीकॉम साइबर सिक्योरिटी को खतरे में डालने वाले कामों की पहचान करने और रिपोर्ट करने के लिए जरूरी डिजिटल या दूसरे तरीके बनाने का अधिकार है, इसलिए दूरसंचार विभाग ने संचार साथी ऐप शुरू किया है, जो स्टेकहोल्डर्स को आईएमईआई से जुड़े संदिग्ध गलत इस्तेमाल की रिपोर्ट करने और मोबाइल डिवाइस में इस्तेमाल होने वाले आईएमईआई की असलियत वेरिफाई करने में मदद करता है।

केटीआर ने आरोप लगाया कि किराएदार किसान की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि सरकारी हत्या थी

खम्मम, 01 दिसम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के वर्किंग प्रेसिडेंट कलवकुंतला तारक रामा राव ने कहा कि खम्मम जिले के नेलाकोंडापल्ली में शंकरगिरी थांडा के किराएदार किसान वीरन्ना की अचानक मौत के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने हर साल 15 हजार रुपये किसान गारंटी देने का वादा करके किराएदार किसानों को धोखा दिया और इस किसान की जान हवा में उड़ गई। भगवान ही जाने इन्वेस्टमेंट असिस्टेंस क्या होती है.. उन्होंने कहा कि कम से कम अगर हाल ही में आए साइक्लोन से खराब हुई फसल का मुआवजा दिया जाता, तो इस किराएदार किसान का परिवार सड़क पर नहीं होता। दूसरी ओर, जब राज्य में 700 से ज़्यादा किसानों की आत्महत्या के साथ मौत की घंटी बज रही है.. तो रेवंत सरकार का जीत के जश्न के नाम पर ड्रामा करना शर्मनाक है। तेलंगाना सीएच ने लोगों से सक्षम सरपंच चुनने की अपील की उन्होंने आलोचना की कि खेती पूरी तरह से संकट में है क्योंकि मुख्यमंत्री को रियल एस्टेट घोटालों और स्कैम के अलावा किसानों की मुश्किलों की कोई समझ नहीं है। किराएदार किसान वीरन्ना का सेल्फी वीडियो देखने के बाद भी उन्होंने मांग की कि रेवंत सरकार अपने राज के पिछले दो सालों में किसानों के साथ हुई धोखाधड़ी के लिए माफी मांगे। उन्होंने कहा कि अगर राज्य भर के गांवों में बज रही यह मौत की घंटी नहीं रुकी तो लाखों किसान कांग्रेस सरकार को दफना देंगे। उन्होंने कहा कि आत्महत्या करने वाले वीरन्ना के परिवार को कम से कम 25 लाख रुपये का मुआवजा देना और परिवार को मुश्किलों से बाहर निकालना कांग्रेस सरकार की जिम्मेदारी है।

IN THE COURT OF THE
HON'BLE XIX JUNIOR CIVIL JUDGE
CITY CIVIL COURT, HYDERABAD.
O.S.No. 4948 of 2025

Between:
Sri Narsimha Sarode & others
... Plaintiffs.
And
The Tahsildar, Saidabad Mandal,
Hyderabad & another
... Defendants

To
All Concerned.

Please take notice that the plaintiffs have filed the above suit seeking a declaration that they are the legal heirs and successors of the deceased Late Smt. Manorama Devi Sarode, wife of Sri Narsimha Sarode and the said suit is posted to 30-12-2025. If, any person or persons have any objections to the plaintiffs' claim they may appear before this Hon'ble Court on 30-12-2025 at 10:30 A.M., either in person or through their counsel, and present their objections if any, failing which, the matter will be decided by the Court in accordance with law.

// By order of the Hon'ble Court \\

M/s. K. Venkat Ram Reddy
B. Yadagiri
B. Narender Reddy

Advocates
86-SRT, Municipal Colony,
Malakpet, Hyderabad.
9848227771, 9948094495.

CHANGE OF NAME
I, CINDRELLA d/o.JC 81047-H Ex Sub RAM KUMAR ROY R/o.1-29, Street No.2, Anand Nagar, near Church, Balaji Nagar, Kapra, Jawahar Nagar, M M District, 500087, have changed my Name from CINDRELLA to CYNDRELLA ROY vide Affidavit dated 1-12-2025 before J.A VINOD KUMAR, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 15818683P Hav CLK (IM) PONNANA SIVAKUMAR of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO, that my mother name and DOB is to be changed from PONNANA RAMADEVI, DOB:01-09-1968 to PONNANA RAMA, DOB:01-01-1964.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No 6948174Y Nk UTTAM RAY of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name and DOB is to be changed from LALITA RAY, DOB:03-05-1966 to LALITA ROY, DOB:28-01-1965.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No 6948174Y Nk UTTAM RAY of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my father name and DOB is to be changed from RAMEN RAY, DOB:01-10-1960 to RAMEN ROY, DOB:12-09-1958.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Bhagyalakshmi, W/o No 2592746H NkVijayawardhan Reddy served in 4th Battallion, The Madras Regiment has changed my name from BHAGYALAKSHMI to JAMMULA BHAGYALAKSHMI and DOB from 02 JUN 1972 to 22 JUN 1972 vide affidavit dated 01-12-2025 before the G Sathyanarayana Advocate & Notary, Hyderabad (Telangana)

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मंचेरियाल, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिला एचआईवी-एड्स समेकित रणनीति संस्था के तत्वावधान में जिला सरकारी जनरल अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, संबंधित स्टाफ एवं मेडिकल छात्रों ने एड्स उन्मूलन के लिए शपथ लेकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के अंतर्गत सरकारी विद्यालयों के छात्रों के लिए आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता, कार्यक्रम अधिकारी (एड्स एवं कुष्ठ) डॉ. सुधाकर नायक, कार्यक्रम अधिकारी (एमएचएन) डॉ. अरुणाश्री तथा जनरल अस्पताल अधीक्षक डॉ. वेदव्यास द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट अरुणा, डिप्टी डीएमओ वेंकटेश्वरलु, कासीपेट पीएचसी चिकित्सा अधिकारी श्री दिव्या, तल्लापेट पीएचसी हेल्थ एजुकेटर अल्लाड़ी श्रीनिवास, दिशा क्लस्टर प्रोग्राम मैनेजर रमेश, डेटा मैनेजर संतोष, आईसीटीसी एवं डीएसआरसी स्टाफ – श्रीनिवास, राजेंद्र, नरेंद्र, नर्मदा, जगन, आंजनेयुलु, एलएसी प्लस स्टाफ नर्स लक्ष्मी, एसएसके स्टाफ सतीश एवं किशन, नर्सिंग स्टाफ, स्वैच्छिक संस्था एवं लिंक वर्कर स्कीम से जुड़े कर्मचारी शामिल हुए।

कार्यक्रम में मौजूद सभी प्रतिभागियों ने एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सामाजिक कलंक को खत्म करने पर जोर दिया। आयोजकों ने समय-समय पर इसी प्रकार की गतिविधियां आयोजित करने का संकल्प लिया ताकि समाज में एड्स के प्रति सही जानकारी पहुंच सके।

जिला प्रशासन ने भी इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि हम सभी को मिलकर एड्स जैसी घातक बीमारी से समाज को सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे।

विविध पार्टी के सरपंच उम्मीदवारों की सूची अभी तैयार नहीं

मदनूर, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दो साल के अंतराल के बाद तेलंगाना राज्य सरकार स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए आगे आई है। तदनुसार, चुनाव आयोग ने पिछले सप्ताह पंचायत चुनाव कार्यक्रम की आधी अधिसूचना जारी की।

तीन चरणों में चुनाव कराने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में मदनूर व डोंगली मंडल में तीसरे चरण का चुनाव 17 दिसंबर को आयोजित होगा।

अन्य क्षेत्रों की तुलना में यहाँ राजनीतिक दलों को कुछ अधिक समय मिला है, इसलिए विभिन्न पार्टी के नेता ग्रामीण इलाकों में सक्रिय रूप से पहुंच रहे हैं। कांग्रेस, बीआरएस, बीजेपी सहित अन्य पार्टियों के नेता अपनी-अपनी समितियाँ बनाकर उन व्यक्तियों की छंटनी कर रहे हैं जो चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं।

सूत्रों के अनुसार, वे प्रत्येक पंचायत से दो से छह संभावित नामों की सूची तैयार कर पार्टी के हाईकमान को भेज चुके हैं। लेकिन इन नामों की जांच और अंतिम सूची तैयार न होने के कारण पार्टी उम्मीदवारों के दिलों की धड़कन तेज हो गई है। संभावित उम्मीदवार लगातार स्थानीय नेताओं और क्षेत्रीय पर्यवेक्षकों से संपर्क बनाकर अंतिम टिकट की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मदनूर मंडल सहकार सोसायटी के दो डायरेक्टरों ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। बड़ा तड़गूर गांव के वार्ड 9 टीसी के डायरेक्टर कोंडावार अंजव्वा तथा गोजेगांव के वार्ड 13 टीसी के डायरेक्टर राठौड़ शिवाजी ने सोमवार को मदनूर सोसायटी कार्यालय पहुँचकर अपना राजीनामा पत्र सीओ गंगाधर को सौंपा। इस दौरान सोसायटी कार्यालय के कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

परिवार के लिए समय निर्धारित किया जाए : अंबर किशोर झा

मंचेरियाल, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने कहा कि पुलिस अपने परिवार के हित के बजाय समाज के हित के लिए अपना फर्ज निभा रही है। सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस अधिकारियों को अब परिवार के सदस्यों के लिए अधिक समय देना चाहिए।रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट में लंबे समय से ड्यूटी के बाद सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एआरएसआई फारिकोद्दीन और कमिश्नरेट अरमुद बेलमपल्ली को सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया और पुलिस आयुक्त को स्मृति चिन्ह सौंपे गए। इस अवसर पर बोलते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि केवल वही लोग हैं जो अपने परिवार से ज्यादा समाज की सुरक्षा के लिए अपना फर्ज निभाते हैं।

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों ने अपनी ड्यूटी के दौरान कई उतार-चढ़ाव का सामना किया है और कई बार शांति व व्यवस्था की रक्षा के लिए अपनी जान गिनाए बिना कर्तव्यों का निर्वहन किया है। उन्होंने कहा कि वे पुलिस की भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा साबित होंगे। पुलिस

आयुक्त ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को स्वास्थ्य के लिए नियमित योग या व्यायाम जारी रखने के साथ-साथ परिवार के सदस्यों के साथ खुशहाल जीवन जीने की कामना की।कार्यक्रम में अतिरिक्त डीसीपी एडमिन श्रीनिवास, ट्रैफिक एसीपी श्रीनिवास, एओ श्रीनिवास, एआर एसीपी प्रताप, इंस्पेक्टर राजेंद्र प्रसाद, आरआईएलएस दामोदर मल्लेशम, रामागुंडम पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन अध्यक्ष बोरला कुंता पोचालिंगम और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों के परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों व अन्य पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

यह भी ज्ञात है कि बिजली विभाग द्वारा नो ड्यू सर्टिफिकेट जारी करने के लिए अंतिम बिजली बिल भुगतान की रसीद संलग्न करना आवश्यक होता है, और विभाग कार्यालयों में कर्मचारियों की उपलब्धता तथा सुव्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है ताकि उम्मीदवारों के काम में तेजी आ सके।

परिवार नियोजन में पुरुषों की अहम भूमिका : एनएसवी अपनाने की अपील

मंचेरियाल, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

परिवार को स्वस्थ और खुशहाल बनाए रखने में पुरुषों की समान भागीदारी आवश्यक है।

इसी उद्देश्य से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुरुषों के लिए उपलब्ध बिना कट-टांकों वाली एनएसवी (No-Scalpel Vasectomy) परिवार नियोजन शल्यक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

अधिकारियों ने बताया कि एनएसवी एक पूरी तरह सुरक्षित, सरल और लगभग दर्द रहित प्रक्रिया है, जिसे करने में मात्र पाँच मिनट का समय लगता है।

उन्होंने लोगों में फैली भ्रांतियों को दूर करते हुए स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया से पुरुष की शारीरिक क्षमता, ताकत या वैवाहिक जीवन पर किसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता।

अधिकारियों ने कहा कि परिवार नियोजन का बोझ केवल महिलाओं पर नहीं रहना चाहिए।

पुरुष भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए आगे आएँ और एनएसवी जैसी सुविधाओं का लाभ उठाएँ। इससे परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति बेहतर होगी तथा आने वाला जीवन और भी सुखद बनेगा।

कार्यक्रम में जिला मास मीडिया अधिकारी बुक्का वेंकटेश्वर, कांताराव एसओ सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली बकाया प्रमाण पत्र के लिए उम्मीदवारों की याचिकाएँ

मंचेरियाल, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले के कासिपेटा मंडल में सरपंच और वार्ड सदस्य के उम्मीदवारों को बिजली विभाग से नो ड्यू सर्टिफिकेट (अदेयता प्रमाण पत्र) प्राप्त करने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उम्मीदवारों को मंडल के कोंडापुर सबस्टेशन बिजली विभाग कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं क्योंकि उन्हें बताया जा रहा है कि नामांकन के लिए यह प्रमाण पत्र आवश्यक है।

अधिकारियों के न आने और सहायक अभियंता (एई) के छुट्टी पर होने के कारण उम्मीदवार कार्यालय आकर निराश लौट रहे हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि कासिपेट से बेल्लमपल्ली जाने में समय की बर्बादी हो रही है और वहाँ काम भी जल्दी नहीं हो रहा क्योंकि यह दूसरे मंडल में है। नामांकन का समय कम होने के कारण प्रक्रिया में देरी हो रही है।

सरपंच और वार्ड सदस्य के उम्मीदवार अधिकारियों से मांग कर रहे हैं कि जल्दी से जल्दी स्थानीय स्तर पर कासिपेट मंडल में ही अदेयता प्रमाण पत्र जारी किया जाए ताकि नामांकन प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी हो सके।

तीसरे चरण के चुनाव के लिए आज से नामांकन शुरू

मदनूर, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल विकास अधिकारी रानी ने सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मदनूर मंडल में स्थानीय ग्राम पंचायत चुनाव तीसरे चरण में आयोजित किए जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया 3 दिसंबर 2025 से 5 दिसंबर 2025 तक चलेगी। निर्धारित अवधि में सुबह 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक नामांकन पत्र स्वीकार किए जाएंगे।

अभ्यर्थियों को नामांकन पत्र के साथ वोटर आईडी, प्रस्तावक का वोटर आईडी, जाति प्रमाण पत्र, नया खाता संख्या, तथा संबंधित ग्राम पंचायत से अभ्यर्थी व प्रस्तावक का बकाया प्रमाण प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

एमडीओ रानी ने बताया कि नामांकन प्राप्त करने के लिए क्लस्टर मुख्यालय और उनसे संबंधित ग्राम पंचायतों के नाम निम्नानुसार निर्धारित किए गए हैं-

क्लस्टरवार ग्राम पंचायतों की सूची एवं जनसंख्या (2011 के अनुसार)1. हंडेकेलर ग्राम पंचायत कार्यालय : हांडेकेलुर, छोटा शक्करगा, कोटचिरा,

2. कोड़चिरा ग्राम पंचायत : कोड़चिरा, एकलारा छोटा 3. मदनूर ग्राम पंचायत : मेनूर ग्राम पंचायत, मेनूर, शेखपुर 4. बड़ा एकलारा ग्राम पंचायत : बड़ा एकलारा,धनुर,राचूर 5. सोमूर ग्राम पंचायत : सोमूर

6. सुल्तानपेट ग्राम पंचायत : सुल्तानपेट, ऋषेगाव 7. बड़ा तड़गुड़ ग्राम पंचायत : बड़ा तड़गुड़, छोटा तड़गुड़, अंतापुर 8. मंडल विकास कार्यालय : बड़ा शक्करगा, गोजेगाव, थड़ी हिपरगा इन ग्राम पंचायतों के उम्मीदवारों को संबंधित क्लस्टर केंद्रों पर ही अपने नामांकन पत्र जमा करने होंगे।

पंचायत चुनावों के मद्देनजर पुलिस कर्मियों के लिए अवग्रहण सत्र आयोजित

चेन्नूर , 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर नगर स्थित स्थानीय पुलिस स्टेशन प्रांगण में आगामी ग्राम पंचायत चुनावों को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग की ओर से पुलिस कर्मियों के लिए अवग्रहण सत्र आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जयपुर एसीपी वेंकटेश्वरलु ने पुलिस कर्मचारियों को चुनावी ड्यूटी तथा कानून-व्यवस्था से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की।

एसीपी वेंकटेश्वरलु ने कहा कि चेक पोस्टों पर तैनात पुलिसकर्मियों को हर पल सतर्क रहना आवश्यक है। उन्होंने पोलिंग

केंद्रों पर लागू होने वाले कानूनों, सुरक्षा प्रबंधन, मतदान केंद्रों की संवेदनशीलता और चुनाव अवधि के दिशानिर्देशों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अवांछित घटना को रोकना तथा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण सुनिश्चित करना पुलिस की प्रथम जिम्मेदारी है। सभी पुलिसकर्मियों को पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और निष्पक्षता के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए गए।

एसीपी वेंकटेश्वरलु ने चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशियों एवं मतदाताओं को अग्रिम शुभकामनाएँ देते हुए कहा, मतदान हमारा अधिकार है, हर व्यक्ति अपने गाँव पहुँचकर अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें।

साथ ही उन्होंने जनता से अपील की कि वे पुलिस प्रशासन का सहयोग करें, किसी भी विवाद को बढ़ावा न दें और चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में योगदान दें।

सिंगरेनी युवाओं को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रहा है : सीएमडी

मंचेरियाल, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने कहा कि सिंगरेनी क्षेत्र के शिक्षित युवाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए सक्षम बनाने हेतु कंपनी निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

युवाओं के शैक्षणिक और रोजगार-संबंधी अवसरों में वृद्धि तथा उन्हें बड़े लक्ष्यों के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से चेमाता चुक्कलकु तरफिदु नामक अभिनव कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिष्ठित हस्तियों के प्रेरक संदेशों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के माध्यम से युवाओं को अवसरों और वैश्विक संभावनाओं से अवगत कराना है।

कोठागुडेम क्षेत्र के रुद्रमपुर स्थित आरसीओए क्लब में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाषण देते हुए सीएमडी बलराम ने बताया कि रोजगार मेलों के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ यह कार्यक्रम युवाओं को उचित दिशा और आवश्यक जानकारी प्रदान करेगा।कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विशेषज्ञ एवं क्लाउड सेल्स के सीईओ पल्ले श्रीनिवास भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सिंगरेनी के नेतृत्व में युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की यह पहल अत्यंत नवाचारी और उपयोगी है।

श्रीनिवास, जो स्वयं एक सिंगरेनी कर्मचारी के सेवानिवृत्त पुत्र हैं, ने बताया कि वे वर्तमान में लंदन में एक कंपनी संचालित कर रहे हैं।उन्होंने प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि कड़ी मेहनत के साथ-साथ कौशल और सही मार्गदर्शन व्यक्ति को उसके लक्ष्यों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस महत्त्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए सिंगरेनी प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

बाघ की आवाजाही से गाँव में भय का माहौल

मंचेरियाल, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेज्जुर मंडल केंद्र के निवासियों में सोमवार को उस समय दहशत फैल गई, जब स्थानीय लोगों ने मंडल मुख्यालय के बाहरी इलाके में स्थित एक नाले के तल में बाघ के पैरों के स्पष्ट निशान देखे। बाघ की संभावित गतिविधि की खबर मिलते ही क्षेत्र में भय और सतर्कता का माहौल बन गया है।

स्थानीय लोगों ने वन विभाग से आग्रह किया कि वे बाघ की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें और मानव जीवन को किसी भी संभावित खतरे से बचाने के लिए तत्काल कदम उठाएँ। ग्रामीणों का कहना है कि बाघ के देखे जाने के बाद से ही वे डर के साये में जीने को मजबूर हैं और रात के समय बाहर निकलने से परहेज़ कर रहे हैं।

घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुँचे वन अधिकारियों ने स्थिति की पुष्टि करते हुए बताया कि नाले में मिले पगमार्क वास्तव में बाघ के ही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि बाघ की गतिविधि पर नजर रखने के लिए पशु ट्रैकर तैनात किए गए हैं, साथ ही क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

वन अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को सलाह दी है कि वे अकेले बाहर न निकलें, विशेषकर सुबह व शाम के समय, और अधिक सुरक्षा के लिए समूह में ही आवागमन करें। विभाग ने आश्वासन दिया है कि बाघ को आबादी से दूर ले जाने और किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

मंचेरियाल पंचायत चुनाव में मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रत्याशियों ने शुरू किए प्रलोभन

मंचेरियाल,, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्राम पंचायत चुनावों में प्रत्याशियों ने पूर्ण प्रचार शुरू होने से पहले ही मतदाताओं को विभिन्न प्रलोभनों से आकर्षित करने की कोशिशें तेज़ कर दी हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को नामांकन पत्रों की जाँच पूरी कर ली गई है, जबकि उम्मीदवार 3 दिसंबर तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। मतदान 11 दिसंबर से शुरू होकर तीन चरणों में पूरा होगा।चुनावी मैदान में उतरे उम्मीदवार अलग-अलग रणनीतियाँ अपनाकर मतदाताओं का रुझान अपनी ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि ज़िले के कई इलाकों में कुछ प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को फ्रिज, ग्राइंडर और अन्य घरेलू उपकरण उपहार स्वरूप दिए जा रहे हैं।

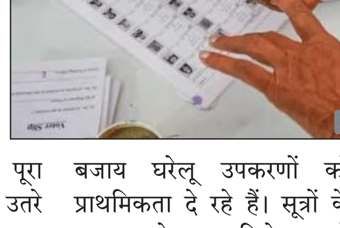

पुलिस द्वारा वाहनों की कड़ी जाँच के कारण नकदी ले जाना जोखिमपूर्ण बताया जा रहा है, इसलिए कई प्रत्याशी नकदी की बजाय घरेलू उपकरणों को प्राथमिकता दे रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, ये उपहार विशेष रूप से उन परिवारों को दिए जा रहे हैं जिनमें कम से कम चार वोट हैं।

मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए प्रत्याशियों द्वारा दिए जा रहे उपकरणों की कीमत 5,000 से 10,000 रुपये के बीच बताई जा रही है, जबकि राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि उम्मीदवार प्रति वोट लगभग 2,000 रुपये अलग बजट रख रहे हैं। कई उम्मीदवारों ने इन खरीदों के लिए स्थानीय साहूकारों समेत विभिन्न स्रोतों से ऋण लेने की भी सूचना दी है।इस बीच आर्थिक रूप से मज़बूत समुदायों के कुछ बुज़ुर्गों द्वारा अनुसूचित जनजाति (ST) और अनुसूचित जाति (SC) के लिए आरक्षित पंचायतों में लड़ने वाले उम्मीदवारों को सहयोग देने की चर्चा भी सामने आ रही है। माना जा रहा है कि वे स्थानीय निकायों पर प्रभाव बनाए रखने और विकास कार्यों के ठेके हासिल करने के उद्देश्य से इन कमज़ोर वर्गों के उम्मीदवारों का समर्थन कर रहे हैं, ताकि जीत के बाद वे छाया सरपंच की भूमिका निभा सकें।

मुख्यमंत्री ने ग्राम विकास के लिए सक्षम सरपंचों को चुनने की अपील की

नारायणपेट (तेलंगाना), 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को मतदाताओं से अपने गांवों के व्यापक विकास के लिए सक्षम नेताओं को सरपंच के रूप में चुनने की अपील की।मुख्यमंत्री ने लोगों को उन पार्टियों का समर्थन करना बंद करने की चेतावनी दी जो राज्य के विकास में बाधाएँ पैदा कर रही हैं।

जिले के मकतल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, जहां उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में 118.82 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया, मुख्यमंत्री ने कहा कि पालमुरु जिले के लोगों ने 12 विधायकों को चुनकर कांग्रेस को आशीर्वाद दिया और वह तेलंगाना के सबसे युवा राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री चुने गए।

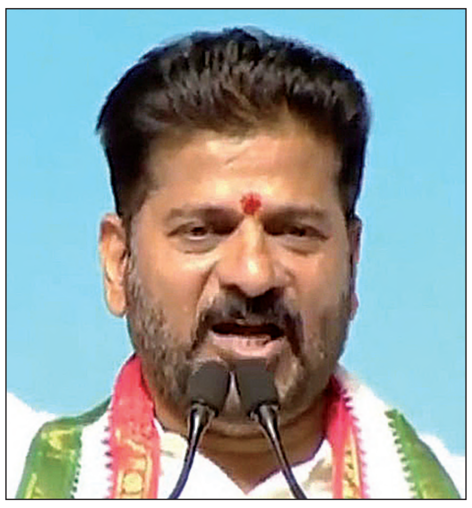

मुख्यमंत्री ने पूर्व सीएम केसीआर पर राज्य में 10 साल के बीआरएस शासन के दौरान पालमुरु जिले की उपेक्षा करने का जोरदार आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''इस धरती ने तेलंगाना आंदोलन के दौरान केसीआर का समर्थन किया और उन्हें लोकसभा सांसद के रूप में चुना। सीएम चुने जाने के बाद, केसीआर ने विकास के लिए 12 करोड़ भी नहीं दिए।

पालमुरु परियोजनाएं पूरी नहीं हुईं और कोडंगल-नारायणपेट लिफ्ट योजना को पूरा करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया।'' सीएम ने कहा कि 'जनता की सरकार' ने पालमुरु परियोजना को पूरा करने का काम शुरू कर दिया है।

सीएम ने आरोप लगाया कि विपक्ष ने अदालतों में मामले दर्ज कर परियोजना को बाधित किया।

भूमि अधिग्रहण में 96 प्रतिशत किसानों को 20 लाख का अच्छा मुआवजा दिया गया। हमने नारायणपेट कोडंगल परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा कर लिया है और काम शुरू कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''आइए हम पालमुरु को सबसे समृद्ध राज्य के रूप में विकसित करें क्योंकि सरकार भविष्य में धन और पानी उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।''

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि वित्तीय बाधाओं का सामना करने के बावजूद, राज्य सरकार सभी योजनाओं को लागू करने और विकास कार्यों को पूरा करने में आगे बढ़ रही है। सीएम ने कहा, ''पालमुरु परियोजन-ाओं को पूरा करना और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना मेरी जिम्मेदारी है।''

मुख्यमंत्री रेड्डी ने हडको से तेलंगाना की प्रमुख परियोजनाओं के लिए कम ब्याज वाले ऋण देने का आग्रह किया

नारायणपेट (तेलंगाना), 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने क्गृउज (हुडको) के अध्यक्ष संजय कुलश्रेष्ठ से तेलंगाना सरकार द्वारा निष्पादित की जा रही प्रमुख विकास परियोजनाओं के लिए कम ब्याज दरों पर दीर्घकालिक ऋण स्वीकृत करने का आग्रह किया है।कुलश्रेष्ठ ने सोमवार को हैदराबाद में मुख्यमंत्री से मुलाकात की, जिसके दौरान दोनों ने रणनीतिक बुनियादी ढांचा कार्यों के लिए वित्तीय सहायता पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने भारत फ्यूचर सिटी, हैदराबाद मेट्रो विस्तार, रीजनल रिंग रोड और रेडियल रोड नेटवर्क के लिए रियायती दरों पर वित्तीय सहायता मांगी। उन्होंने अतीत में स्वीकृत उच्च-ब्याज वाले हुडको ऋणों के पुनर्गठन का मुद्दा भी उठाया। अध्यक्ष ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की, और आश्वासन दिया कि इस मुद्दे पर अनुकूल रूप से विचार किया जाएगा।

बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत फ्यूचर सिटी से बेंगलुरु और अमरावती होते हुए चेन्नई तक ग्रीनफील्ड राजमार्ग कनेक्टिविटी, बांदरू बंदरगाह तक सड़क संपर्क, और प्रस्तावित हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर भी चर्चा की।

हुडको अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को सूचित किया कि इंदिरम्मा आवास के लिए ऋण पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं। रेवंत रेड्डी ने अतिरिक्त 10 लाख घरों के लिए धन की त्वरित स्वीकृति की अपील की, जिस पर कुलश्रेष्ठ ने सकारात्मक जवाब दिया।

मुख्यमंत्री ने हुडको अध्यक्ष को 8 और 9 दिसंबर को भारत फ्यूचर सिटी में निर्धारित भारत ग्लोबल समिट में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, प्रधान सचिव के. रामकृष्ण राव, मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव के.एस. श्रीनिवास राजू, वित्त सचिव संदीप कुमार सुलतानिया, विशेष मुख्य सचिव विकास राज, आवास एमडी गौतम, हुडको क्षेत्रीय प्रमुख पी. सुभाष रेड्डी, और हुडको के वरिष्ठ अधिकारी आशीष गुंडाला और सैयद रहिमुद्दीन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का वादा: पालमुरु के लिए सिंचाई, विकास और मॉडल शिक्षा केंद्र

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि पालमुरु के लोगों ने इस क्षेत्र से 12 विधायकों को चुनकर और उन्हें राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर देकर अत्यधिक विश्वास दिखाया है।

कांग्रेस के शासन के दो साल पूरे होने के अवसर पर मकतल में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि पिछली टीआरएस सरकार को विकास की उपेक्षा के बावजूद पालमुरु का समर्थन मिलता रहा। हालांकि, एक दशक तक सत्ता में रहने के बावजूद, पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) संगम चट्टान को तोड़ने जैसे बुनियादी कार्यों के लिए 12 करोड़ भी आवंटित नहीं कर सके और कई प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं को अधूरा छोड़ दिया।रेवंत रेड्डी ने कहा कि जनता की सरकार अब पालमुरु परियोजनाओं पर काम को आगे बढ़ा रही है, जिसमें नारायणपेट-कोडंगल लिफ्ट योजना भी शामिल है, जिसके लिए किसानों को प्रति एकड़ 20 लाख की पेशकश करके 96 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण पूरा कर लिया गया है।

उन्होंने कहा, ''पालमुरु का बेटा होने के नाते, इन परियोजनाओं को पूरा करना और हर किसान के लिए सिंचाई सुनिश्चित करना मेरी जिम्मेदारी है।'' उन्होंने आगे कहा कि डेढ़ साल तक अदालती मामलों के कारण प्रगति रुकी रही, लेकिन अब काम फिर से शुरू होगा।रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के तहत शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हर निर्वाचन क्षेत्र में यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं, और जिले में ऐसे 14 संस्थान आ रहे हैं। पालमुरु के लिए एक आईआईटी का भी प्रस्ताव है, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह जिले को देश के लिए एक मॉडल में बदल देगा।उन्होंने पिछले दो वर्षों में लागू की गई कई योजनाओं पर प्रकाश डाला, जिनमें महिलाओं के लिए मुफ्त आरटीसी यात्रा, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, राशन लाभ, किसान ऋण माफी, और कृषि में 1.04 लाख करोड़ का वित्तीय निवेश शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जाति जनगणना कराई है, एससी वर्गीकरण सुनिश्चित किया है और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार पिछले प्रशासन द्वारा छोड़े गए 8 लाख करोड़ के कर्ज को चुका रही है, साथ ही तेलंगाना को बड़े आर्थिक विस्तार की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा कि 8 और 9 दिसंबर को होने वाला आगामी तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट दुनिया के सामने राज्य की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य 2034 तक तेलंगाना को 1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था और 2047 तक 3 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाना है।आगामी पंचायत चुनावों से पहले, मुख्यमंत्री ने लोगों से विभाजन के बजाय विकास के लिए प्रतिबद्ध उम्मीदवारों को चुनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''सरपंचों को चुनें जो आपके गांवों का निर्माण करेंगे। धन और पानी उपलब्ध कराना मेरी जिम्मेदारी है। मिलकर, हम दस वर्षों में पालमुरु को एक सुनहरा फसल वाला जिला बनाएंगे।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने मकतल निर्वाचन क्षेत्र में आत्मकुर (एम) और अमराचिंता नगर पालिकाओं में 151.92 करोड़ के विकास कार्यों और मकतल नगर पालिका की सीमा के भीतर 118.82 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास किया।इस अवसर पर मंत्री वकटी श्रीहरि, दामोदर राजनरसिम्हा, जुपल्ली कृष्ण राव और अन्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सभी सांसदों को संसद सत्र में बीसी आरक्षण का मुद्दा उठाने का निर्देश दिया : उपमुख्यमंत्री

खम्मम, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सभी सांसदों को निर्देश दिया है कि वे चालू संसद सत्र में बीसी आरक्षण (पिछड़ा वर्ग आरक्षण) का मुद्दा उठाएँ।

मुख्यमंत्री के इस निर्देश का जिक्र करते हुए, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने सोमवार को कहा कि जहाँ तेलंगाना सरकार वास्तव में बीसी को 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की परवाह करती है, वहीं केंद्र की भाजपा सरकार में समान प्रतिबद्धता नहीं है।

यहां खम्मम जिला कांग्रेस कार्यालय में नूति सत्यनारायण के कार्यभार संभालने के अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि बीसी को 42% आरक्षण दिया जाना चाहिएदेश पर शासन कर रही भाजपा यह प्रतिबद्धता साझा नहीं करती है।

उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता संभालने के तुरंत बाद, राहुल गांधी ने जाति जनगणना कराने की घोषणा की थी। उस वादे को पूरा करते हुए, बीसी को 42 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया थाजो देश में कहीं और मौजूद नहीं है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा में एक विधेयक पेश किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया और राज्यपाल को भेजा गया। उन्होंने आगे कहा कि यह विधेयक अब दिल्ली पहुँच गया है और कथित तौर पर राष्ट्रपति भवन में अटका हुआ है।

उन्होंने बताया कि पीसीसी अध्यक्ष महेश गौड़ के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली गया, धरना दिया और विधेयक को मंजूरी देने का अनुरोध करने के लिए प्रधानमंत्री से मिलने का समय भी मांगा।

स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए अदालती निर्देशों के कारण, सरकार ने ग्राम पंचायत चुनावों की तैयारियों के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है। उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पार्टी के माध्यम से कमजोर वर्गों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्थाएँ की जाएँगी।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस नेता बिना कोई सार्थक काम किए श्रेय लेने का दावा करते हैं; वास्तव में, उन्होंने बयान देने के अलावा और कुछ हासिल नहीं किया है।उन्होंने आगे कहा कि टीअ-ारएस (बीआरएस) और कांग्रेस के बीच का अंतर ऐसा है जैसे सियार और नाग लोक के बीच का अंतर होता है।

उन्होंने राज्य भर के लोगों को तेलंगाना विजन डॉक्यूमेंट प्रदर्शनी में आने और भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जो 10 से 13 दिसंबर तक निर्धारित हैयह एक ऐसा दस्तावेज़ है जिसे यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि भविष्य में तेलंगाना उच्च स्थान पर खड़ा हो। 9 दिसंबर को, तेलंगाना राइजिंग 2047 डॉक्यूमेंट का अनावरण किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह दस्तावेज़ बताता है कि तेलंगाना को कैसे 3 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में बदला जाएगा जो विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होगी।

उन्होंने आगामी सरपंच चुनावों में सभी लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से राजनीति से ऊपर उठकर, कांग्रेस उम्मीदवारों को आशीर्वाद देने और हर गाँव को बड़े पैमाने पर विकसित करने के लिए काम करने का आग्रह किया।

उन्होंने लोगों से राजनीति को दरकिनार कर कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने और गाँवों के बड़े पैमाने पर विकास को सक्षम बनाने का आह्वान किया।

आईएएस कैडर पदों पर आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति पर हाईकोर्ट सख्त

10 दिसंबर तक राज्य सरकार से मांगा स्पष्टीकरण

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा है कि आईएएस कैडर के लिए आरक्षित पदों पर आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति क्यों की जा रही है।

अदालत ने इस संबंध में मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव को नोटिस जारी कर 10 दिसंबर तक विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

मामला उस समय उठा जब एक याचिका के माध्यम से 26 सितंबर के सरकारी आदेश (जीओ 1342) को चुनौती दी गई। याचिकाकर्ता का कहना है कि सरकार ने आईएएस-विशिष्ट पदों पर आईपीएस अधिकारियों को नियुक्त कर केंद्रीय सेवा नियमों का उल्लंघन किया है।

याचिका में जिन तीन आईपीएस अधिकारियों का उल्लेख किया गया है, वे हैं- स्टीफन रविंद्र, नागरिक आपूर्ति आयुक्त एवं पदेन प्रमुख सचिव। शिखा गोयल, सतर्कता एवं प्रवर्तन महानिदेशक एवं पदेन प्रमुख सचिव और सीवी आनंद, विशेष मुख्य सचिव (गृह)।

याचिकाकर्ता का तर्क है कि आईएएस कैडर स्ट्रेंथ रेगुलेशन, 2016 के तहत कुछ पद विशेष रूप से आईएएस अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं। इसके अलावा, याचिका में कहा गया है कि प्रमुख सचिव जैसे पद स्वतंत्र निगरानी की मांग करते हैं, विशेष रूप से फोन टैपिंग जैसे संवेदनशील मामलों में, और ऐसे पदों पर आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति उपयुक्त नहीं है।

याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि आईएएस और आईपीएस अधिकारियों का प्रशिक्षण एवं जिम्मेदारियां अलग-अलग होती हैं, इसलिए दोनों संवर्गों के बीच की रेखाएँ धुंधली नहीं की जानी चाहिए।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
R. No.
5305
SPACE COUPON
Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement
10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj,
Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

सरकार ने पुराने शहर तक मेट्रो कनेक्टिविटी के लिए 125 करोड़ मंजूर किए

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद के पुराने शहर तक मेट्रो कनेक्टिविटी के लिए 125 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।आवंटित धनराशि का उपयोग हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो लिमिटेड (एचएएमएल) द्वारा पुराने शहर और उसके आसपास मेट्रो कनेक्टिविटी कार्यों के कार्यान्वयन के लिए किया जाएगा। यह चालू वित्त वर्ष के लिए महालेखाकार और राज्य सरकार को मासिक व्यय रिपोर्ट और उपयोग प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा।

मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव ने सोमवार, 1 दिसंबर को वित्त विभाग और जिला कोषागार अधिकारी, हैदराबाद (शहरी) को स्वीकृत राशि जारी करने और समायोजित करने का निर्देश दिया।

इस आवंटन से पुराने शहर में शहरी परिवहन में उल्लेखनीय सुधार होने, यात्रियों के लिए बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध होने तथा क्षेत्र में यातायात की भीड़भाड़ कम होने की उम्मीद है।पुराने शहर कॉरिडोर में हैदराबाद मेट्रो रेल चरण 2 नेटवर्क के लिए प्रारंभिक कार्य जनवरी के पहले सप्ताह में शुरू हुआ।

5.5 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर की योजना संपत्ति अधिग्रहण को कम करने और सुगम संपर्क सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक बनाई गई है। इंजीनियरिंग पुनर्रचना और मार्ग पुनर्संरेखण के माध्यम से प्रभावित संपत्तियों की संख्या 1,100 से घटाकर लगभग 900 कर दी गई है।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

गुरुजी वेदप्रकाश जोशी
के जन्मदिन के अवसर पर
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

रतनलालजी-राजकुमारी गुप्ता
के मंगल परिणय की
60वीं वर्षगाँठ के अवसर पर
वितरण स्थल : केबीआर पार्क, बंजारा हिल्स
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.